सूर्योदय 6.10 सूर्यास्त 6:16

आज का तापमान

शिमला	16.0 न्यू	25.0 अधि
धर्मशाला	16.2 न्यू	30.1 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,828
निफ्टी	23,447

सोना 1,52,000 चांदी 2,33,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 24 सितंबर 2026 | 8 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 150, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

मेघालय में आठ यूडीपी विधायक भाजपा में शामिल

एजेंसी, शिलांग। मेघालय की यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के 8 विधायक बुधवार को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी हेडक्वार्टर में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। राज्य में पहले भाजपा के 2 विधायक थे। यूडीपी के 8 विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी के विधायकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। इसके साथ ही भाजपा विधानसभा में नेशनल पीपुल्स पार्टी के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। राज्य में मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस की सरकार है।

लंदन से दिल्ली आ रहे इंडिगो विमान में तकनीकी खराबी, एक घंटे बाद लौटा

एजेंसी, नई दिल्ली। लंदन से दिल्ली आ रहा इंडिगो का ड्रीमलाइनर विमान तकनीकी दिक्कत के कारण बुधवार तड़के लंदन लौट गया। विमान ने करीब एक घंटे पहले उड़ान भरी थी। फ्लाइट 6ई4 ने लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार रात 12:40 बजे उड़ान भरी थी। तकनीकी खराबी का पता चलते ही पायलटों ने तय प्रक्रिया के तहत विमान को वापस मोड़ दिया। यह विमान रात करीब 2 बजे लंदन हीथ्रो एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गया। एयरलाइन ने विमान में कितने यात्री सवार थे और तकनीकी दिक्कत क्या थी, इसकी जानकारी नहीं दी है। केवल यह बताया कि विमान की फिलहाल मेंटेनेंस जांच चल रही थी।

श्रीकाकुलम में ट्रेन की चपेट में आने से 4 छात्रों की मौत, एक गंभीर

एजेंसी, हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के टेक्कली मंडल में रविवलासा के पास बुधवार दोपहर राज्य रानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार छात्र तालाब से मछली पकड़कर लौटते समय रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। मृतकों की पहचान विशाखा राव, दिलीप, शरद और शिव के रूप में हुई है। घायल सलमान राजू को टेक्कली सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी छात्र इंटरमीडिएट के विद्यार्थी थे और सरकारी एससी/एसटी छात्रावास में रह रहे थे। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताते हुए अधिकारियों से जानकारी मांगी और घायल को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

झारखंड में करमा विसर्जन के दौरान कोयल नदी में डूबे 5 युवक, 4 की मौत

एजेंसी, पलामू। झारखंड के पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के दुल्ही गांव में करमा पूजा विसर्जन के दौरान बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। कोयल नदी में नहाने के दौरान पांच युवक डूब गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से चार युवकों को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान नीतीश कुमार सिंह (18), अमित कुमार ठाकुर (22), राजा सिंह (12) और विशाल पासवान (16) के रूप में हुई है। हेमंत कुमार सिंह (8) अभी लापता है, जिसकी तलाश जारी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल के अधिकारों की करेगा जांच

कहा- बीसीआई की जिम्मेदारी लाइसेंस देने के बाद होती है शुरू, लॉ ग्रेजुएट्स का एनरोलमेंट रोका था

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआई के अधिकारों को लेकर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि वह यह जांच करेगी कि बीसीआई के पास लॉ कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज की कानूनी शिक्षा को रेगुलेट करने का अधिकार है या नहीं।

यह मामला नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के 2026 बैच के ग्रेजुएट्स का एनरोलमेंट रोकने से जुड़ा है। बीसीआई ने 13 अगस्त को सभी स्टेट बार काउंसिलों को निर्देश दिया था कि अगले आदेश तक नालसर के 2026 बैच के किसी भी ग्रेजुएट का वकील के तौर पर एनरोलमेंट न किया जाए। चीफ जस्टिस



सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच बीसीआई-पर्ल फर्स्ट ट्रस्ट के कामकाज और ट्रस्ट की ओर से लॉ कॉलेज खोलने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर बीसीआई से दो हफ्ते में जवाब मांगा है। बीसीआई-पर्ल फर्स्ट ट्रस्ट बार काउंसिल ऑफ इंडिया से जुड़ा एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट है, जिसका उद्देश्य कानूनी शिक्षा और रिसर्च को बढ़ावा देना तथा लॉ संस्थान स्थापित करना है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट के जज एकमत नहीं

मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बंटा हुआ फैसला दिया। जस्टिस

- **एक ने कहा- 5 जजों की संविधान पीठ करे सुनवाई**
- **दूसरे ने किया विरोध**

दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच को यह तय करना था कि केस बड़ी (पांच जजों की) बेंच को भेजा जाए या नहीं। 5 दिन तक मामले की सुनवाई के बाद जस्टिस दीपांकर दत्ता ने केस 5 जजों की बड़ी संविधान बेंच को भेजने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। वहीं, जस्टिस शर्मा ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हालांकि दोनों जजों ने मामला सीजेआई सूर्यकांत के पास भेजने पर सहमति जताई है। अब सीजेआई तय करेंगे कि इस मामले की सुनवाई के लिए बड़ी बेंच बनाई जाए या नहीं। बेंच ने बड़े संवैधानिक मामलों की सुनवाई के लिए स्थायी 5 जजों की संविधान बेंच बनाने की संभावना तलाशने का भी अनुरोध किया है।

27 सितंबर को रविवार के दिन भी खुलेंगे बैंक

एजेंसी, नई दिल्ली। देशभर में सभी बैंक इस हफ्ते रविवार को भी खुले रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने जानकारी दी है कि आरबीआई ने 27 सितंबर को देश की सभी बैंक शाखाओं, दफ्तरों और एटीएम-लिंक ब्रांचों समेत सभी सर्विसेज को पूरी तरह चालू रखने की मंजूरी दी है। यह कदम यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस यानी यूएफबीयू की 28 से 30 सितंबर 2026 तक प्रस्तावित तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए उठाया गया है। हड़ताल से ठीक पहले 26 सितंबर (शनिवार) और 27 सितंबर (रविवार) को वीकेंड की छुट्टियां पड़ रही थीं। ऐसे में लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सर्विसेज बाधित होने का खतरा बना हुआ था। सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि जनता की जरूरी बैंकिंग जरूरतों पर लंबे समय तक असर न पड़े।

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें किसान पर्यावरण बचाना जरूरी : सीएम सैनी



एजेंसी, कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सैनी अपने विधानसभा क्षेत्र लाडवा में इंद्री रोड पर आयोजित किसान मेले इनोवेटिव फार्मर्स मीट में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया गया, तो वहीं मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम का शुभारंभ करने के साथ ही प्रदर्शनी भी देखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज किसान जागरूक है। फसल प्रबंधन से लेकर फसल चक्र अपनाने तक में किसानों ने प्रगति के साथ जागरूकता दिखाई है। प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को आसपास के दूसरे किसानों को भी जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि आज कृषि क्षेत्र में बड़ा व क्रांतिकारी परिवर्तन आ चुका है। नई-नई मशीनों व किसानों की रूचि ने कृषि का तौर तरीका ही बदल दिया है। तकनीक के साथ कृषि की जाने लगी है, जिससे समय के साथ-साथ लागत में भी कमी आई है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों को भी आह्वान किया कि ऐसी तकनीक और भी ईजाद की जानी चाहिए, जो किसानों को आसानी से उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने घटते भूजलस्तर, मानसून की अनिश्चिता व मिट्टी की बदली सेहत जैसी समस्याएं खड़ी है। इन पर सभी को मिलकर पार पाना होगा। मुख्यमंत्री ने बेहताशा पेस्टीसाइड प्रयोग करने से बचने का भी आह्वान किया और कहा कि हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना ही होगा। आने वाली पीढ़ी को बेहतर वातावरण देना हमारा कर्तव्य है।

हिमाचल के स्कूलों में अब बच्चों को सप्ताह में दो बार मिलेगा पौष्टिक आहार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश सरकार ने स्कूली बच्चों की पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बाल पौष्टिक आहार योजना में संशोधन को मंजूरी दी है।

इसके तहत नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को मिड-डे-मील के साथ सप्ताह में दो बार अतिरिक्त पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाया जाएगा। इससे पहले यह सुविधा सप्ताह में एक बार दी जाती थी। संशोधित व्यवस्था के तहत बुधवार और शुक्रवार को विद्यार्थियों को उनकी अथवा अभिभावकों की पसंद के अनुसार उबला हुआ अंडा या ताजा फल दिया जाएगा। फलों में केला अथवा सेब उपलब्ध करवाया जाएगा। विद्यालय स्तर पर मिड-डे-मील प्रभारी शिक्षक और कुक-कम-हेल्पर विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करेंगे। योजना की निगरानी प्रधानाचार्य, मुख्याध्यापक, केंद्र मुख्य शिक्षक, स्कूल प्रबंधन समितियां और संबंधित अधिकारी करेंगे। अतिरिक्त पौष्टिक आहार के लिए खाद्य सामग्री स्थानीय बाजार से स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों और स्कूल प्रबंधन समितियों के सहयोग से खरीदी जाएगी। योजना का बजट विद्यार्थियों के दाखिले के आधार पर उपलब्ध करवाया जाएगा और ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी विद्यालयों को त्रैमासिक आधार पर धनराशि जारी करेंगे। विद्यालयों को खर्च का अलग रिकॉर्ड रखना होगा।

बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा शारीरिक विकास में सहायक बनेगा : सीएम सुक्खू



सरकार ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर भी विशेष जोर दिया है। फलों को अच्छी तरह साफ करने और अंडों को उचित तरीके से उबालकर देने के निर्देश हैं। खाद्य सामग्री की खरीद, भंडारण और वितरण में निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि टॉप-अप नियमित मिड-डे-मील का पूरक होगा और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा शारीरिक विकास में सहायक बनेगा। उन्होंने योजना की प्रभावी निगरानी और सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

भाजपा प्रत्याशी जन्म से पहले 10वीं पास हुईं : कांग्रेस

एजेंसी, कोलाकाता। बंगाल की नंदीग्राम सीट पर उपचुनाव से पहले एक और विवाद सामने आया है। कांग्रेस ने भाजपा प्रत्याशी हसीरानी रथ के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। कांग्रेस का

- **नंदीग्राम उपचुनाव हलफनामे में जन्म 1966, 10वीं 1965 में पास की**

दावा है कि भाजपा प्रत्याशी ने चुनावी हलफनामे में अपनी उम्र और पढ़ाई से जुड़ी गलत जानकारी दी है। कांग्रेस नेता और वकील रित्जू घोषाल ने कोर्ट में कहा- हसीरानी रथ ने हलफनामे में जन्म साल 1966 बताया है, जबकि 1965 में माध्यमिक यानी 10वीं की परीक्षा पास करने का जिक्र किया है। हसीरानी ने जन्म से पहले 10वीं कैसे पास कर ली।

वायुसेना के लिए 811 करोड़ में खरीदे जाएंगे 160 स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन्स

एजेंसी, नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने 'आत्मनिर्भर भारत' को बढ़ावा देते हुए भारतीय वायुसेना के लिए 160 सैटेलाइट स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन्स की खरीद के लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 810.79 करोड़ रुपए का करार किया है। करार पर बुधवार को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

करीब 100 किलोमीटर तक मारक क्षमता वाले इन उपग्रह निर्देशित हथियारों को लड़ाकू विमान दुश्मन के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किए बिना सुरक्षित दूरी से लॉन्च कर सकेंगे। स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन (एसएएडब्ल्यू) को डीआरडीओ के रिसर्च सेंटर इमारत ने स्वदेशी रूप से विकसित किया है। इसका उपयोग मुख्य रूप से दुश्मन के रनवे, बंकर, विमान हैंगर, रडार हब और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है।

यह हथियार सैटेलाइट नेविगेशन और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सीकर तकनीक से लैस है। करीब 125 किलोग्राम वजन होने के कारण इसे लड़ाकू विमानों से कई की संख्या में ले जाया जा सकता है। एसएएडब्ल्यू के विभिन्न संस्करणों का सुखोई-30 एमकेआई और जगुआर जैसे विमानों से परीक्षण किया जा चुका है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, स्वदेश में डिजाइन और विकसित यह प्रणाली करीब 60 % स्वदेशी होगी। इसकी आपूर्ति 2027-28 और 2028-29 के दौरान निर्धारित है। इसके शामिल होने से वायुसेना की लंबी दूरी से सटीक हमला करने की क्षमता को मजबूती मिलने की उम्मीद है। शुरुआती तौर पर रक्षा मंत्रालय ने 160 सैटेलाइट स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन्स और उससे जुड़े उपकरण खरीदने के लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है, जिसकी कुल कीमत 810.79 करोड़ रुपए है।

- **100 किमी तक मारक क्षमता, लड़ाकू विमान सुरक्षित दूरी से कर सकेंगे हमला**
- **बीडीएल से हुआ करार 2027-28 से 2028-29 के बीच वायुसेना को मिलेगी आपूर्ति**

एसआईआर पर मतभेद रिपोर्ट चुनाव आयोग ने खारिज की

एजेंसी, नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर चुनाव आयुक्तों में मतभेद से जुड़ी रिपोर्ट को खारिज कर दिया।

चुनाव आयोग ने कहा कि पिछले एक साल में लिए गए सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए हैं। आयोग ने कहा कि किसी भी संस्थान में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय और टिप्पणियां आना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। इसका उद्देश्य पारदर्शिता बनाए रखना और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। इस मामले में राहुल गांधी ने वीडियो जारी कर वोट चोरी को संविधान के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि समय आने पर किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। चुनाव आयुक्तों में मतभेद का विवाद द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद शुरू हुआ। यह रिपोर्ट 23 सितंबर को पब्लिश की गई।

- **दो चुनाव आयुक्तों ने 14 बार आपत्ति जताई**

इसके मुताबिक, चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कहा कि कई फैसले उनकी जानकारी या मंजूरी के बिना लिए गए।

आयोग के फैसलों पर 28 अक्तूबर 2025 से 14 अगस्त 2026 के बीच 14 बार लिखित आपत्ति जताई गईं। इनमें 16 अप्रैल को चार आपत्तियां दर्ज की गईं। इन आपत्तियों की प्रतियां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी भेजी गईं। कुछ आपत्तियां उन उप चुनाव आयुक्तों को भी भेजी गईं, जो संबंधित काम की निगरानी कर रहे थे। यह विवाद बिहार से जून 2025 में शुरू हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बीच सामने आया है।

मुख्यमंत्री रेखा ने आंगनबाड़ी केंद्र का किया दौरा, बच्चों के साथ बिताया समय

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलेगा सहयोग व सम्मान

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को सराय काले खां स्थित दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के प्राथमिक सह-शिक्षा विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का दौरा किया और बच्चों तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली सरकार बेहतर सुविधाओं, पोषण और देखभाल के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों को मजबूत करने तथा हमारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अधिक सहयोग और सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'हर बच्चे को एक मजबूत शुरुआत मिलनी चाहिए। हर आंगनवाड़ी दीदी के पास इसे संभव बनाने की ताकत होनी चाहिए। यही दिल्ली का सेवा संकल्प है।' मुख्यमंत्री ने



बच्चों के साथ बिताए समय का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई बच्चा उनके पास आकर बैठ गया, किसी ने उनका हाथ थाम लिया और किसी ने अपनी बात सुनाई।

उन्होंने कहा कि बच्चों का यह अपनापन मन में उतर जाता है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इन बच्चों के सपनों को हर दिन स्नेह से संवारती हैं और कभी शिक्षक तो कभी मां की तरह उनकी देखभाल करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के हर बच्चे की मुस्कान बनी रहे और उसे संवारने वाली हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का सम्मान बढ़े, यही सरकार का सेवा संकल्प है।

भैय्याजी जोशी ने सतपाल महाराज को दीं 75वें जन्मदिवस की शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व सरकार्यवाह सुरेश 'भैय्याजी' जोशी ने बुधवार को उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज से उनके निजी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने सतपाल महाराज को 75वें जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान भैय्याजी जोशी ने उनके स्वस्थ, दीर्घ एवं यशस्वी जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि सतपाल महाराज का जीवन अध्यात्म, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा है। भेंट के दौरान दोनों के बीच प्रदेश के विकास, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, पर्यटन को बढ़ावा देने और सामाजिक समरसता से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।



- **पर्यटन को बढ़ावा देने और सामाजिक समरसता से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा**

भैय्याजी जोशी ने सतपाल महाराज की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। सतपाल महाराज ने भैय्याजी जोशी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन सदैव प्रेरणा देता है। इस अवसर पर सतपाल महाराज के ज्येष्ठ पुत्र श्रद्धेय महाराज भी मौजूद रहे।

पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् बनेगा भारतीय ज्ञान परंपरा व आधुनिक शिक्षा का संगम : सीएम धामी

एजेंसी, हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ग्राम औरंगाबाद स्थित पतंजलि वेलनेस योगग्राम में प्रथम पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् का शुभारंभ किया।



इस अवसर पर उन्होंने योगगुरु स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि परिवार को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्थान भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा के समन्वय का सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि स्वामी रामदेव की प्रेरणा से योग घर-घर पहुंचा है और पूरी दुनिया में लोगों को स्वस्थ बनाने का काम हुआ है। इसी प्रकार आचार्य बालकृष्ण ने आयुर्वेद के क्षेत्र में कई जड़ी-बूटियों की खोज की है और आयुर्वेद के अनेक ग्रंथ लिखे हैमुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में देवभूमि में पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् की स्थापना भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक युग से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ योग, आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का समन्वय नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगा। तेजी से बदलती दुनिया में आधुनिक ज्ञान के साथ संस्कार और संतुलित जीवनशैली की शिक्षा भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में कौशल, नवाचार, भारतीय ज्ञान परंपरा और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उत्तराखंड में भी इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। अपनी विरासत से जुड़कर आधुनिक ज्ञान हासिल करने वाली युवा पीढ़ी भविष्य का बेहतर ढंग से सामना कर सकती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को पर्यटन के साथ ज्ञान, योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

शुभारंभ लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी व प्रयागराज में संचालन शुरू, टैक्सी के साथ टू और थ्री व्हीलर चालक भी जुड़ेंगे

जीरो कमीशन पर चलेगी भारत टैक्सी, चालक को 5 लाख की सामाजिक सुरक्षा

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भारत टैक्सी और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ करते हुए टैक्सी चालकों और किसानों के लिए दो बड़े कदम उठाए। भारत टैक्सी से टैक्सी, टू व्हीलर और थ्री व्हीलर चालक रजिस्ट्रेशन के साथ जीरो कमीशन पर जुड़ सकेंगे। उन्हें पांच लाख रुपए की सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी।

वहीं, मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत एलडीबी से किसानों को मिलने वाले ऋण की ब्याज दर 11 से घटाकर छह प्रतिशत कर दी गई है। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर कहा कि सहकारिता की कमान किन हाथों में है, उसी पर उसकी सफलता निर्भर करती है। अच्छा नेतृत्व सहकारिता को समृद्धि का



माध्यम बनाता है, जबकि गलत नेतृत्व इसे अराजकता की ओर ले जा सकता है। आजादी के बाद पहली बार देश में अलग सहकारिता मंत्रालय बना और अब इसके परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि टैक्सी, टू व्हीलर और थ्री व्हीलर चालकों के बारे में पहले कोई नहीं सोचता था, अब वे रजिस्ट्रेशन के साथ जीरो कमीशन पर भारत टैक्सी का हिस्सा बनेंगे और पांच लाख रुपए की सामाजिक सुरक्षा पाएंगे। सामाजिक सुरक्षा मिलने से चालक निश्चिंत होकर जिम्मेदारी के साथ अपना काम कर सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी केवल यात्रियों को ढोने वाली टैक्सी नहीं है। यह पूरे भारत की टैक्सी है, जो भारत की गति को प्रगति में बदलने का काम करेगी। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज में इसका संचालन शुरू किया गया है। लखनऊ एयरपोर्ट, लखनऊ मेट्रो और लखनऊ पुलिस समेत विभिन्न संस्थाओं के साथ एमओयू भी हुए हैं। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक से किसानों को 11 प्रतिशत ब्याज पर ऋण मिलता था। इसे अब घटाकर छह प्रतिशत कर दिया गया है। खेती-बाड़ी व मशीनरी के लिए किसानों को पैसे की कमी न हो, इसके लिए दीर्घकालिक ऋण की व्यवस्था की गई है। आगामी कुछ वर्षों में पांच लाख लघु और सीमांत किसानों को इसका लाभ देने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अन्नदाता किसान खुशहाल होगा तो भारत खुशहाल होगा। अन्नदाता किसान समृद्ध होगा तो भारत समृद्ध होगा। सहकारिता क्षेत्र जितना मजबूत होगा, देश भी उतना ही मजबूत होगा।

महाकुंभ में देखा था रैपिडो का सफल प्रयोग

मुख्यमंत्री योगी ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लाखों नौजवान रैपिडो के माध्यम से अपनी बाइक पर श्रद्धालुओं को सुरक्षित संगम तक पहुंचा रहे थे। संगम से रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट तक पहुंचाने में भी उनका योगदान रहा। इससे यातायात बाधित नहीं हुआ और लोगों को आसानी से आवागमन की सुविधा मिली। उन्होंने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से ग्रामीण बस सेवा को भी भारत टैक्सी की तर्ज पर आगे बढ़ाने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मॉडल को आगे बढ़ाया गया तो लाखों नौजवानों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

हिमाचल में एम्स आयुर्वेद की स्थापना की तैयारी तेज

धनैटा में प्रस्तावित संस्थान के लिए भूमि और बजट की व्यवस्था पूरी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एम्स आयुर्वेद) की स्थापना के लिए प्रदेश सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। हमीरपुर जिले के नादौन क्षेत्र के धनैटा में संस्थान के लिए लगभग 70 एकड़ भूमि उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। करीब 1000 करोड़ रुपये की प्रस्तावित परियोजना में राज्य सरकार ने लगभग 300 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी देने की प्रतिबद्धता जताई है। अब संस्थान की स्थापना को लेकर अंतिम निर्णय केंद्र सरकार के स्तर पर होना है।



आयुष मंत्री बुधवार को शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में आयोजित 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस वर्ष समारोह की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' रही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आयुर्वेद और अन्य आयुष पद्धतियों को स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने के साथ पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक स्वास्थ्य एवं वेलनेस सेवाओं से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है।

गोमा ने बताया कि केंद्र सरकार ने एम्स आयुर्वेद की स्थापना के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं और हिमाचल प्रदेश का नाम शीर्ष पांच प्रस्तावित राज्यों में शामिल है। धनैटा में प्रस्तावित संस्थान के लिए भूमि, आवश्यक अधोसंरचना और अन्य सुविधाओं को लेकर प्रदेश सरकार की ओर से आवश्यक प्रतिबद्धताएं पूरी की जा चुकी हैं। संस्थान की स्थापना होने पर आयुर्वेद शिक्षा, अनुसंधान, विशेषज्ञ चिकित्सा और नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 के बजट में आयुष क्षेत्र के लिए 379 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 60 करोड़ रुपये उपलब्ध करवाए गए हैं। प्रदेश में लगभग 1241 आयुष संस्थानों का नेटवर्क कार्यरत है। सरकार आयुष सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ पंचकर्म, योग और अन्य विशिष्ट आयुर्वेदिक उपचार पद्धतियों का विस्तार कर रही है।

मंत्री ने कहा कि हिमाचल के प्राकृतिक वातावरण, औषधीय पौधों की समृद्ध उपलब्धता और पारंपरिक ज्ञान के कारण प्रदेश में आयुष आधारित वेलनेस और स्वास्थ्य पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं। इसी दिशा में 14 आयुर्वेदिक अस्पतालों में एक वर्षीय पंचकर्म तकनीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें करीब 250 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर विकसित होने की संभावना है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर शिमला के रिज मैदान पर 23 से 25 सितंबर तक तीन दिवसीय प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है। इसमें मर्म चिकित्सा, अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, जलौका उपचार, नाड़ी एवं प्रकृति परीक्षण, पंचकर्म, योग, आयुर्वेदिक आहार, जीवनशैली तथा औषधीय पौधों की जानकारी दी जा रही है। हिमोशधाम और उसके उत्पादों को भी प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया है। आम लोगों के लिए विशेषज्ञों और चिकित्सकों से संवाद की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है।

सचिव आयुष ए. शैनामोल ने बताया कि प्रदेश में आयुष सेवाओं का उपयोग लगातार बढ़ा है। वर्ष 2021-22 में आयुष ओपीडी में करीब 25.30 लाख मरीज पहुंचे थे, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 36.94 लाख हो गए। इसी अवधि में आयुर्वेदिक अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या 3.56 लाख से बढ़कर 6.74 लाख हुई।

कक्षा 11 में विद्यार्थियों को विषय संयोजन और कौशल शिक्षा के मिलेंगे नए विकल्प

सरकारी सीबीएसई स्कूलों में बदला विषय चयन



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सीबीएसई से संबद्ध सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के विषय चयन और व्यावसायिक शिक्षा को लेकर शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। कक्षा 11 में अब कंप्यूटर साइंस और इंफार्मेटिक्स प्रेक्टिसेज दोनों विषय उपलब्ध रहेंगे। वहीं प्लंबिंग और सिक्योरिटी जैसे व्यावसायिक ट्रेड को स्कूलों से हटाने का निर्णय लिया गया है। बैंकिंग, फूड प्रोसेसिंग और टेलीकॉम जैसे कौशल विषय फिलहाल जारी रहेंगे।

शिक्षा विभाग की 11 सितंबर को हुई उच्चस्तरीय बैठक में इन बदलावों को लेकर निर्णय लिया गया था। बैठक में निदेशक स्कूल शिक्षा आशीष कोहली समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। विभाग की ओर से अब संबंधित आदेश जारी कर दिए गए हैं।

विभाग के अनुसार सीबीएसई में प्लंबिंग और सिक्योरिटी ट्रेड के समान विषय उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में इन दोनों ट्रेड को आगे जारी रखना मुश्किल माना गया है। इनसे जुड़े व्यावसायिक प्रशिक्षकों का भी युक्तीकरण किया जाएगा। वहीं बैंकिंग, फूड प्रोसेसिंग और टेलीकॉम के समान विषय उपलब्ध करवाने के लिए सीबीएसई को प्रस्ताव भेजे गए हैं। अंतिम मंजूरी मिलने तक इन ट्रेड को जारी रखा जाएगा।

कक्षा 11 विज्ञान वर्ग में विद्यार्थी कंप्यूटर साइंस और इंफार्मेटिक्स प्रेक्टिसेज के साथ गणित और जीव विज्ञान को भी विषय संयोजन में ले सकेंगे। वाणिज्य वर्ग में गणित को विषय संयोजन में शामिल किया गया है। कक्षा नौ में कौशल विकास विषय अनिवार्य रहेगा, जबकि अतिरिक्त कौशल विषय विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार चुन सकेंगे।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन बदलावों का वर्तमान सत्र में कक्षा 10 और 12 में पढ़ रहे हिमाचल बोर्ड के विद्यार्थियों की पढ़ाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सीबीएसई स्कूलों में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के इन-सर्विस लेक्चरर की तैनाती के लिए गठित काउंसिलिंग कमेटी में भी आंशिक बदलाव किया गया है। नई कमेटी की अध्यक्षता सहायक निदेशक शिक्षा शीतल शर्मा करेंगी। अधीक्षक ग्रेड-दो ज्ञान सैनी, वरिष्ठ सहायक प्रदीप शर्मा, जेओए (आईटी) ज्योति प्रकाश और जेओए (आईटी) सौरभ कुमार को सदस्य बनाया गया है।

कमेटी को दस्तावेजों की जांच के बाद काउंसिलिंग की पूरी प्रक्रिया पूरी कर सिफारिशों सहित रिपोर्ट निदेशक शिक्षा को अनुमोदन के लिए सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

संजौली में सुरंग निर्माण से 50 से अधिक घरों में आई दरारें, प्रभावितों ने उठाई सुरक्षा मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। संजौली के भट्ठाकुफर-चलौंठी-शांति विहार क्षेत्र में फोरलेन सुरंग निर्माण से 50 से अधिक घरों में दरारें आने का मामला सामने आया है। प्रभावित परिवारों के प्रतिनिधिमंडल ने पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह से मुलाकात कर भवनों और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की। लोगों ने निर्माण कार्य के कारण घरों में हो रहे नुकसान को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से शीघ्र सर्वे करवाने की मांग की।



प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बताया कि सुरंग निर्माण के दौरान क्षेत्र में रहने वाले लोगों के घरों में दरारें दिखाई दे रही हैं। इससे परिवारों में भय का माहौल बना हुआ है। लोगों ने कहा कि प्रशासन और निर्माण कंपनी की ओर से समय-समय पर आश्वासन दिए गए हैं, लेकिन प्रभावित परिवारों को अब ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। पार्षद विनीत शर्मा ने सुरंग निर्माण में इस्तेमाल की जा रही मशीनरी की क्षमता की जांच करवाने की मांग भी रखी।

प्रभावित लोगों ने आशंका जताई कि सुरंग निर्माण में निर्धारित क्षमता से अधिक क्षमता वाली मशीनरी का इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि निर्माण स्थल पर इस्तेमाल हो रही सभी मशीनों की जांच करवाई जाए। यदि कोई मशीन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई जाती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। लोगों ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान आसपास के भवनों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनने के बाद मौके से ही उपायुक्त को फोन कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में जल्द सर्वे करवाने और लोगों को दिए गए आश्वासनों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। भवनों की सुरक्षा और निर्माण कार्य से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए।

ठियोग में रक्तदान के साथ अंगदान की शपथ



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सिविल अस्पताल ठियोग में बुधवार को रोटरी क्लब ठियोग हील्स की ओर से रक्तदान एवं अंगदान जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। इस दौरान स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो), हिमाचल प्रदेश की टीम ने लोगों को अंग एवं ऊतक दान के महत्व की जानकारी दी। कई रक्तदाताओं ने अंगदान की शपथ भी ली।

सोटो की टीम ने बताया कि अंगदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवन बचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। टीम ने जागरूकता सामग्री वितरित कर जीवित अवस्था में किए जा सकने वाले अंगदान तथा मृत्यु के बाद अंग एवं ऊतक दान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। लोगों को विशेष रूप से ब्रेन स्टेम डेथ के संबंध में जागरूक किया गया।

एचपीयू में हथियारबंद पहुंचने पर सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) हिमाचल प्रदेश की प्रदेश मंत्री नैंसी अटल ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में हाल की घटनाओं को लेकर विद्यार्थियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में हिंसा के बजाय शांतिपूर्ण और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण होना चाहिए।

नैंसी अटल ने बयान जारी कर कहा कि विश्वविद्यालय के विधि विभाग के एक छात्र पर तेजधार हथियार से हमला किया जाना गंभीर मामला है। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद एसएफआइ के कुछ कार्यकर्ता दरात और रॉड जैसे हथियारों के साथ कुलपति कार्यालय पहुंचे, जिन्हें सुरक्षाकर्मियों ने हथियारों सहित पकड़ा। उन्होंने इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में लगातार तनाव की स्थिति विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए चिंता का विषय है। उनके अनुसार दो दिन पहले भी विद्यार्थी परिषद के दो कार्यकर्ताओं पर तेजधार हथियारों से हमला हुआ था, जिसमें वे घायल हुए। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में इस तरह की घटनाओं से सामान्य शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं और विद्यार्थियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है।

नैंसी अटल ने सवाल उठाया कि यदि विश्वविद्यालय का कुलपति कार्यालय ही सुरक्षित नहीं है, तो आम विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी स्वयं को सुरक्षित कैसे महसूस करेंगे। उन्होंने प्रदेश सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन से परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने तथा घटनाओं की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की।

उन्होंने विद्यार्थियों से हिंसक गतिविधियों से दूर रहने की अपील की। नैंसी अटल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध और संवाद का केंद्र है और परिसर में शांतिपूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अभाविप विद्यार्थियों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण शैक्षणिक माहौल के लिए अपनी आवाज उठाती रहेगी।

प्रागपुर में एसडीएम नियुक्ति से प्रशासनिक सेवाओं को मिलेगी नई गति

भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। जसवां-प्रागपुर विधानसभा क्षेत्र में उपमंडलाधिकारी (नागरिक) प्रागपुर की नियुक्ति के साथ क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। प्रदेश सरकार ने निशांत कुमार, एचपीएएस (2020) को उपमंडलाधिकारी (नागरिक), प्रागपुर के पद पर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के लोगों को प्रशासनिक कार्यों और विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए बेहतर सुविधा मिलने की संभावना है।

क्षेत्रवासियों ने इस प्रशासनिक नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार जताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रागपुर में एसडीएम स्तर का कार्यालय और अधिकारी उपलब्ध होने से लोगों को अपने कार्यों के लिए दूर स्थित कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इससे प्रमाणपत्र, राजस्व मामलों, जनशिकायतों और अन्य प्रशासनिक कार्यों के निपटारे में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

एसडीएम की नियुक्ति के बाद क्षेत्र में प्रशासनिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ-साथ विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने की भी संभावना है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक अधिकारी की उपलब्धता विशेष रूप से उपयोगी होगी। इससे आमजन की समस्याओं को सुनने और संबंधित विभागों तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी हो सकती है।

स्थानीय स्तर पर लोगों ने उम्मीद जताई कि नए एसडीएम के कार्यभार संभालने के बाद क्षेत्र में लंबित प्रशासनिक मामलों के निपटारे, राजस्व कार्यों और जनसमस्याओं के समाधान में तेजी आएगी। साथ ही आपदा, कानून-व्यवस्था और अन्य आवश्यक प्रशासनिक परिस्थितियों में भी उपमंडल स्तर पर बेहतर समन्वय संभव होगा।

रैंकिंग में फिर चमका जीडीसी ठियोग, दूसरी बार अव्वल

1100 में से 980 अंक हासिल कर महाविद्यालय ने शैक्षणिक गुणवत्ता में बढ़त रखी कायम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ठियोग। राजकीय महाविद्यालय ठियोग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए हिमाचल प्रदेश के सरकारी महाविद्यालयों की टियर-2 आंतरिक रैंकिंग में प्रथम स्थान हासिल किया है। महाविद्यालय ने 1100 में से 980 अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। उच्च शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश की ओर से जारी प्रशंसा प्रमाण-पत्र के माध्यम से महाविद्यालय को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।



महाविद्यालय को प्रदान किया गया प्रशंसा प्रमाण-पत्र शिक्षा मंत्री ने मनाली में आयोजित प्राचार्य सम्मेलन के दौरान राजकीय महाविद्यालय थियोग के प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर को सौंपा। रैंकिंग में महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं भौतिक सुविधाओं, आधारभूत ढांचे, शैक्षणिक प्रदर्शन, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और अन्य सह-पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी एवं उपलब्धियों का सत्यापन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय की एसएआर रिपोर्ट तैयार करने तथा आंकड़ों के संकलन और प्रस्तुतीकरण में सभी का सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय की समग्र प्रगति और लगातार बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है। उन्होंने इसका श्रेय शिक्षकों, गैर-शिक्षक कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों को देते हुए सभी को बधाई दी।

एसएआर के संयोजक प्रो. प्रदीप ठाकुर और डॉ. विकास नाथन ने भी महाविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्राचार्य के नेतृत्व, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के साथ-साथ शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद जताई।

उल्लेखनीय है कि राजकीय महाविद्यालय थियोग ने पिछले शैक्षणिक सत्र में भी टियर-2 श्रेणी के सरकारी महाविद्यालयों की आंतरिक रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। लगातार दूसरे वर्ष शीर्ष स्थान हासिल करना महाविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महाविद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि को शिक्षण, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और संस्थागत विकास में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया।

नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक बनने के लिए पंजीकरण का आह्वान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला प्रशासन शिमला ने नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लोगों से 'सिविल डिफेंस वॉरियर्स' के रूप में अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण करवाने का आह्वान किया है। प्रशासन ने छात्रों, युवाओं और आम नागरिकों से आपदा एवं आपात परिस्थितियों में सहयोग के लिए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक बनने की अपील की है।

जिला प्रशासन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2026 को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने पर बल दिया था। इसी दिशा में नागरिकों को पंजीकरण, प्रशिक्षण और आपात स्थिति में सेवाएं प्रदान करने के लिए सिविल डिफेंस वॉरियर्स पोर्टल और मोबाइल एप के माध्यम से एकीकृत मंच उपलब्ध करवाया गया है।

प्रशासन के अनुसार 21 मई, 2025 को शुरू किए गए सिविल डिफेंस वॉरियर्स एवं वालंटियर्स वेब पोर्टल तथा मोबाइल एप के माध्यम से स्वयंसेवकों का पंजीकरण, सत्यापन, अनुमोदन और प्रबंधन किया जा रहा है। इच्छुक नागरिक पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को पंजीकरण मामलों के सत्यापन और अनुमोदन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी दिए हैं।

प्रशासन ने कहा कि स्वयंसेवकों को बिल्डिंग सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, आपातकालीन संचार, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षित निकासी, राहत एवं पुनर्वास तथा सामुदायिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा स्वयंसेवकों की तैयारियों को परखने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम और मॉक अभ्यास भी आयोजित किए जाएंगे।

हिमाचल में कचरा प्रबंधन के नए नियम लागू, विद्यार्थी करेंगे घरों की निगरानी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 लागू होने के साथ ही घरों से निकलने वाले कचरे के प्रबंधन की जिम्मेदारी को अधिक व्यापक बनाया गया है। अब विद्यार्थियों को भी कचरा प्रबंधन और जागरूकता अभियान से जोड़ा जाएगा। विद्यार्थी 'हाउसहोल्ड सुपरवाइजर' के रूप में अपने परिवारों को कचरे का शत-प्रतिशत पृथक्करण करने के लिए प्रेरित करेंगे। नए नियमों के तहत स्रोत पर ही कचरे को अलग करना अनिवार्य किया गया है।



राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव सुशील कुमार सिंगला ने बुधवार को बताया कि जिला उपायुक्त स्थानीय निकायों के सहयोग से छह सप्ताह के भीतर प्रदेशभर में बल्क वेस्ट जनरेटरों की पहचान करेंगे। इसके बाद संबंधित संस्थानों और प्रतिष्ठानों को लिखित नोटिस जारी किए जाएंगे। नियम शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ वाणिज्यिक, संस्थागत और सरकारी प्रतिष्ठानों पर भी लागू होंगे। नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी। जरूरत पड़ने पर बिजली और पानी की आपूर्ति अस्थायी रूप से काटने का प्रावधान भी रखा गया है नए नियमों के तहत घरों और प्रतिष्ठानों में कचरे को स्रोत पर ही चार श्रेणियों में अलग करना होगा।

सुरक्षा | आपात स्थिति से निपटने को विभागों ने परखी बचाव तैयारियां

जाखू रोपवे में फंसे दो पर्यटक, एनडीआरएफ ने बचाए

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। आपदा की स्थिति में पर्यटकों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा बचाव एवं निकासी व्यवस्था की तैयारियों को परखने के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने जाखू रोपवे पर व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की। जिला राजस्व अधिकारी शिवानी भारद्वाज की अध्यक्षता में हुए इस अभ्यास में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों ने भाग लिया।

जिला राजस्व अधिकारी शिवानी भारद्वाज ने बताया कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य रोपवे से जुड़ी किसी आपात स्थिति में सभी संबंधित एजेंसियों की तैयारियों, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र का आकलन करना था। विशेष रूप से यात्रियों को रोपवे से सुरक्षित निकालने और बचाव कार्य की प्रक्रिया को परखा गया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभ्यासों से आपात स्थिति के दौरान आने वाली संभावित कमियों की पहचान करने, संचार व्यवस्था को जांचने और मानक संचालन प्रक्रियाओं को मजबूत करने में मदद मिलती है। साथ ही विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों से परिचित कराया जाता है।



मॉक ड्रिल के दौरान रोपवे के बीच में अचानक रुकने की स्थिति बनाई गई। इसमें दो पर्यटकों के रोपवे ट्रॉली में फंसने की सूचना एनडीआरएफ टीम को दी गई। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ की छह सदस्यीय टीम ने बचाव अभियान शुरू किया। टीम ने करीब 200 मीटर दूर स्थित रोपवे ट्रॉली तक पहुंचकर दोनों पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान बचाव और निकासी प्रक्रिया को निर्धारित तरीके से पूरा किया गया।

डीडीएमए के अनुसार जाखू रोपवे पर इस तरह की मॉक ड्रिल वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है। इसका उद्देश्य आपदा या तकनीकी खराबी जैसी स्थिति में बचाव दल की तैयारियों को मजबूत बनाए रखना है।

घेपन झील का बढ़ा जलस्तर पांच मिनट में आबादी तक पहुंच सकता है पानी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। लाहुल-स्पीति की करीब 4070 मीटर ऊंचाई पर स्थित घेपन ग्लेशियल झील के बढ़े जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष किरण भड़ाना ने सिस्सु से करीब 14 किलोमीटर ऊपर दुर्गम क्षेत्र में पहुंचकर झील की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जलस्तर, आसपास के भू-भाग और संभावित जल बहाव मार्गों का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने अधिकारियों को झील और आसपास के ग्लेशियरों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संभावित आपदा की स्थिति में झील का पानी आबादी वाले क्षेत्र तक करीब पांच मिनट में पहुंच सकता है। ऐसे में संवेदनशील क्षेत्रों के लिए प्रभावी निकासी योजना तैयार करना जरूरी है। इसके साथ ही नियमित जागरूकता अभियान और मॉक ड्रिल आयोजित करने पर भी जोर दिया गया। प्रशासन झील में प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अनुराग ने श्रीकांत शर्मा व दर्शना सिंह को दी बधाई

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश भाजपा के नवनियुक्त प्रभारी श्रीकांत शर्मा व सह-प्रभारी दर्शना सिंह को नई संगठनात्मक जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। भाजपा ने 23 सितंबर को राज्यों के प्रभारियों और सह-प्रभारियों में संगठनात्मक फेरबदल किया, जिसमें श्रीकांत शर्मा को हिमाचल प्रदेश का प्रभारी और दर्शना सिंह को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि दोनों नेताओं के अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से प्रदेश संगठन को मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नई जिम्मेदारी से संगठनात्मक गतिविधियों को और गति मिलेगी तथा कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा संगठन कार्यकर्ताओं के परिश्रम और सामूहिक प्रयासों से निरंतर आगे बढ़ रहा है। श्रीकांत शर्मा और दर्शना सिंह के अनुभव का लाभ प्रदेश के कार्यकर्ताओं को मिलेगा। अनुराग ठाकुर ने दोनों नेताओं के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए पुनः शुभकामनाएं दीं।

विद्यार्थियों को सूचना प्रबंधन के बताए गुर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय महाविद्यालय में गणित विभाग की ओर से विद्यार्थियों के लिए सूचना प्रबंधन विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिजली विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक एवं मोटिवेटर अनुराग पराशर ने विद्यार्थियों को सूचना प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सत्य सूचना, विषय की विशेषज्ञता, संवाद कौशल, समय प्रबंधन और जनसंपर्क के माध्यम से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानकर उनका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में गणित विभाग की प्रोफेसर परविंदर कौर ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। इस अवसर पर विभाग के डॉ. विवेक कपूर, डॉ. राकेश कपूर, प्रो. प्रियंका रंधावा, डॉ. आशा सिंह और डॉ. कविता सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे। व्याख्यान का संचालन गणित विभाग के विद्यार्थियों ने स्वयं किया।

एसपी बलबीर सिंह ने राज्यपाल को भेंट की पत्रिका



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला हमीरपुर के लिए गौरव का क्षण है। जिले के पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह को देश के 25 सर्वश्रेष्ठ पुलिस अधीक्षकों की सूची में शामिल किया गया है। प्रतिष्ठित संस्था फेम इंडिया-एशिया पोस्ट द्वारा वर्ष 2026 के लिए जारी 'टॉप-25 पुलिस सुपरिंटेंडेंट ऑफ इंडिया' की सूची में उन्हें यह स्थान मिला है। यह सम्मान उन्हें प्रभावी पुलिस नेतृत्व, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, जन सुरक्षा, तकनीक व नवाचार के उपयोग और सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया है। चयन में जन-केंद्रित व संवेदनशील पुलिसिंग को विशेष महत्व दिया गया है। एसपी बलबीर सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय पूरी हमीरपुर पुलिस टीम को देते हुए कहा कि यह सम्मान टीम के सामूहिक प्रयासों और जनता के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी जनता को सुलभ, त्वरित और प्रभावी पुलिस सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस उपलब्धि के उपरांत बुधवार को बलबीर सिंह ने राजभवन में हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल से भेंट कर फेम इंडिया-एशिया पोस्ट पत्रिका की प्रति भेंट की और इस राष्ट्रीय सम्मान की जानकारी दी।

एनआईटी हमीरपुर में एनईपी-2020 का प्रभावी क्रियान्वयन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों को स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर के शैक्षणिक ढांचे में शामिल किया है। संस्थान ने विद्यार्थियों के लिए बहुविषयक और कौशल आधारित शिक्षा व्यवस्था विकसित की है। इसके तहत क्रेडिट आधारित मल्टीपल एंट्री-मल्टीपल एग्जिट व्यवस्था लागू की गई है। निर्धारित क्रेडिट के आधार पर विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और उन्नत डिप्लोमा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। पात्र बीटेक विद्यार्थी अतिरिक्त क्रेडिट अर्जित कर अन्य विषयों में माइनर डिग्री भी ले सकेंगे। स्वयम और एनपीटीईएल जैसे ऑनलाइन मंचों से अर्जित पात्र क्रेडिट को भी मान्यता देने की व्यवस्था की गई है। संशोधित पाठ्यक्रम में सॉफ्ट स्किल, कौशल प्रशिक्षण और उद्योग आधारित परियोजनाओं पर जोर दिया गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. एचएम सूर्यवंशी ने कहा कि इन सुधारों से विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल और बहुविषयक समझ विकसित करने का अवसर मिलेगा।

एमकॉम द्वितीय सेमेस्टर में डीएवी का शानदार प्रदर्शन





आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की ओर से एमकॉम द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इसमें एमसीएम डीएवी महाविद्यालय कांगड़ा की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेरिट सूची में शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। महाविद्यालय की सिमरन संधू ने 90 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, श्रेया ने 89.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा सुनन्या ने 88 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान हासिल किया। छात्राओं की इस उपलब्धि से महाविद्यालय में खुशी का माहौल है। प्रधानाचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन, लगन और समर्पण सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने एमकॉम विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय परिवार ने छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

5 मिनट में तबाही मचा सकती है घेपन झील

जलस्तर बढ़ने से मंडराया आपदा का खतरा; जिला प्रशासन ने तेज की आपदा प्रबंधन की तैयारियां

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति स्थित घेपन ग्लेशियल झील के लगातार बढ़ते जलस्तर और उससे पैदा होने वाले संभावित आपदा जोखिम को देखते हुए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। नेपाल में हाल ही में घटी आपदा की तर्ज पर घेपन झील के आसपास मौजूद ग्लेशियरों की अस्थिरता को बेहद गंभीर माना जा रहा है।

प्रशासन के अनुसार, पूर्व में हुए आकलनों में अनुमान जताया गया था कि झील टूटने या पानी ओवरफ्लो होने पर आपदा का पानी आबादी वाले निचले क्षेत्रों तक पहुंचने में लगभग 22 मिनट का समय लेगा। हालांकि, स्थल की वास्तविक भौगोलिक और व्यावहारिक परिस्थितियों की समीक्षा के बाद प्रशासन का नया आकलन है कि यह पानी मात्र पांच मिनट के भीतर भी निचले रिहायशी इलाकों तक पहुंच सकता है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों से निकासी योजना, नियमित मॉक ड्रिल, जनजागरूकता और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत करने के निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जन-धन के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। घेपन झील के आसपास बड़ी संख्या में अत्यधिक संवेदनशील ग्लेशियर और ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र हैं, जिनकी नियमित वैज्ञानिक निगरानी बेहद आवश्यक है। इसके लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ समन्वय कर वैज्ञानिक आकलन प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है। झील पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने के लिए जल्द ही 'अर्ली वार्निंग सिस्टम' स्थापित किया जाएगा। यह प्रणाली झील के जलस्तर और अन्य महत्वपूर्ण मानकों पर लगातार नज़र रखेगी और खतरा होने पर तुरंत रियल-टाइम चेतावनी जारी करेगी। इस तकनीक को सी-डैक (C-DAC), तिरुवनंतपुरम द्वारा विकसित किया गया है, जिसका सिस्सू झील में सफल परीक्षण भी किया जा चुका है।



आपदा से निपटने को पूर्व तैयारी बेहतर समन्वय पर दिया जोर

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि ऊंचे और दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक परिस्थितियां बेहद तेजी से बदलती हैं। ऐसे में पूर्व तैयारी, वैज्ञानिक अध्ययन, निरंतर निगरानी और सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय ही आपदा प्रबंधन के सबसे मुख्य आधार हैं। प्रशासनिक टीमों को अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी तरह के शुरुआती संकेतों को तुरंत पकड़ा जा सके।

◗ झील पर 24 घंटे निगरानी के लिए जल्द लगेगा अर्ली वार्निंग सिस्टम

हिमाचल के युवा ने बढ़ाया देश का मान राज्यपाल बोले - युवा बनें जॉब क्रिएटिव



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय, हमीरपुर के छात्र सर्वेश शर्मा ने वह कर दिखाया है, जो बड़े-बड़े संस्थानों के लिए मिसाल है।

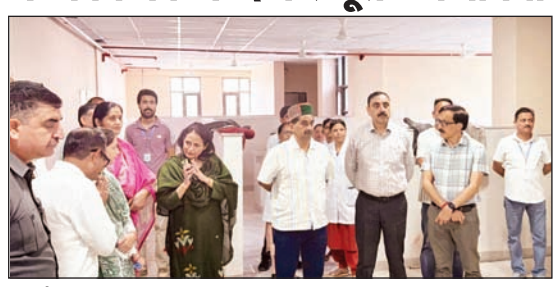
सर्वेश द्वारा भारतीय सेना के लिए विकसित किए गए स्वदेशी ड्रोन 'रुद्र एज -1 (स्पेक्ट्रा)' के लिए रक्षा मंत्रालय ने 3.5 करोड़ रुपए का ग्रांट स्वीकृत किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने राजभवन में सर्वेश शर्मा को सम्मानित किया। राज्यपाल ने कहा, 'यह हिमाचल के युवाओं की प्रतिभा और इनोवेशन का प्रमाण है। सर्वेश की यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती देती है।'

◆ राज्यपाल ने सर्वेश शर्मा को किया सम्मानित

उन्होंने ड्रोन की तकनीकी विशेषताओं, सामने आई चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं पर सर्वेश से विस्तार से चर्चा भी की। युवाओं को संदेश देते हुए राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल का युवा नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बने।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए इनोवेशन और स्टार्टअप की राह अपनाएं। इस मौके पर उपायुक्त हमीरपुर गंधर्वा राठौर और एसपी हमीरपुर बलबीर सिंह भी मौजूद रहे।

सिविल अस्पताल शाहपुर के नए भवन के कार्य को जल्द करें पूरा : पठानिया



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। चंबा प्रवास से लौटते हुए शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने बुधवार को सिविल हॉस्पिटल शाहपुर के निर्माणाधीन नए भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाकर भवन का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि इसे जल्द शुरू कर क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित किए जा रहे चार मंजिला अस्पताल भवन का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है। इसके उपरांत पठानिया ने निर्माणाधीन पशु पॉलीक्लीनिक भवन का भी निरीक्षण किया तथा कार्य की प्रगति की जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग विकास सूद, बीएमओ शाहपुर डॉ. कविता ठाकुर, अस्पताल स्टाफ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पोषण और स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत बुधवार को बालू ग्लोआ में ब्लॉक स्तरीय जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस वर्ष अभियान की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। शिविर में संतुलित आहार, मातृ एवं शिशु पोषण, कुपोषण की रोकथाम, स्वास्थ्य और स्वच्छता के संबंध में जानकारी दी गई। चिकित्सक डॉ. नितेश मनहास ने बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के लिए उचित पोषण, स्तनपान, पूरक आहार, टीकाकरण और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर प्रकाश डाला। हेल्थ सुपरवाइजर ने व्यक्तिगत स्वच्छता, हाथ धोने और स्वच्छ पेयजल के उपयोग के बारे में बताया। आईसीडीएस सुपरवाइजर ने आंगनबाड़ी केंद्रों की विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी। बाल विकास परियोजना अधिकारी संदीप बग्गा ने कहा कि कुपोषण की रोकथाम के लिए परिवार और समुदाय की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। कार्यक्रम में प्रधान भवानी शंकर, पूर्व प्रधान कमलेश देवी, आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ताओं सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पंजाब को नशामुक्त बनाकर ही देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है: अनुराग



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी के नशामुक्त पंजाब अभियान के तहत रूपनगर जिले में गुरुद्वारा श्री कटलगढ़ साहिब, मोरिंडा, रोपड़ शहर और घनौली में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने पंजाब में बढ़ते नशे के संकट के खिलाफ एकजुट और निर्णायक लड़ाई का आह्वान किया।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पंजाब आज नशे के बढ़ते संकट का सामना कर रहा है और आपराधिक तंत्र तथा प्रशासनिक उदासीनता के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। भारत के युवाओं को सुरक्षित रखने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए पंजाब को नशामुक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नशामुक्त पंजाब यात्रा केवल राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि पंजाब की सामाजिक विरासत को सुरक्षित रखने और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को बचाने के लिए व्यापक जनजागरण का प्रयास है। उन्होंने पंजाब के युवाओं, किसानों, परिवारों और सामाजिक संगठनों से इस अभियान में एकजुट होकर भाग लेने का आह्वान किया। आप सरकार पर तीखा हमला करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि सत्ता में आने से पहले तीन महीने में नशा खत्म करने का दावा करने वाली सरकार ने पांच वर्षों में कई समय-सीमाएं दीं, लेकिन जमीनी स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दिया। उन्होंने कहा कि नशे की तस्करी, परिवारों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव और नशामुक्ति केंद्रों में बढ़ती संख्या पंजाब के सामने मौजूद गंभीर चुनौती को दर्शाती है। अनुराग सिंह ठाकुर ने पंजाब सरकार के नशा विरोधी अभियान से जुड़े आंकड़ों और दावों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान के उस दावे का उल्लेख किया जिसमें 18 महीनों में 73,000 नशा तस्करों की गिरफ्तारी की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि पंजाब की 26 जेलों की कुल क्षमता 26,556 है और सरकार को अपने दावों तथा कार्रवाई के वास्तविक परिणामों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना चाहिए।

1965 के युद्ध की वीरगाथाओं से प्रेरणा लें कैडेट्स

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय महाविद्यालय के एनसीसी वायु सेना और आर्मी विंग की ओर से 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भारतीय सशस्त्र सेनाओं के शौर्य पर प्रेरणादायी व्याख्यान आयोजित किया गया। एनसीसी वायु सेना विंग मंडी के फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. चमन लाल ने कैडेट्स को युद्ध की प्रमुख घटनाओं और थल सेना, वायु सेना तथा नौसेना की भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने कैडेट्स से युद्ध के वीर सैनिकों के जीवन से अनुशासन, नेतृत्व, साहस, टीम भावना और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने ऑपरेशन जिब्राल्टर, ग्रैंड स्लैम, असाल उत्तर, फिल्लौरा, डोगराई और हाजी पीर जैसे अभियानों का उल्लेख किया। परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद और एबी तारापोर की वीरता की जानकारी भी दी गई। कैडेट्स और पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों को युद्ध पर आधारित वृत्तचित्र भी दिखाया गया।

त्रैम्बलां में विकास कार्यों को मिलेगी गति, सड़क निर्माण जल्द: निशु मोंगरा



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। त्रैम्बलां गांव में आपका सेवक आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने एपीएमसी के जिला अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम के जिला अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र निशु मोंगरा के समक्ष विभिन्न समस्याएं रखीं।

महिलाओं ने उनका स्वागत करते हुए समस्याओं के समाधान की मांग की। निशु मोंगरा ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कुछ का मौके पर समाधान किया, जबकि अन्य के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि दो अक्तूबर को पात्र महिलाओं के खातों में 1500 रुपए की राशि डाले जाने की प्रक्रिया प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से गारंटियों को क्रमबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मेरा परिवार सुखी परिवार योजना के तहत पात्र महिलाओं को लाभ देने के साथ जरूरतमंद महिलाओं के लिए 10 लाख रुपए के बीमा का प्रावधान भी किया जाएगा। मोंगरा ने बताया कि महेरना-त्रैम्बलां मुख्य सड़क के लिए करीब 13 लाख रुपये और टिंड बस्ती-त्रैम्बलां सड़क के लिए आठ लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास और लोगों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है।

संतुलित आहार व बाल पोषण के प्रति किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। महिलाओं और बच्चों को कुपोषण से बचाने तथा पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत भपराल में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुमार ने की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पोषण माह का विषय 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' रखा गया है। उन्होंने कहा कि पोषण माह का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के साथ समुदाय की भागीदारी बढ़ाना भी है। आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषण देखभाल और बच्चों के प्रारंभिक विकास का प्रमुख केंद्र बनाया जा रहा है। शिविर में संतुलित एवं विविध आहार, पर्याप्त प्रोटीन, ताजा पका भोजन, बाल विकास और मातृ स्वास्थ्य पर जानकारी दी गई। गर्भवती और धात्री महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत मिलने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया।

टीबी व एचआईवी से बचाव के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कोठी कुनाल में निक्षय शिविर एवं एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर अर्की डॉ. मुक्ता रस्तोगी के नेतृत्व में हुआ। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों की जांच करते हुए टीबी और एचआईवी/एड्स से बचाव, जांच और उपचार के संबंध में जानकारी दी।

एचआईवी काउंसलिंग एवं टेस्टिंग सेवाएं, सिविल अस्पताल अर्की के काउंसलर डॉ. विजय कुमार शांडिल ने एचआईवी संक्रमण के कारणों और बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त, संक्रमित सुई साझा करने तथा संक्रमित मां से बच्चे में संक्रमण के माध्यम से एचआईवी फैल सकता है। हाथ मिलाने, साथ बैठने, खाना खाने या मच्छर के काटने से एचआईवी नहीं फैलता। उन्होंने लोगों से भ्रांतियों से बचने और जरूरत पड़ने पर जांच करवाने का आह्वान किया। टीबी के संबंध में लोगों को लगातार दो सप्ताह या अधिक समय तक खांसी, बुखार, रात में पसीना, वजन कम होने और कमजोरी जैसे लक्षणों पर जांच करवाने की सलाह दी गई। शिविर में 72 लोगों के एक्स-रे किए गए, जबकि 19 लोग लक्षणात्मक पाए गए। डॉ. चार्वी गुप्ता, मंजू, सीएचओ ज्योति चौहान और एक्स-रे विभाग के रविंदर कुमार ने सेवाएं प्रदान कीं।

श्रद्धांजलि पूर्व सैनिक सम्मान समारोह में सैनिकों को किया सम्मानित, सैनिक भवन के लिए दिए 10 लाख

पूर्व सैनिकों का त्याग और सेवा सदैव प्रेरणादायी : संजय अवस्थी

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि देश की सेवा में पूर्व सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान और योगदान के लिए राष्ट्र सदैव उनका आभारी रहेगा। वह ग्राम पंचायत बातल में भूतपूर्व सैनिक लीग की ओर से आयोजित भूतपूर्व सैनिक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने अमर जवान शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

विधायक ने समारोह में भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया और राष्ट्र की सेवा में उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। उनका त्याग, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रसेवा के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी। उन्होंने कहा कि वीर सैनिकों और पूर्व सैनिकों की सेवाओं को कभी भुलाया नहीं जा सकता। संजय



अवस्थी ने पूर्व सैनिकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं और मांगों को उचित मंच पर उठाकर समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने पूर्व सैनिकों से युवा पीढ़ी को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने और युवाओं को नशे से दूर रखने में सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को शारीरिक विकास और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना जरूरी है, ताकि वे नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को बेहतर बना सकें। समारोह के दौरान विधायक ने पूर्व सैनिकों और स्थानीय लोगों की जन समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं का समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर संजय अवस्थी ने सैनिक भवन बातल के शेष निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपए तथा एलईडी के लिए एक लाख रुपए देने की घोषणा की। भूतपूर्व सैनिक लीग अर्की के अध्यक्ष कैप्टन पदम देव ठाकुर और अन्य पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा पूर्व सैनिकों से जुड़े विभिन्न विषयों से विधायक को अवगत करवाया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अर्की अध्यक्ष सीमा शर्मा, पार्षद, ग्राम पंचायत बातल प्रधान देवराज, पूर्व प्रधान रतन लाल शर्मा, भूतपूर्व सैनिक लीग जिला सोलन के अध्यक्ष सूबेदार मेजर मोहनलाल शर्मा, उपमंडलीय पुलिस अधिकारी दाड़लाघाट नवीन झाल्टा, खंड चिकित्सा अधिकारी अर्की डॉ. मुक्ता रस्तोगी, तहसीलदार अर्की विपिन वर्मा, विद्युत बोर्ड के अधिशासी अभियंता संदीप कुमार, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता राजेश कुमार सहित पूर्व सैनिक, उनके परिजन और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

घुमारवीं में 2 और 3 अक्तूबर को होगा जिला स्तरीय सीर उत्सव

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। जिला स्तरीय सीर उत्सव का आयोजन घुमारवीं में 2 और 3 अक्तूबर को किया जाएगा। उत्सव की तैयारियों को लेकर खंड विकास अधिकारी कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने की। बैठक का संचालन मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं एसडीएम अभिषेक बरवाल ने किया। राजेश धर्माणी ने बताया कि इस वर्ष उत्सव का मुख्य संदेश लैंगिक समानता और नशामुक्ति रहेगा। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

उत्सव का शुभारंभ आस्था के केंद्र रुक्मणी कुंड में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ होगा। उन्होंने बताया कि 2 अक्तूबर को सुबह छह बजे मैराथन दौड़ आयोजित की जाएगी। पहली बार महिला मंडलों के लिए कबड्डी, रस्साकशी, बोरी दौड़ और वालीबाल जैसी ग्रामीण खेल प्रतियोगिताएं भी करवाई जाएंगी। युवाओं के लिए रोजगार मेले का आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न कंपनियां भाग लेंगी। लोगों के स्वास्थ्य की जांच के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी में चिकित्सा शिविर और रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा। उत्सव की पहली शाम भजन संध्या आयोजित होगी, जबकि दूसरी शाम पहाड़ी और स्टार कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा भव्य शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। मंत्री ने लोगों से उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

STATE LEVEL BANKERS' COMMITTEE HIMACHAL PRADESH
CONVENOR : UCO BANK

यूको बैंक
संयोजक, एसएलबीसी, हिमाचल प्रदेश

UCO Bank
Convenor, SLBC Himachal Pradesh

हमारे मूल्यवान ग्राहकों के लिए सूचना

हम आपको सूचित करते हैं कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने **28, 29 और 30 सितंबर 2026** को राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल की सूचना जारी की है। हालांकि बैंक प्रबंधन हड़ताल की अवधि के दौरान शाखाओं/कार्यालयों में आवश्यक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, फिर भी सामान्य परिचालन प्रभावित होने की स्थिति में ग्राहकों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

हड़ताल की अवधि के दौरान किसी भी असुविधा से बचने के लिए ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे शाखा से संबंधित अपने लेन-देन की योजना पहले से बना लें। ग्राहकों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे अपनी नियमित बैंकिंग आवश्यकताओं के लिए यूको बैंक के वैकल्पिक डिजिटल और स्व-सेवा चैनलों का उपयोग करें।

ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी नकदी संबंधी जरूरतों के लिए **एटीएम** का उपयोग करें और अपने लेनदेन के लिए **इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं, मोबाइल बैंकिंग सेवाओं, यूपीआई** और अन्य डिजिटल बैंकिंग चैनलों को प्राथमिकता दें।

हमारी ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) और बैंकिंग संवाददाता सेवाएं **(बीसी)** हड़ताल के दौरान भी कार्यरत रहेंगी। ग्राहकों से अनुरोध है कि वे प्रस्तावित हड़ताल शुरू होने से पहले, जहां तक संभव हो, शाखा से संबंधित सभी आवश्यक बैंकिंग लेनदेन पूरे कर लें।

ग्राहक अपने नियमित लेन-देन के लिए उपलब्ध डिजिटल और सेल्फ-सर्विस चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाना जारी रख सकते हैं। ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं/चैनलों के सभी माध्यमों का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

बैंक प्रस्तावित हड़ताल के कारण हमारे ग्राहकों को होने वाली असुविधा के लिए गहरा खेद व्यक्त करता है और उनके सहयोग और समझ के लिए आभारी है।

यूको बैंक,
एसएलबीसी संयोजक
हिमाचल प्रदेश

राशन कार्ड सत्यापन में ड्यूटी से गैरहाजिर 314 शिक्षकों को प्रशासन ने जारी किए नोटिस

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब में स्मार्ट राशन कार्ड के सत्यापन की ड्यूटी नहीं करने वाले शिक्षकों को जिला प्रशासन की ओर से नोटिस जारी किए जाने का मामला सामने आया है। लुधियाना में ही 314 शिक्षकों को 11 सितंबर को आयोजित विशेष प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने के संबंध में नोटिस दिए गए हैं। वहीं, बरनाला के भदौड़, तलवंडी, भोटना, तपा, टिंकौना भदौड़ और बदरा समेत अन्य क्षेत्रों में भी शिक्षकों को नोटिस मिलने की जानकारी है।

शिक्षकों का कहना है कि पहले से ही उन्हें कई गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा रहा है। इससे शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। दूसरी ओर, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि शिक्षकों पर पहले से काम का बोझ है। जिला शिक्षा अधिकारियों को जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर राशन कार्ड सत्यापन का काम अन्य विभागों के कर्मचारियों से करवाने के लिए कहा गया है।

तपा के एसडीएम कार्यालय की ओर से 11 शिक्षकों को जारी नोटिस में कहा गया है कि उन्हें चार सितंबर को राशन कार्ड सत्यापन का कार्य सौंपा गया था, लेकिन अभी तक एक भी सत्यापन रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई। नोटिस में 17 सितंबर तक कार्य पूरा नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। शिक्षकों का कहना है कि उन्हें अभी तक सत्यापन का काम ही उपलब्ध नहीं कराया गया है। उनका कहना है कि जब तक मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से पहले जारी ड्यूटी आदेश वापस लेने का औपचारिक निर्देश नहीं आता, तब तक स्थिति स्पष्ट नहीं है।

शिक्षकों के अनुसार इस समय उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण, बूथ लेवल अधिकारी से जुड़े कार्य, जनगणना, नशा संबंधी सर्वे, पराली जलाने की रोकथाम, स्थानीय निकाय चुनाव, खेड़ा वतन पंजाब दियां, स्वास्थ्य कार्ड और बाढ़ संबंधी ड्यूटी समेत कई कार्य सौंपे जा रहे हैं।

जेडीयू-सहयोगी दल ने 2027 चुनाव से पहले पंजाब में किया गठबंधन

ममता दत्त समेत कई नेताओं के पार्टी में शामिल होने से संगठन विस्तार को मिली गति

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



चंडीगढ़। जनता दल (यूनाइटेड) की पंजाब इकाई ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक गतिविधियां तेज करते हुए शिरोमणि अकाली दल श्री आनंदपुर साहिब (एसएडीएसएएस) के साथ औपचारिक गठबंधन की घोषणा की है। पार्टी नेताओं ने कहा कि गठबंधन का उद्देश्य समान विचारधारा वाली राजनीतिक ताकतों को एक मंच पर लाना और पंजाब से जुड़े मुद्दों को मिलकर उठाना है। इस दौरान दिवंगत अभिनेता एवं राजनेता सुनील दत्त की भतीजी ममता दत्त ने भी जेडीयू पंजाब की सदस्यता ग्रहण की।

जेडीयू पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष मलविंदर सिंह बेनीपाल, शिरोमणि अकाली दल श्री आनंदपुर साहिब के अध्यक्ष दविंदर सिंह और महासचिव गुरदर्शन ने गठबंधन की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों दल प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और जनता से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त रूप से काम करेंगे। नेताओं के अनुसार पंजाब के अलग-अलग क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तार किया जाएगा।

सभी विधानसभा सीटों पर तैयारी का दावा : जेडीयू पंजाब की ओर से फिलहाल राज्य की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की बात कही गई है। पार्टी ने माझा, दोआबा, लुधियाना, जीटी रोड और राजपुरा-पटियाला क्षेत्र को संगठनात्मक गतिविधियों के लिहाज से प्रमुख क्षेत्र बताया है। पार्टी नेतृत्व ने बूथ और जिला स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर दिया।

पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों ने संगठनात्मक तैयारियां शुरू कर दी हैं। शिरोमणि अकाली दल ने भी सितंबर में चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति गठित की है।

ममता दत्त जेडीयू में शामिल : कार्यक्रम के दौरान ममता दत्त ने जेडीयू पंजाब की सदस्यता ग्रहण की। ममता दत्त कारपोरेट क्षेत्र में काम कर चुकी हैं और पिछले करीब एक दशक से पशु कल्याण एवं सामाजिक कार्यों से जुड़ी होने की जानकारी दी गई। वह दत्त फाउंडेशन फॉर सोशल वेलफेयर की संस्थापक हैं और पशु कल्याण के साथ सामाजिक कल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यों में सक्रिय रही हैं।

जेडीयू में शामिल होने के बाद ममता दत्त ने कहा कि उनका मानना है कि समाज में सार्थक बदलाव के लिए सक्रिय भागीदारी और सेवा जरूरी है। सामाजिक क्षेत्र में काम करने के अनुभव ने उन्हें करुणा और जिम्मेदारी के महत्व को समझने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि जेडीयू के साथ जुड़कर वह इन मूल्यों को सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगी।

पटियाला के सामाजिक कार्यकर्ता भी जुड़े : पटियाला क्षेत्र में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता देविंदर राजपूत ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। वह पिछले पंजाब विधानसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ चुके हैं। पार्टी नेताओं ने उनके शामिल होने को संगठन के विस्तार से जोड़ते हुए स्वागत किया।

संगठन विस्तार और जनसंपर्क पर जोर : जेडीयू पंजाब ने 2027 विधानसभा चुनाव के लिए संगठनात्मक रोडमैप भी साझा किया। इसके तहत प्रदेश और जिला स्तर की टीमें राज्यभर में जनसंपर्क अभियान चलाएंगी। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, नए सदस्यों को जोड़ने और क्षेत्रवार संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

अमृतसर में एनआरआई मिलनी, चार जिलों के प्रवासियों की शिकायतें सुनेंगे अधिकारी

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब सरकार की ओर से प्रवासी पंजाबियों की लंबित समस्याओं और शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए बुधवार को अमृतसर में विशेष 'एनआरआई मिलनी' आयोजित की जा रही है। राजासांसी एयरपोर्ट के पास स्थित होटल ली मेरिडियन में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मिलनी में अमृतसर, गुरदासपुर, पठानकोट और तरनतारन जिलों से जुड़े प्रवासी पंजाबी अपनी शिकायतें सीधे वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के सामने रख सकेंगे। संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर मौजूद रहने और शिकायतों के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में एनआरआई मामलों संबंधी मंत्री डा. रवजोत सिंह, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। जमीन-जायदाद, पुलिस, प्रशासन और अन्य विभागों से जुड़े मामलों को सुनकर संबंधित अधिकारियों के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी। सरकार का उद्देश्य विदेशों में रहने वाले पंजाबियों की समस्याओं का एक ही मंच पर समाधान करना है। फिलहाल कार्यक्रम स्थल पर मंत्री और विधायकों के पहुंचने का इंतजार है। उनके पहुंचने के बाद मिलनी की औपचारिक शुरुआत होगी।

ऑनलाइन भुगतान के नए नियम से पेट्रोल पंप डीलरों पर बढ़ा आर्थिक बोझ

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। केंद्र सरकार की ओर से 14 सितंबर को जारी गजट अधिसूचना के बाद पेट्रोल पंप डीलरों की चिंता बढ़ गई है। डीलरों का कहना है कि 2000 रुपये से अधिक की ईंधन बिक्री पर ऑनलाइन भुगतान स्वीकार करने पर उन्हें प्रति लेनदेन अतिरिक्त पांच रुपये का भार उठाना पड़ सकता है। इसके चलते कई डीलर बड़े भुगतान के लिए ऑनलाइन माध्यम अपनाने से किनारा करने लगे हैं। पेट्रोलियम डीलरों के अनुसार बड़े पेट्रोल पंपों पर रोजाना 2000 रुपये से अधिक की करीब 2500 लेनदेन होती हैं। ऐसे में प्रत्येक लेनदेन पर पांच रुपये का खर्च होने से रोजाना करीब 12,500 रुपये का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। डीलरों का कहना है कि पहले वे ग्राहकों को डिजिटल भुगतान के लिए जागरूक करते थे, लेकिन नए प्रावधान से स्थिति बदल गई है। पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन पंजाब ने सरकार से पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर मिलने वाली कमीशन राशि में पांच से सात रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने की मांग की है। डीलरों का कहना है कि इससे वे बढ़ते परिचालन खर्च और डिजिटल भुगतान से जुड़े अतिरिक्त भार को वहन कर सकेंगे।

पंजाब की कानून व्यवस्था पर तरुण चुघ ने सरकार को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । पंजाब की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि राज्य में पुलिस थानों, भाजपा नेताओं के घरों और अन्य स्थानों पर ग्रेनेड हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी भी ड्यूटी के दौरान हमलों का शिकार हो रहे हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। चुघ ने गुरदासपुर और अमृतसर में पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब जनता की सुरक्षा करने वाली पुलिस ही सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से कथित पुलिस सुरक्षा संबंधी परिपत्र को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

लुधियाना में विशेष पुलिस अभियान, 1094 यातायात उल्लंघन पकड़े, सात गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । कमिश्नरेट पुलिस लुधियाना ने सार्वजनिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नर के नेतृत्व में डीसीपी, एसीपी, थाना प्रभारी और स्थानीय पुलिस टीमों ने शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर जांच और कार्रवाई की। अभियान के दौरान होटल, गन हाउस, अवैध स्पा, हुक्का बार, सैलून, कैसीनो और सट्टा प्वाइंटों की जांच की गई। ट्रैवल एजेंटों का सत्यापन करने के साथ कॉलेजों के आसपास भी विशेष चेकिंग की गई।

मत्तेवाल में पुलिस से मुठभेड़, पैर में गोली लगने के बाद गैंगस्टर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर



अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने मत्तेवाल थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद गैंगस्टर हरमन सिंह उर्फ हरमन बोपाराय को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान गैंगस्टर ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस दौरान उसके पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी कंवलप्रीत सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि हरमन बोपाराय बाइक पर मत्तेवाल थाना क्षेत्र में आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध बाइक पर अकेला आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की।

पुलिस के मुताबिक, दोनों तरफ से कुल छह राउंड फायर किए गए। जवाबी फायरिंग में एक गोली हरमन के पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर गया। इसके बाद पुलिस ने उसे काबू कर लिया। मौके से एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, कुछ खाली कारतूस और बाइक बरामद की गई है। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम ने भी पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि हरमन बोपाराय के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, गुरदासपुर में हुए एक ग्रेनेड हमले में भी उसकी भूमिका की जांच की जा रही है। इसके अलावा कुछ दिन पहले एक घर पर फायरिंग के मामले में भी पुलिस को उसकी तलाश थी।

पुलिस अब घायल गैंगस्टर को अदालत में पेश कर रिमांड लेने की तैयारी कर रही है। रिमांड के दौरान उससे उसके आपराधिक नेटवर्क, साथियों और पूर्व में की गई वारदातों के संबंध में पूछताछ की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि उसके पास हथियार कहां से पहुंचे और वह किन लोगों के संपर्क में था।

पीयू सीनेट चुनाव में 14.69 प्रतिशत मतदान, करोड़ों खर्च के बाद उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर



पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) के सीनेट चुनाव में रजिस्टर्ड ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र के करीब 6.25 लाख मतदाताओं में से केवल करीब 92 हजार ने ही मतदान किया। यानी कुल 14.69 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव के लिए विश्वविद्यालय की ओर से बड़े स्तर पर तैयारियां की गई थीं और इस पर करीब 2.5 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। मतदान प्रतिशत कम रहने के बाद चुनावी व्यवस्था, मतदाता सूची और खर्च को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

पीयू ने मतदान के लिए 298 बूथ बनाए थे। प्रत्येक बूथ पर फर्नीचर समेत अन्य व्यवस्थाएं की गईं। किसी तरह की कमी न रहे, इसके लिए करीब 330 अतिरिक्त बूथों के लिए भी फर्नीचर की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा मतपत्र तैयार कराने में ही विश्वविद्यालय को करीब 20 लाख रुपये खर्च करने पड़े। मतगणना में लगाए जाने वाले कर्मचारियों को भी अलग से भुगतान किया जाएगा।

मतदान के दौरान पहली बार मतदाता सूची में शामिल हुए मतदाताओं में अपेक्षाकृत अधिक उत्साह देखा गया। इसके बावजूद कुल मतदान प्रतिशत काफी कम रहा। करीब 6.25 लाख मतदाताओं वाले निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 92 हजार लोगों का ही मतदान करना विश्वविद्यालय के लिए अहम मुद्दा बन गया है। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब मतगणना शुरू होने के साथ परिणाम सामने आएंगे।

कम मतदान के पीछे मतदाता सूची के समय पर व्यापक पुनरीक्षण नहीं होने को भी एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। 1966 के बाद से मतदाता सूची के व्यापक पुनरीक्षण का मुद्दा समय-समय पर उठता रहा है। इसके अलावा मृत मतदाताओं के नाम हटाने, दोहरे नामों की पहचान और आधार से जोड़ने जैसी प्रक्रियाओं में मैनुअल अभिलेखों पर निर्भरता की समस्या भी सामने आती रही है। इससे सूची में ऐसे नाम बने रहने की बात कही जाती रही है, जो वर्तमान में मतदान नहीं करते।

स्वास्थ्य केंद्रों में अब आइस पैक की कंडीशनिंग अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से होगी

चंडीगढ़ ने वैक्सीन सुरक्षा के लिए तैयार किया आइस पैक कंडीशनिंग स्टेशन, केंद्र सरकार ने भी सराहा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



वैक्सीन को सुरक्षित रखने में तापमान का संतुलन बेहद महत्वपूर्ण होता है। खासकर वैक्सीन कैरियर में डोज को तय तापमान से नीचे जाने से बचाना स्वास्थ्य कर्मियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहता है। इसी समस्या के समाधान के लिए चंडीगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने 'आइस पैक कंडीशनिंग स्टेशन' तैयार किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस नवाचार की सराहना की है। इसे राष्ट्रीय टीकाकरण पत्रिका 'इंडिया इम्यूनाइजेशन अपडेट' में भी प्रकाशित किया गया है। चंडीगढ़ स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि इस तरह का मॉडल तैयार करने वाला वह देश का पहला राज्य है।

दरअसल, वैक्सीन को सामान्य तौर पर दो से आठ डिग्री सेल्सियस तापमान में सुरक्षित रखा जाता है। स्वास्थ्य केंद्रों में इन्हें आइस-लाइन रेफ्रिजरेटर में रखा जाता है, जबकि टीकाकरण सत्रों और दूरदराज के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों तक वैक्सीन पहुंचाने के लिए वैक्सीन कैरियर का इस्तेमाल किया जाता है। पल्स पोलियो और खसरा-रूबेला जैसे अभियानों में भी वैक्सीन कैरियर की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

वैक्सीन कैरियर में इस्तेमाल होने वाले आइस पैक को डीप फ्रीजर में करीब माइनस 15 से माइनस 25 डिग्री सेल्सियस तापमान पर जमाया जाता है। इन्हें सीधे वैक्सीन कैरियर में रखने पर अंदर का तापमान दो डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है। इससे खासतौर पर जमने के प्रति संवेदनशील वैक्सीन के जमने का खतरा रहता है। ऐसी स्थिति में वैक्सीन की गुणवत्ता और प्रभावशीलता प्रभावित हो सकती है। इसलिए आइस पैक को इस्तेमाल से पहले सामान्य तापमान तक लाने की प्रक्रिया को 'कंडीशनिंग' कहा जाता है।

अब तक कई स्वास्थ्य केंद्रों में आइस पैक को वॉश बेसिन या टेबल पर रखकर कंडीशन किया जाता था। कई जगह पर्याप्त स्थान नहीं होने के कारण भी स्वास्थ्य कर्मियों को परेशानी होती थी। इसके अलावा वॉश बेसिन या गंदी सतह के संपर्क में आने से स्वच्छता संबंधी चिंता रहती थी। ऐसी स्थिति में बैक्टीरिया और सूक्ष्मजीवों के वैक्सीन कैरियर तक पहुंचने की आशंका बनी रहती थी। चंडीगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए नया स्टेशन विकसित किया है।

स्टेनलेस स्टील से तैयार किए गए चार-स्तरीय इस स्टेशन में एक चक्र में 36 आइस पैक कंडीशन किए जा सकते हैं। इसमें पानी की निकासी के लिए अलग व्यवस्था की गई है। चारों तरफ से हवा के पर्याप्त संचार का प्रबंध होने से आइस पैक को व्यवस्थित तरीके से कंडीशन किया जा सकता है। इससे स्वास्थ्य कर्मियों को पारंपरिक तरीके की तुलना में अधिक सुविधाजनक व्यवस्था मिलती है।

सेक्टर-7 निक बेकर्स की थाई करी में मिला कीड़ा, फूड सेफ्टी विंग की टीम ने काटा चालान



महिला ग्राहक की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने रसोई की जांच की

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-7 स्थित निक बेकर्स के आउटलेट में परोसी गई थाई करी में कीड़ा मिलने का मामला सामने आया है। महिला ग्राहकों ने खाना खाते समय करी में कीड़ा मिलने की शिकायत की। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग के फूड सेफ्टी विंग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आउटलेट का निरीक्षण किया। टीम ने किचन, खाद्य सामग्री के रखरखाव और साफ-सफाई व्यवस्था की जांच की।

जानकारी के अनुसार, महिला ग्राहक निक बेकर्स के आउटलेट में खाना खाने पहुंची थीं। उन्होंने थाई करी का आर्डर किया। खाना खाते समय उन्हें करी में कीड़ा दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी आउटलेट के कर्मचारियों को दी और स्वास्थ्य विभाग में शिकायत की।

शिकायत मिलने पर फूड सेफ्टी टीम मौके पर पहुंची और खाद्य सुरक्षा से जुड़े मानकों की जांच की। फूड इंस्पेक्टर सुखविंदर ने बताया कि शिकायत के बाद आउटलेट का निरीक्षण किया गया है। इस दौरान किचन की स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के रखरखाव और अन्य व्यवस्थाओं की जांच की गई।

टीम ने यह भी देखा कि खाद्य सामग्री किस तरह रखी जा रही है और किचन में साफ-सफाई के नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं। निरीक्षण के दौरान विभाग की ओर से आउटलेट का चालान भी काटा गया। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विभाग के अनुसार, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जाता है। थाई करी में कीड़ा कैसे पहुंचा और इसके लिए जिम्मेदारी किसकी है, यह विभाग की जांच के बाद स्पष्ट होगा।

हाईकोर्ट ने जिला अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाने को पंजाब सरकार को दिए निर्देश

डॉक्टरों की भर्ती से लेकर सीटी स्कैन और एमआरआइ सुविधाओं तक व्यवस्था दुरुस्त करने के आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को राज्य के सभी जिला अस्पतालों में जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बेहतर इलाज के लिए मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल जाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने सरकार को अपने निर्देशों के पालन के संबंध में शपथपत्र दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई पांच अक्टूबर को होगी।

जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने कहा कि राज्य से उम्मीद है कि वह सभी जिला अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए गंभीरता से प्रयास करेगा। कोर्ट ने पहले भी स्पष्ट किया था कि नागरिकों को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस व्यवस्था में किसी भी तरह की कमी या लापरवाही को उचित नहीं माना जा सकता।

सिर्फ भवन और उपकरण उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं : हाईकोर्ट ने कहा कि अस्पतालों में केवल भवन तैयार कर देना या चिकित्सा उपकरण उपलब्ध करा देना पर्याप्त नहीं है। इन सुविधाओं का प्रभावी संचालन भी जरूरी है। इसके लिए अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, तकनीकी कर्मचारी और अन्य आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध होने चाहिए। कोर्ट ने राज्य सरकार को स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत करने के लिए जरूरी डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

पंजाब और हरियाणा में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता एवं उनके संचालन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उम्मीद जताई कि दोनों राज्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं को जल्द प्रभावी रूप से उपलब्ध कराएंगे। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध कराई गई सुविधाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि मरीजों को उनका वास्तविक लाभ मिलना चाहिए।

मलेरकोटला अस्पताल में सीटी स्कैन और एमआरआई का मामला: यह मामला मलेरकोटला सिविल अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति से जुड़ी सुनवाई के दौरान सामने आया। भीष्म किंगर की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अस्पताल में सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी सुविधाओं को लेकर सरकार की व्यवस्था पर सवाल उठाए थे।

सरकार की ओर से सिविल अस्पताल में एक निजी एजेंसी के माध्यम से सीटी स्कैन और एमआरआई की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई थी। इस पर कोर्ट ने कहा था कि बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है। जिला और उपमंडल स्तर के अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था के लिए आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध होना जरूरी है।

जिला अस्पतालों की वास्तविक स्थिति पर मांगी रिपोर्ट : हाईकोर्ट ने पहले राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि आवश्यक चिकित्सा सेवाएं केवल सरकारी रिकॉर्ड में उपलब्ध न दिखाई जाएं, बल्कि अस्पतालों में वास्तव में संचालित भी हों। मरीजों को जरूरी जांच या उपचार के लिए दूसरे अस्पतालों में भेजने की स्थिति कम करने पर भी जोर दिया गया।

अब खंडपीठ ने सरकार से अपने निर्देशों के पालन को लेकर शपथपत्र दाखिल करने को कहा है। पांच अक्टूबर को होने वाली अगली सुनवाई में सरकार को जिला अस्पतालों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की स्थिति और आवश्यक संसाधनों की जानकारी देनी होगी।

कोर्ट के निर्देशों के बाद अब राज्य सरकार के सामने जिला अस्पतालों में उपलब्ध संसाधनों की स्थिति स्पष्ट करने और जरूरी कमियों को दूर करने की चुनौती है।

लुधियाना सर्राफा बाजार में जगदंबे ज्वैलर्स पर जीएसटी विभाग की दबिश, खंगाले रिकॉर्ड

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना



राज्य जीएसटी विभाग ने मंगलवार को महानगर के सर्राफा बाजार स्थित जगदंबे ज्वैलर्स पर दबिश देकर कारोबारी रिकॉर्ड और उपलब्ध स्टॉक की जांच शुरू की। विभाग की कार्रवाई के दौरान राज्य कर अधिकारी और निरीक्षक स्तर के अधिकारियों की टीम मौके पर मौजूद रही। टीम ने दुकान में रखे आभूषणों के स्टॉक की बारीकी से जांच करते हुए स्टॉक का मिलान शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, विभागीय अधिकारियों ने मौके पर उपलब्ध आभूषणों के स्टॉक को फर्म के कारोबारी रिकॉर्ड में दर्ज विवरण से मिलाने की प्रक्रिया शुरू की। इसके साथ ही फर्म की खरीद और बिक्री से संबंधित बही-खाते, दस्तावेज और अन्य कारोबारी रिकार्ड भी खंगाले गए। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने बड़ी संख्या में दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर उनकी जांच शुरू कर दी है।

विभाग की कार्रवाई का मुख्य फोकस फर्म के खरीद-बिक्री रिकॉर्ड, बही-खातों और वास्तविक स्टॉक के बीच मिलान पर है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि दस्तावेजों में दर्ज खरीद और बिक्री तथा मौके पर उपलब्ध आभूषणों के स्टॉक में किसी प्रकार का अंतर तो नहीं है। इसके अलावा फर्म के दर्ज कारोबार और उसके आधार पर बनने वाली जीएसटी देनदारी की भी जांच की जा रही है।

अधिकारियों की ओर से कारोबारी दस्तावेजों की जांच के साथ स्टॉक का भौतिक सत्यापन भी किया जा रहा है। इसमें दुकान में उपलब्ध आभूषणों का विवरण रिकॉर्ड से मिलाया जा रहा है। यदि जांच के दौरान दस्तावेजों और वास्तविक स्टॉक में कोई अंतर मिलता है तो विभाग नियमानुसार आगे की कार्रवाई कर सकता है।

सूत्रों के अनुसार, उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच और स्टॉक मिलान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। यदि किसी प्रकार की कर देनदारी या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो नियमानुसार बकाया कर के साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है। हालांकि, फिलहाल विभाग ने जांच के संबंध में कोई अंतिम निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया है। राज्य जीएसटी विभाग की इस कार्रवाई के बाद सर्राफा बाजार के अन्य कारोबारियों में भी हलचल देखने को मिली। कारोबारियों की नजर अब विभागीय जांच के परिणाम पर है। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि फर्म के रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में कोई अनियमितता सामने आई है या नहीं तथा यदि कोई देनदारी बनती है तो उसकी राशि कितनी होगी।

महबूबा मुफ्ती ने मतदाता सूचियों में बदलाव पर सवाल उठाए, लोकतंत्र को लेकर जताई चिंता

चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही को जरूरी बताया, आयोग के फैसलों पर भी चर्चा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मतदाता सूचियों में कथित बदलावों को लेकर चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बुधवार को उन्होंने कहा कि यदि मतदाता सूचियों में सत्तारूढ़ भाजपा की इच्छा के अनुरूप लगातार बदलाव होते रहे तो ऐसी स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन सकती है। उन्होंने आशंका जताई कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर लोगों का भरोसा प्रभावित हो सकता है। महबूबा की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब चुनाव आयोग के कामकाज और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सार्वजनिक बहस चल रही है।

महबूबा मुफ्ती ने चुनाव आयोग के भीतर मतदाता सूचियों से जुड़े कुछ फैसलों पर कथित तौर पर उठाई गई आपत्तियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि चुनावी प्रक्रिया की निगरानी करने वाले अधिकारियों का किसी निर्णय पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार संधू और जोशी वर्तमान में चुनाव आयुक्त हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ आयोग में कार्यरत हैं।

हाल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में मतदाता सूची के प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कई बार आपत्ति दर्ज कराई। रिपोर्ट में नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाताओं के नाम हटाने और बहाल करने तथा मतदाता सूची से जुड़े तकनीकी प्रबंधन जैसे विषयों का उल्लेख किया गया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार फार्म-6 में किए गए बदलाव को लेकर भी दोनों आयुक्तों ने आपत्ति जताई थी।

हालांकि, इन रिपोर्टों के सामने आने के बाद चुनाव आयोग के सूत्रों ने आंतरिक मतभेद के दावों को खारिज किया। आयोग की ओर से कहा गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) सहित आयोग के सभी फैसले मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों की मंजूरी से सर्वसम्मति से लिए गए हैं। आयोग से जुड़े सूत्रों ने कहा कि किसी भी निर्णय को तीनों आयुक्तों की स्वीकृति के बिना पारित नहीं किया गया।

महबूबा मुफ्ती ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और बहाल करने से संबंधित मामलों को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया का आधार है और इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी या अनियमितता की आशंका को गंभीरता से देखा जाना चाहिए। उन्होंने चुनावी संस्थाओं में स्वतंत्रता और जवाबदेही को जरूरी बताते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार मतदाता सूची में नाम दर्ज होना मतदान के लिए आवश्यक है। आयोग मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में जांचने, विवरण में सुधार करने और पंजीकरण से संबंधित आवेदन की स्थिति देखने की सुविधा भी देता है। आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल पर मतदाता अपने नाम और अन्य विवरण की जांच कर सकते हैं।

महबूबा ने अपने बयान में पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति का भी उल्लेख किया और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों की कथित हिरासत पर सवाल उठाए। उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध और असहमति के अधिकार से जुड़े मुद्दों का जिक्र करते हुए दोनों देशों की राजनीतिक परिस्थितियों पर अपनी टिप्पणी रखी। उन्होंने कहा कि चुनावी संस्थाओं से जुड़े अधिकारियों द्वारा फैसलों पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत जवाबदेही का हिस्सा है।

आरएसपुरा में पाकिस्तानी नंबर वाले छल्ले के साथ मिला संदिग्ध कबूतर



भारतेंदु संवाददाता, आरएसपुरा। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे आरएसपुरा सेक्टर के घराना गांव के पास बुधवार को पैर में पाकिस्तानी नंबर वाला छल्ला पहने कबूतर मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। कबूतर के पैर में बंधे छल्ले पर +92 03065920248 नंबर अंकित है। +92 पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय टेलीफोन कोड होने के कारण कबूतर के सीमापार से आने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, एजेंसियां सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही हैं।

जानकारी के अनुसार, घराना गांव के आसपास लोगों ने कबूतर को देखा। उसके पैर में बंधे छल्ले पर पाकिस्तानी अंतरराष्ट्रीय कोड वाला मोबाइल नंबर लिखा होने की जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कबूतर को अपने कब्जे में लेकर छल्ले और उस पर दर्ज नंबर से जुड़ी जानकारी जुटानी शुरू कर दी।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि कबूतर वास्तव में पाकिस्तान की ओर से उड़कर भारतीय क्षेत्र में पहुंचा है या फिर किसी अन्य स्थान से यहां आया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि उसके पैर में नंबर वाला छल्ला किसने और किस उद्देश्य से बांधा था। छल्ले पर दर्ज नंबर की भी जांच की जा रही है, ताकि कबूतर की वास्तविक उत्पत्ति और उससे जुड़ी परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले : भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे आरएसपुरा और आसपास के क्षेत्रों में पहले भी संदिग्ध कबूतर मिलने के मामले सामने आते रहे हैं। कुछ मामलों में कबूतरों के पैरों में छल्ले या अन्य पहचान संबंधी वस्तुएं मिली थीं। इसके अलावा सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान से जुड़े निशान वाले गुब्बारे मिलने की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ जांच करती हैं।

घराना गांव में पाकिस्तानी नंबर वाले छल्ले के साथ कबूतर मिलने की घटना के बाद सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। एजेंसियां कबूतर और छल्ले से जुड़ी सभी जानकारियां जुटा रही हैं।

फिलहाल जांच पूरी होने तक कबूतर के पाकिस्तान से आने या किसी विशेष उद्देश्य से भेजे जाने की पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि छल्ले पर दर्ज नंबर और अन्य तथ्यों की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सुरक्षा एजेंसियां मामले की हर कड़ी को जोड़कर आगे की कार्रवाई कर रही हैं।

टंगमर्ग में पर्यटकों से मनमाना किराया वसूली पर छह वाहन जब्त

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पर्यटन सीजन के दौरान पर्यटकों से मनमाना किराया वसूलने और अनुचित व्यवहार की शिकायतों पर बारामूला पुलिस ने टंगमर्ग क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। पुलिस ने विभिन्न वाणिज्यिक यात्री वाहनों की जांच की। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर छह वाहनों को जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार, अभियान के दौरान सूमो और ऑटो समेत अन्य यात्री वाहनों की जांच की गई। इनमें एक स्कॉर्पियो वाहन पर्यटकों से टंगमर्ग-गुलमर्ग मार्ग के लिए निर्धारित किराए से दोगुनी राशि वसूलता पाया गया। वाहन चालक पर्यटकों से पांच हजार रुपये किराया ले रहा था, जबकि इस मार्ग के लिए अधिकतम निर्धारित किराया 2500 रुपये है। मामले में टंगमर्ग पुलिस थाने में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा कि पर्यटन क्षेत्रों में यात्रियों से अधिक किराया वसूलने, उन्हें परेशान करने या किसी भी तरह का अनुचित व्यवहार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य पर्यटकों और अन्य यात्रियों के लिए सुरक्षित तथा सुगम परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

परगवाल में बदलते मौसम से बढ़ीं मौसमी बीमारियां चिकित्सकों ने सावधानी बरतने की दी सलाह

मौसम में बदलाव के बीच स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की बढ़ी संख्या , चिकित्सक सतर्क



भारतेंदु संवाददाता, अखनूर। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव और तापमान में उतार-चढ़ाव का असर अब लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। परगवाल स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इन दिनों सर्दी-जुकाम, खांसी, गले में खराश, बुखार और शरीर में दर्द जैसी शिकायतों के साथ मरीज पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार बदलते मौसम में वायरल संक्रमण और फ्लू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परगवाल की चिकित्सक डॉ. प्रिंका भगत ने लोगों को मौसम में बदलाव के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि वायरल संक्रमण या फ्लू की स्थिति में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, बदन दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। कई मामलों में ये लक्षण सामान्य होते हैं और उचित देखभाल से स्थिति में सुधार हो जाता है, लेकिन कुछ मरीजों में संक्रमण गंभीर रूप भी ले सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि लगातार तेज बुखार रहे, सांस लेने में परेशानी हो या स्वास्थ्य की स्थिति बिगड़ती महसूस हो तो चिकित्सकीय सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने लोगों को बिना चिकित्सकीय परामर्श के एंटीबायोटिक या अन्य दवाइयों का सेवन न करने की सलाह दी।

डॉ. भगत ने कहा कि बदलते मौसम में शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराना जरूरी है। लोगों को पौष्टिक भोजन लेने के साथ पर्याप्त नींद और आराम भी करना चाहिए। व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें तथा नियमित रूप से हाथ धोने की आदत अपनाएं। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकना चाहिए, ताकि संक्रमण दूसरे लोगों तक न पहुंचे।

चिकित्सक ने बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर अनावश्यक रूप से भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को मौसम में बदलाव के दौरान अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

बारामुला में आतंकी मददगार का मकान कुर्क

जांच में आतंकी गतिविधियों से जुड़े साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने संपत्ति पर की कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, बारामुला। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के नामबला शीरी इलाके में पुलिस ने आतंकी गतिविधियों से जुड़े एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मंजिला आवासीय मकान कुर्क किया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 25 के तहत की गई है। कुर्क की गई संपत्ति एजाज अहमद गनी पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद सुल्तान गनी की बताई गई है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई शीरी थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 37/2026 से संबंधित है। मामले में शस्त्र अधिनियम की धारा 7/25 के साथ यूएपीए की धाराओं 13, 18, 19, 20, 23, 38 और 39 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि नामबला शीरी में सर्वे नंबर 423 पर स्थित दो मंजिला मकान को कानूनी प्रक्रिया के तहत कुर्क किया गया है।

आतंकियों को पनाह और रसद देने का आरोप : जांच के दौरान पुलिस को प्रथम दृष्टया ऐसे साक्ष्य मिलने का दावा किया गया, जिनके आधार पर उक्त संपत्ति के आतंकियों को कथित रूप से पनाह देने, रसद सहायता उपलब्ध कराने और आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों को सुगम बनाने में इस्तेमाल होने की बात सामने आई। इसके बाद संपत्ति को यूएपीए के तहत आतंकवाद से संबंधित संपत्ति के प्रावधानों के दायरे में लाया गया।

पुलिस के अनुसार, संपत्ति कुर्क करने के लिए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक से आवश्यक मंजूरी भी प्राप्त की गई थी। यह मंजूरी 22 सितंबर 2026 को आदेश संख्या 2695/2026 के माध्यम से जारी की गई।

संपत्ति पर चस्पा किया सार्वजनिक नोटिस : कुर्की की कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने मकान पर सार्वजनिक नोटिस भी चस्पा किया। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि लागू कानूनी प्रावधानों के तहत अब इस संपत्ति को बेचा, हस्तांतरित, पट्टे पर दिया या गिरवी नहीं रखा जा सकता। इसके अलावा संपत्ति में किसी तीसरे पक्ष का हित भी सृजित नहीं किया जा सकेगा।

बारामुला पुलिस ने कहा कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में संपत्तियों की कुर्की की कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आतंकी गतिविधियों को कथित तौर पर समर्थन, पनाह या रसद उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की पहचान कर उसे बाधित करने के लिए जांच और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

महाराजा हरि सिंह की 131वीं जयंती पर जम्मू-कश्मीर में हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू । जम्मू-कश्मीर के अंतिम डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह की 131वीं जयंती पर बुधवार को पूरे प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जम्मू में तवी पुल स्थित महाराजा हरि सिंह की प्रतिमा के पास विभिन्न वर्गों के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान महाराजा हरि सिंह के योगदान को याद किया गया।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी महाराजा हरि सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए। जयंती के अवसर पर कई सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। युवा राजपूत सभा की ओर से प्रतिमा स्थल पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। इसके बाद 131 किलो का लड्डू श्रद्धालुओं और लोगों में वितरित किया गया।

महाराजा हरि सिंह जम्मू-कश्मीर के अंतिम डोगरा शासक थे। वर्ष 1947 में उन्होंने जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के लिए विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद भारतीय सेना के कश्मीर पहुंचने तक महाराजा की सेनाओं ने कबायली हमलावरों और पाकिस्तान से जुड़े लड़ाकों का मुकाबला किया था।

महाराजा हरि सिंह की जयंती पर राजपत्रित अवकाश को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में राजनीतिक मतभेद भी सामने आए हैं। इसके बावजूद विभिन्न सामाजिक संगठनों और लोगों ने कार्यक्रम आयोजित कर महाराजा को श्रद्धांजलि दी।

रामबन में कार के अंदर मिले दो पुलिसकर्मियों के शव, मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस



भारतेंदु संवाददाता, रामबन। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में मंगलवार देर रात एक कार के अंदर दो पुलिसकर्मी मृत अवस्था में पाए गए। घटना बटोत तहसील के सना इलाके में जियारत मोड़ के पास की है। दोनों पुलिसकर्मी जिला पुलिस लाइंस रामबन में तैनात थे। उनकी मौत के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अधिकारी के अनुसार, जेके-19/5299 नंबर की फिएट लिनिया कार में दोनों पुलिसकर्मी बेहोशी की हालत में पाए गए थे। स्थानीय लोगों ने दोनों को तत्काल जिला अस्पताल रामबन पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान हेड कांस्टेबल फरीद अहमद और सिलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मुहम्मद याकूब के रूप में हुई है। फरीद अहमद का पुलिस नंबर 408/आरबीएन था और वह भट्टी रामबन के रहने वाले थे। वहीं मुहम्मद याकूब का पुलिस नंबर 309/आरबीएन था और वह जटगली रामबन के निवासी थे।

दोनों के शवों को आवश्यक मेडिको-लीगल औपचारिकताओं के लिए जिला अस्पताल में रखा गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पोस्टमार्टम और अन्य जांच के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। रामबन जिले में अगस्त में भी एक संदिग्ध एसयूवी को लेकर सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया था।

उच्च न्यायालय ने दो अधिकारियों को सौंपी अतिरिक्त जिम्मेदारियां

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत दो अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपने का आदेश जारी किया है। दोनों अधिकारियों को यह अतिरिक्त प्रभार अगले आदेश तक संभालना होगा। उच्च न्यायालय के प्रशासनिक आदेश के अनुसार, जम्मू में भ्रष्टाचार-विरोधी (सीबीआई मामलों) के विशेष न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा को जम्मू स्थित जम्मू-कश्मीर विशेष न्यायाधिकरण के सदस्य का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी आदेश के तहत एक सदस्यीय वन अथॉरिटी के मनोज परिहार को श्रीनगर स्थित जम्मू-कश्मीर विशेष न्यायाधिकरण के सदस्य की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। दोनों अधिकारियों को अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों के साथ यह अतिरिक्त प्रभार संभालना होगा।

दिल्ली में मिला कठुआ से लापता भाजपा विधायक का बेटा



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ से लापता हुए हीरानगर के भाजपा विधायक विजय कुमार शर्मा के बेटे आदित्य का पता चल गया है। वह बुधवार सुबह नई दिल्ली के साकेत में अपनी बहन आनंदिता शर्मा के पास सुरक्षित मिला। बेटे के मिलने की जानकारी के बाद परिवार और पुलिस ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार, आदित्य ने कठुआ के कालीबाड़ी से हरियाणा रोडवेज की बस से दिल्ली तक यात्रा की। वह बुधवार सुबह करीब 5:30 बजे दिल्ली पहुंचा। इसके बाद वह साकेत स्थित अपनी बहन के किराये के मकान पर पहुंचा। आनंदिता दिल्ली में प्रशासनिक सेवा की कोचिंग कर रही हैं। उन्होंने परिवार को आदित्य के सुरक्षित पहुंचने की जानकारी दी।

आदित्य के लापता होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पंजाब, हरियाणा और दिल्ली पुलिस को भी अलर्ट किया था। तीनों राज्यों की पुलिस के साथ आदित्य की तस्वीर और अन्य जानकारी साझा की गई थी। पुलिस मामले में अपहरण समेत अन्य संभावित पहलुओं की जांच कर रही थी।

बेटे के सुरक्षित मिलने की सूचना उस समय मिली, जब विधायक विजय कुमार शर्मा श्रीनगर में विधानसभा सत्र में शामिल थे। जानकारी मिलते ही वह हीरानगर के लिए रवाना हो गए। फिलहाल आदित्य अपनी बहन के साथ दिल्ली में है और परिवार के संपर्क में है। उसके सुरक्षित मिलने के बाद पुलिस ने भी राहत की सांस ली है।

कश्मीर में समय से पहले सेब तुड़ाई से गुणवत्ता और बाजार पर पड़ सकता है असर



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर । कश्मीर में सेब उत्पादकों को समय से पहले फलों की तुड़ाई नहीं करने की सलाह दी गई है। उत्पादकों के प्रतिनिधियों ने कहा है कि उचित रंग और परिपक्वता आने से पहले सेब तोड़ने से उसकी गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसका सीधा असर बाजार में मांग और कीमत पर भी पड़ सकता है। यह सलाह ऐसे समय में दी गई है, जब सेब की तुड़ाई का मौसम चल रहा है और कुछ उत्पादक मंडियों में ऊंची कीमतों की खबरों और विज्ञापनों को देखकर तय समय से पहले फल तोड़ रहे हैं।

फ्रूट ग्रोअर्स एसोसिएशन कश्मीर के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर ने उत्पादकों से अपील की कि वे अस्थायी रूप से बढ़ी कीमतों को देखकर जल्दबाजी न करें। उन्होंने कहा कि कुछ मंडियों में ऊंचे दाम मिलने की जानकारी के बाद कई उत्पादकों ने समय से पहले सेब बाजार में भेजना शुरू कर दिया। इससे कम रंग और अपेक्षाकृत कम ग्रेड वाले सेब बड़ी मात्रा में मंडियों तक पहुंच रहे हैं। इससे कश्मीर के सेब की गुणवत्ता को लेकर खरीदारों के बीच नकारात्मक धारणा बन सकती है और भविष्य में मांग तथा कीमत प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने कहा कि सेब की तुड़ाई से पहले फल की परिपक्वता, आकार और रंग का सही आकलन जरूरी है। पर्याप्त रंग और पकाव आने के बाद ही फल तोड़ने से उसकी गुणवत्ता बेहतर रहती है और बाजार में अच्छी कीमत मिलने की संभावना बनी रहती है।

बशीर अहमद ने पैकिंग सामग्री की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने को कहा। उन्होंने बताया कि कुछ उत्पादक सस्ती या अनुपयुक्त पैकिंग सामग्री का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे परिवहन और रखरखाव के दौरान फलों पर खरोंच और अन्य नुकसान हो जाता है। इसके अलावा बक्सों में ग्रेडिंग का सही ध्यान नहीं रखने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। कई बार ऊपर की परत में अच्छे सेब रखे जाते हैं, जबकि नीचे दूसरी या तीसरी श्रेणी के फल पैक कर दिए जाते हैं। बक्से खुलने पर ऐसी स्थिति सामने आने से पूरे माल की गुणवत्ता पर सवाल उठता है। उन्होंने उत्पादकों से गुणवत्तापूर्ण पैकिंग सामग्री और पारदर्शी ग्रेडिंग अपनाने की अपील की।

बदलाव संघर्ष विराम के बाद सीमावर्ती इलाकों में शिक्षा, डिजिटल सुविधाओं और खेलों को मिला नया विस्तार

बंकरों से स्मार्ट कक्षाओं तक पहुंची एलओसी के बच्चों की पढ़ाई

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे कुपवाड़ा और उड़ी के सीमावर्ती इलाकों में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा की तस्वीर तेजी से बदली है। कभी गोलाबारी और सायरन के बीच बच्चों की पढ़ाई बंकरों तक सिमट जाती थी। अब उन्हीं क्षेत्रों के कई स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल कक्षाओं और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को नई तकनीक से जोड़ा जा रहा है। खेल गतिविधियों के अवसर भी बढ़े हैं।

कभी सायरन सुनते ही बंकर में चले जाते थे बच्चे : सीमावर्ती इलाकों में गोलाबारी के दौरान शिक्षक बच्चों को लेकर बंकरों में चले जाते थे। कई बार स्कूल बंद करने पड़ते थे और पढ़ाई की नियमितता प्रभावित होती थी। उड़ी और कुपवाड़ा के करनाह जैसे क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के लिए बच्चों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता होती थी। हालांकि, फरवरी 2021 में भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच संघर्ष विराम का पालन करने को लेकर सहमति बनने के बाद सीमावर्ती इलाकों में हालात में बदलाव आया।

रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 30 नवंबर 2019 से 29 नवंबर 2021 के बीच एलओसी पर 5601 संघर्ष विराम उल्लंघन दर्ज किए गए थे। गोलाबारी का सीधा असर सीमावर्ती स्कूलों की पढ़ाई पर पड़ता था। अब सुरक्षा चुनौतियां पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं, लेकिन स्कूलों में नियमित पढ़ाई का माहौल मजबूत हुआ है।

ब्लैकबोर्ड की जगह स्मार्ट बोर्ड : सीमावर्ती स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई स्तरों पर पहल की गई है। 26 जुलाई 2024 को पुंछ के नियंत्रण रेखा के पास नकड़कोट के सरकारी मिडिल स्कूल में डिजिटल कक्षा शुरू की गई थी। इसमें एलईडी स्क्रीन और वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई।



कुपवाड़ा में भी सरकारी स्कूलों में तकनीकी सुविधाएं बढ़ाने की पहल हुई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जिले के 259 सरकारी स्कूलों में करीब 330 स्मार्ट बोर्ड और पांच रोबोटिक्स लैब स्थापित करने की योजना पर काम किया गया। इन सुविधाओं के माध्यम से विद्यार्थी विज्ञान, तकनीक और अन्य विषयों को डिजिटल माध्यम से समझ पा रहे हैं।

सेना के गुडविल स्कूल भी सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा के विस्तार में भूमिका निभा रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सेना के 45 गुडविल स्कूलों में करीब 17 हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं। इनमें बड़ी संख्या में छात्राएं भी शामिल हैं। इन स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जा रहा है।

सुरक्षा ड्रिल अभी भी शिक्षा का हिस्सा : सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया गया है। उड़ी और करनाह जैसे क्षेत्रों के स्कूलों में विद्यार्थियों को आपात स्थिति से निपटने के लिए नियमित सुरक्षा अभ्यास कराया जाता है। शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को यह जानकारी होना जरूरी है कि किसी आपात स्थिति में उन्हें सुरक्षित स्थान तक कैसे पहुंचना है।

बृहस्पति की कृपा और सकारात्मक सोच के साथ सफलता की राह दिखाता गुरुवार





राजन कुमार शर्मा
स्वतंत्र लेखक

सप्ताह के सात दिनों में गुरुवार का विशेष महत्व माना जाता है। भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में गुरुवार को ज्ञान, आस्था और आध्यात्मिक उन्नति का दिन माना गया है। यह दिन विशेष रूप से देवगुरु बृहस्पति को समर्पित होता है, जिन्हें ज्ञान, बुद्धि, शिक्षा, धर्म और सदाचार का प्रतीक माना जाता है। भारतीय 'योतिष में भी बृहस्पति ग्रह को शुभ ग्रहों में स्थान दिया गया है, जो व्यक्ति के जीवन में सफलता, सम्मान और समृद्धि का कारक माना जाता है।

गुरुवार का संबंध केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिन आत्मचिंतन, सीखने और जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा भी देता है। प्राचीन समय से ही भारतीय समाज में गुरुओं और ज्ञान का विशेष सम्मान रहा है। यही कारण है कि गुरुवार को गुरु के प्रति सम्मान प्रकट करने और ज्ञान के मार्ग पर आगे बढ़ने का अवसर माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गुरुवार के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। कई लोग इस दिन व्रत रखते हैं और पीले रंग के वस्त्र धारण करते हैं। पीला रंग ज्ञान, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। पूजा में पीले फूल, पीली मिठाई और पीले रंग की वस्तुओं का उपयोग शुभ माना जाता है। लोगों का विश्वास है कि गुरुवार को श्रद्धा और नियमपूर्वक पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

भारतीय 'योतिष में बृहस्पति को शिक्षा, संतान, विवाह, धन और आध्यात्मिक विकास से जुड़ा ग्रह माना गया है। जिन लोगों की कुंडली में बृहस्पति मजबूत होता है, उनमें ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की क्षमता अधिक होने की मान्यता है। इसी कारण गुरुवार को बृहस्पति ग्रह की कृपा प्राप्त करने के लिए विशेष उपाय किए जाते हैं।

गुरुवार का महत्व विद्यार्थियों के लिए भी विशेष है। ज्ञान और शिक्षा के प्रतीक इस दिन को अध्ययन, नई चीजें सीखने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शुभ माना जाता है। आज के आधुनिक समय में भी गुरुवार हमें यह संदेश देता है कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए लगातार सीखते रहना आवश्यक है। ज्ञान ही वह शक्ति है जो व्यक्ति को सही निर्णय लेने और कठिन परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम बनाती है।

गुरुवार हमें गुरु के महत्व की भी याद दिलाता है। गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं होता बल्कि वह जीवन को सही दिशा दिखाने वाला मार्गदर्शक होता है। माता पिता, शिक्षक और अनुभवी लोग जीवन में गुरु की भूमिका निभाते हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से व्यक्ति अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।

समाज में गुरुवार को दान और सेवा के कार्यों के लिए भी शुभ माना जाता है। जरूरतमंद लोगों की सहायता करना, भोजन कराना और अ'छे कार्य करना भारतीय परंपरा में पुण्य कार्य माने गए हैं। इसका उद्देश्य केवल धार्मिक लाभ प्राप्त करना नहीं बल्कि समाज में सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना भी है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ में व्यक्ति अक्सर मानसिक तनाव और चिंताओं से घिरा रहता है। ऐसे समय में गुरुवार जैसे दिन आत्ममंथन और सकारात्मक सोच विकसित करने का अवसर देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन में धन और सफलता के साथ ज्ञान, शांति और अ'छे विचारों का भी महत्व है।

आज के समय में जब तकनीक और भौतिक सुविधाएँ तेजी से बढ़ रही हैं, तब आध्यात्मिक मूल्यों की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। गुरुवार हमें संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है, जिसमें आधुनिक सोच के साथ संस्कार और नैतिकता का भी समावेश हो।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिरोशिमा की पीड़ा आज भी देती है चेतावनी 'युद्ध नहीं बल्कि शांति है मानवता का रास्ता'





डॉ. कमौरया मनोज
स्वतंत्र लेखक

यह दिन मानव इतिहास की उस दर्दनाक घटना की याद दिलाता है, जब 1945 को जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम गिराया गया था। इस विनाशकारी हमले ने न केवल हजारों लोगों की जान ली, बल्कि पूरी दुनिया को परमाणु हथियारों के भयावह परिणामों से परिचित कराया। हिरोशिमा दिवस का उद्देश्य युद्ध और हिंसा के दुष्परिणामों को याद करना तथा विश्व में शांति, भाईचारे और परमाणु हथियारों के उन्मूलन का संदेश फैलाना है।

द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम चरण में अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर परमाणु बम गिराया था। इस हमले में बड़ी संख्या में लोग तत्काल मारे गए और कई लोग विकिरण के प्रभाव से वर्षों तक पीड़ित रहे। कुछ ही दिनों बाद जापान के नागासाकी शहर पर भी परमाणु हमला किया गया। इन घटनाओं ने पूरी मानव सभ्यता को यह सोचने पर मजबूर किया कि युद्ध और विनाश की राह किसी भी देश या समाज के लिए लाभकारी नहीं हो सकती।

हिरोशिमा पर हुए परमाणु हमले का प्रभाव केवल उस समय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों ने इसके दुष्परिणाम झेले। विकिरण के कारण लोगों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हुईं और पर्यावरण पर भी इसका गहरा असर पड़ा। हजारों परिवार उजड़ गए और शहर का बड़ा हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि आधुनिक विज्ञान का गलत उपयोग मानवता के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है।

विश्व हिरोशिमा दिवस हमें यह संदेश देता है कि विज्ञान और तकनीक का उपयोग मानव कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि विनाश के लिए। आज दुनिया के कई देशों के पास परमाणु हथियार मौजूद हैं, जिससे वैश्विक सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है। ऐसे में यह दिन सभी देशों को याद दिलाता है कि शांति और संवाद के माध्यम से ही समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है, बल्कि बातचीत और सहयोग ही बेहतर रास्ता है।

इस दिवस पर दुनियाभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्कूलों, महाविद्यालयों और सामाजिक संस्थानों में शांति से जुड़े कार्यक्रम, विचार गोष्ठियां और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को युद्ध के नुकसान और शांति के महत्व के बारे में जानकारी दी जाती है। हिरोशिमा दिवस नई पीढ़ी को यह प्रेरणा देता है कि वे हिंसा से दूर रहकर विश्व में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दें।

आज के समय में जब कई क्षेत्रों में तनाव और संघर्ष देखने को मिल रहे हैं, तब हिरोशिमा दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सुरक्षा को मजबूत नहीं करती, बल्कि खतरे को बढ़ाती है। देशों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और कूटनीतिक प्रयासों से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है।

भारत भी हमेशा विश्व शांति और परमाणु हथियारों के जिम्मेदार उपयोग की बात करता रहा है। भारतीय संस्कृति में शांति और सह-अस्तित्व की भावना को विशेष महत्व दिया गया है। भारत का मानना है कि विश्व को संघर्ष की जगह सहयोग और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। हिरोशिमा दिवस इसी सोच को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

विश्व हिरोशिमा दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना की याद नहीं है, बल्कि यह मानवता के लिए एक चेतावनी भी है। यह दिन हमें बताता है कि युद्ध का परिणाम हमेशा विनाशकारी होता है और शांति का मार्ग ही मानव सभ्यता की प्रगति का आधार है। परमाणु हथियारों का खतरा समाप्त करने और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए दुनिया के सभी देशों को मिलकर प्रयास करने होंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

समृद्ध किसान, समृद्ध प्रदेश

मध्य प्रदेश का 71वां स्थापना दिवस 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' की थीम पर मनाने का निर्णय केवल एक आयोजन का विषय नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति और भविष्य की दिशा से जोड़कर देखने की जरूरत है। राजनीति में नारों और थीम का अपना महत्व है। वे सरकार की प्राथमिकताएं जनता तक पहुंचाने और किसी बड़े लक्ष्य के लिए माहौल बनाने का माध्यम बनते हैं। लेकिन नारा तभी सार्थक होता है, जब उसके पीछे लगातार काम, स्पष्ट नीति और जमीन पर दिखाई देने वाले परिणाम हों। स्थापना दिवस जैसे अवसर केवल उत्सव मनाने के लिए नहीं होते, बल्कि प्रदेश के विकास की दिशा पर विचार करने और भविष्य के लिए संकल्प लेने का अवसर भी देते हैं। इसलिए 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' को महज एक समारोह की थीम मानना उसके व्यापक अर्थ को सीमित करना होगा।

मध्य प्रदेश में कृषि का महत्व किसी आंकड़े भर तक सीमित नहीं है। प्रदेश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। ऐसे में किसान की समृद्धि का अर्थ केवल किसान की आय बढ़ना नहीं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था मजबूत होना, कृषि आधारित उद्योगों को गति मिलना, रोजगार के अवसर बढ़ना और प्रदेश की समग्र अर्थव्यवस्था का विस्तार होना है। किसान जब बेहतर कमाई करता है तो उसका प्रभाव केवल उसके परिवार तक नहीं रहता। वह शिक्षा पर खर्च करता है, बेहतर आवास बनाता है, कृषि उपकरण खरीदता है, स्थानीय बाजार से वस्तुएं खरीदता है और ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाता है। इस तरह खेत से निकलने वाली आय गांव के अनेक दूसरे व्यवसायों को भी गति देती है।

यही कारण है कि कृषि को केवल उत्पादन के नजरिये से देखने के बजाय इसे पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में देखने की जरूरत है। खेती से जुड़ा बीज, खाद, कृषि उपकरण, परिवहन, भंडारण, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन का पूरा तंत्र रोजगार और आय के अनेक अवसर पैदा करता है। यदि किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य मिलता है और गांव के स्तर पर प्रसंस्करण की सुविधाएं विकसित होती हैं, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मूल्यवर्धन बढ़ सकता है। किसान केवल कच्चे माल का उत्पादक न रहकर कृषि उद्यमी की भूमिका भी निभा सकता है। 'समृद्ध किसान' की अवधारणा को इसी व्यापक संदर्भ में समझने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में उन्नत कृषि, प्राकृतिक खेती और कृषि में नवाचार की प्रदर्शनी लगाने तथा उपलब्धि हासिल करने वाले किसानों, उद्यमियों और युवाओं को सम्मानित करने का निर्णय स्वागत योग्य है। किसान कल्याण वर्ष के दौरान हुई गतिविधियों को स्थापना दिवस पर सामने लाने से प्रदेश में कृषि क्षेत्र में हो रहे प्रयोगों और उपलब्धियों को व्यापक पहचान मिल सकती है। ऐसे आयोजन किसानों को यह दिखाने का माध्यम बन सकते हैं कि पारंपरिक खेती के साथ नई तकनीक, वैज्ञानिक जानकारी और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग से खेती को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। लेकिन असली परीक्षा इसके बाद शुरू होगी।

किसानों को नई तकनीक की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना होगा कि उस तकनीक को अपनाने में किसान को कितनी लागत आती है, उससे उसकी आय में कितना बदलाव होता है और क्या वह तकनीक छोटे तथा सीमांत किसानों के लिए भी व्यावहारिक है। प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे किसान हैं जिनके पास सीमित भूमि है और जिनके लिए खेती की छोटी-सी लागत भी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए कृषि नवाचार की नीतियां बनाते समय बड़े किसानों के साथ छोटे किसानों की आवश्यकताओं को भी केंद्र में रखना होगा। आधुनिक कृषि तभी व्यापक बदलाव ला सकती है, जब उसका लाभ खेत के अंतिम छोर तक पहुंचे।

सिंचाई कृषि की बुनियादी जरूरतों में शामिल है। वर्षा पर अत्यधिक निर्भरता खेती को मौसम के उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बना देती है। बारिश समय पर न हो तो उत्पादन प्रभावित होता है और अधिक बारिश होने पर भी फसल को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए जल संरक्षण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, छोटे जलस्रोतों के पुनर्जीवन और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग पर निरंतर काम जरूरी है। कृषि क्षेत्र की समृद्धि का संबंध केवल अधिक पानी उपलब्ध कराने से नहीं, बल्कि उपलब्ध पानी का टिकाऊ और वैज्ञानिक इस्तेमाल करने से भी है। भविष्य की खेती ऐसी होनी चाहिए जिसमें उत्पादन बढ़े, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक दबाव न पड़े।

गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक और कृषि दवाओं की उपलब्धता भी किसानों की आय से सीधे जुड़ी है। यदि किसान को समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री नहीं मिलती तो उसका पूरा उत्पादन चक्र प्रभावित हो सकता है। नकली या घटिया सामग्री की शिकायतें किसानों के लिए आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती हैं। इसलिए कृषि इनपुट की गुणवत्ता की निगरानी, समय पर उपलब्धता और किसानों को सही जानकारी देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। कृषि विस्तार सेवाओं को भी मजबूत करने की जरूरत है, ताकि किसान केवल बाजार में उपलब्ध सामग्री पर निर्भर न रहे, बल्कि वैज्ञानिक सलाह के आधार पर निर्णय ले सके। मौसम की अनिश्चितता आज खेती के सामने बड़ी चुनौती है।

-शिवांश धाकड़

चलते जाना है

प्रवीण कुमार, गांव बाड़ा द घाट (सरेल) त. घुमारवीं

चलते जाना है, रुकना नहीं है, कोई तुम्हें समझे या ना समझे
कोई तुम्हें जाने या ना जाने,
कोई तुम्हें पहचाने या ना पहचाने
कोई तुम्हें कहे अच्छा या कहे बुरा,
कोई निंदा करे या करे स्तुति
कोई प्रीति करे या करे घृणा, रुकना नहीं है, चलते ही जाना है
जग में कोई नहीं है अपना,
कौन कब स्वार्थ हेतु साथ छोड़ जाए
कोई नहीं जानता,
अक्सर हमने लोगों को कलिकाल में विश्वास को तोड़ते-मरोड़ते
देखा है, हृदय को विदीर्ण करते देखा है प्रेम में हमने देखे हैं,
धोखे-सादगी का हमने मजाक बनते देखा है
ऐसा लगता है कि सब ओर गिरगिटों का अंबार है अरे! फिर भी,
फरेब से भरी दुनिया में, चलना तो है,
हर कदम फंक-फूंक कर चलिए, रुकना नहीं है,
बस चलते ही जाना है हे मानव!
जग में स्वकर्तव्य का कर निर्वहन,
ईश्वर का सुमिरन करते जाओ तुम, प्रेमपूर्ण,
भक्तिपूर्ण प्रार्थनाएं होती हैं दया भाव से,
करुणा से नित्य कबूल, तभी उस करुणामय,
प्रेम के सागर ईश्वर को हृदय से नमन है,
वाणी से वंदन है, जो है इस सृष्टि का पालक इस सृष्टि का मूल,
रुकना नहीं है हमें जीवन में, प्रेम से,
सच्चाई से परोपकार हेतु, निरंतर आगे बढ़ते जाना है,
आगे बढ़ते जाना है।

युवा ऊर्जा, तकनीकी बदलाव और सामाजिक जिम्मेदारी से बनेगा विकसित भारत का भविष्य

किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल संसद और सरकारों के निर्णयों से तय नहीं होता, बल्कि वह आने वाली पीढ़ियों के विचारों, संस्कारों और सपनों में आकार लेता है। आज भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ नई पीढ़ियाँ देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन को नई दिशा दे रही हैं। एक ओर वह युवा वर्ग है जिसने डिजिटल दुनिया के साथ अपना बचपन और युवावस्था देखी है, वहीं दूसरी ओर वह पीढ़ी तैयार हो रही है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक तकनीक और आभासी दुनिया के साथ आगे बढ़ेगी।



हर पीढ़ी अपने समय की परिस्थितियों से बनती है। इसलिए किसी भी नई पीढ़ी को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर परखना उचित नहीं है। समय बदलता है, चुनौतियाँ बदलती हैं और उनके समाधान खोजने के तरीके भी बदल जाते हैं। इतिहास गवाह है कि हर नई पीढ़ी ने अपने से पहले वाली पीढ़ी को कभी न कभी चिंतित किया है। जब रेडियो आया तो लोगों को बदलाव की चिंता हुई, फिर दूरदर्शन, इंटरनेट और अब आधुनिक तकनीक ने समाज के सामने नई संभावनाएँ और नई चुनौतियाँ रखी हैं।

आज की युवा पीढ़ी सूचना के विशाल संसार में जी रही है। उसके पास ज्ञान प्राप्त करने के पहले से कहीं अधिक साधन उपलब्ध हैं। वह सवाल पूछती है, तर्क करती है और किसी भी बात को स्वीकार करने से पहले उसके प्रमाण तलाशती है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है क्योंकि जागरूक नागरिक ही मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करते हैं। लेकिन इसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी है। सूचना की अधिकता के समय में गलत खबरों, भ्रम और अधूरी जानकारी से बचने के लिए विवेक और समझ का विकास आवश्यक है।

आने वाली पीढ़ी तकनीक के और करीब होगी। उसके लिए मशीनों से संवाद करना, डिजिटल माध्यमों से सीखना और नई तकनीकों का उपयोग करना सामान्य बात होगी। संभव है कि भविष्य में शिक्षा, रोजगार और जीवन जीने के तरीके आज से बहुत अलग हों। कई पुराने कार्य बदलेंगे और नए अवसर पैदा होंगे। लेकिन तकनीक के विकास के साथ मानवीय मूल्यों का महत्व कम नहीं होगा। ईमानदारी, संवेदना, सहयोग, सहनशीलता और जिम्मेदारी जैसे गुण हमेशा समाज की नींव बने रहेंगे।

भारत विश्व का सबसे युवा देश है। यह हमारे लिए अवसर भी है और चुनौती भी। करोड़ों युवाओं की ऊर्जा यदि सही दिशा में लगाई जाए तो भारत विकास की नई ऊँचाइयों को छू सकता है। लेकिन यदि युवाओं की शक्ति केवल विवाद, भ्रम और तात्कालिक प्रतिक्रियाओं तक सीमित रह गई तो यह ऊर्जा कमजोर पड़ सकती है। इसलिए युवाओं को ज्ञान, कौशल और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है।



हितेन्द्र शर्मा
(साहित्यकार एवं स्तंभकार)
गांव व डाकघर किगंल, तहसील कुमारसैन
जिला शिमला, हि.प्र. 172024

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संवाद है। विचारों में अंतर होना स्वाभाविक है, लेकिन असहमति को शत्रुता में बदल देना समाज के लिए नुकसानदायक होता है। किसी युवा की अलग राय को तुरंत गलत ठहरा देना उचित नहीं है और न ही पुरानी पीढ़ी के अनुभवों को बेकार समझना सही है। नई सोच और पुराने अनुभवों का मेल ही समाज को मजबूत बनाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

युवाओं के बीच लिव-इन संबंधों का बढ़ता चलन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारियों को समझना भी जरूरी

भारत सांस्कृतिक मूल्यों और रीति-रिवाजों का देश है। आज भी भारत कृषि प्रधान देशों की श्रेणी में आता है। यहां की लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है, जहां पर नितांत शिक्षा का अभाव है, परंतु संचार माध्यमों से एवं यहां की विकसित होती अर्थव्यवस्था व वैश्वीकरण ने लोगों को अधिकाधिक जागरूक किया है। अत्यंत खेद का विषय है की भारत लिव-इन रिलेशनशिप की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। लिव-इन रिलेशनशिप एक जोड़े द्वारा शादी किए बिना साथ रहने के निर्णय की अभिव्यक्ति है। युवा वर्ग द्वारा लिव-इन रिलेशनशिप को अब शादी के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा है, लेकिन आज भी समाज इसे गंभीरता से नहीं लेता है। आजकल युवा पीढ़ी अधिक भौतिकवादी हो गई है। लिव इन में रहने वाले भागीदारों के बीच नैतिक मूल्य एवं भावनात्मक संबंधों में कई गुना गिरावट आई है।

कोई भी साथी दूसरे साथी की जिम्मेदारी उठाने और जीवनभर उसके प्रति प्रतिबद्ध होने को तैयार नहीं होता है। किशोरावस्था में अनेक जोड़े यह मान लेते हैं कि लिव-इन संबंध उन्हें अधिक स्वतंत्रता, सुरक्षा और भावनात्मक निकटता प्रदान करेंगे। कहीं न कहीं उन्हें यह विश्वास होता है कि लगातार साथ रहने से रिश्ता और मजबूत होगा, लेकिन वैज्ञानिक शोधों के वास्तविक निष्कर्ष इस धारणा को सही नहीं ठहराते। कम उम्र में बना दांपत्य जीवन का निर्वहन चाहे उसका स्वरूप लिव-इन रिलेशनशिप ही क्यों न हो अक्सर सुरक्षा का भ्रम पैदा करता है, जबकि भीतर ही भीतर यह भावनात्मक अस्थिरता, मानसिक दबाव और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभावों को जन्म दे सकता है।

किशोरावस्था में लिव-इन रिलेशनशिप के मामले निर्विवादित रूप से व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े हुए हैं, परंतु प्राप्त अधिकार सदैव हितकर हो यह आवश्यक नहीं। न्यायालय का दरवाजा खटखटाना और अपने अधिकारों की बात करना एक अलग मुद्दा है, परंतु वास्तविकता के धरातल पर किशोरावस्था चुनौतियों से भरी हुई है। ध्यान देने योग्य तथ्य है यह कि विवाहित जीवन सदैव से ही परिपक्वता, संयम, दायित्व निर्वहन और आर्थिक सुदृढ़ता से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है और इसमें से किसी एक का भी अभाव विवाहित जीवन के मार्ग को कठिन कर देता है।



किशोरावस्था में परिपक्वता और आर्थिक सुदृढ़ता दूर की कौड़ी है। इस बात को युवा पीढ़ी जितनी जल्दी समझ ले बेहतर होगा। किशोर संबंधों में अनुभव होने वाली निकटता और हम एक-दूसरे को पूरी तरह समझते हैं, वाली धारणा अक्सर सतही होती है। अध्ययन में यह पाया गया कि वही संबंध जिनमें किशोर सुरक्षित महसूस करते हैं, वास्तव में अविश्वास, गलतफहमियों और भावनात्मक निर्भरता से भरे रहते हैं। सुरक्षित महसूस करना और वास्तव में सुरक्षित होना दोनों अलग बातें हैं।

भारत ऐसा देश नहीं है जहां राज्य बेरोजगारों और अशिक्षितों को कोई भत्ता देता हो। इसलिए, यदि आप अपने माता-पिता पर निर्भर नहीं हैं, तो आपको अपनी और अपने साथी की आजीविका स्वयं अर्जित करनी होगी और इससे स्वाभाविक रूप से स्कूल या कॉलेज जाने की संभावना समाप्त हो जाएगी। यदि आप अपनी इच्छा से कम उम्र में ही जीवन के इस संघर्ष में उतर जाते हैं, तो न केवल जीवन के अन्य अवसरों का आनंद लेने की आपकी संभावनाएं बुरी तरह प्रभावित होती हैं, बल्कि समाज में आपकी स्वीकृति भी कम हो जाती है। इसलिए युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे स्वतंत्रता और जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित करें। आधुनिक जीवनशैली और बदलते सामाजिक मूल्यों को स्वीकार करना गलत नहीं है, लेकिन किसी भी निर्णय से पहले उसके दूरगामी परिणामों पर विचार करना आवश्यक है। संबंधों में भावनाएं महत्वपूर्ण हैं, परंतु केवल भावनाओं के आधार पर जीवन के बड़े फैसले लेना हमेशा उचित नहीं हो सकता। आर्थिक आत्मनिर्भरता, शिक्षा, रोजगार और मानसिक परिपक्वता भी स्थायी जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं।



अशोक कुमार गुलेरिया
स्वतंत्र लेखक

परिवार को भी बदलते समय के साथ अपनी भूमिका पर विचार करना होगा। युवाओं के निर्णयों को केवल आलोचना या विरोध के नजरिये से देखने के बजाय उनके साथ खुलकर संवाद किया जाना चाहिए। उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाने के साथ निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में सहयोग देना जरूरी है। समाज का दायित्व भी है कि वह नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ते हुए आधुनिक चुनौतियों के प्रति जागरूक बनाए। व्यक्तिगत स्वतंत्रता तभी सार्थक है, जब उसके साथ अपने भविष्य और दूसरों के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी जुड़ी हो। आखिरकार, किसी भी संबंध की सफलता केवल साथ रहने से नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान, समझ और जिम्मेदारी से तय होती है। युवाओं को अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझना होगा। आधुनिकता का अर्थ परंपराओं को छोड़ना नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण ढंग से नए विकल्पों को स्वीकार करना है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

निया का सुनहरा फिल्मी सफर

निया वर्दालोस हॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री, पटकथा लेखिका और निर्माता हैं, जिन्होंने अपनी अलग पहचान हास्य और पारिवारिक कहानियों के माध्यम से बनाई। उनका जन्म 24 सितंबर 1962 को कनाडा के मैनिटोबा प्रांत के विनीपेग में हुआ था। ग्रीक मूल के परिवार से आने वाली निया ने अपने सांस्कृतिक अनुभवों को अपने रचनात्मक काम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया।



निया वर्दालोस
जन्म : 24 सितंबर 1962

उन्हें सबसे अधिक प्रसिद्धि फिल्म 'माई बिग फैट ग्रीक वेडिंग' से मिली, जिसकी पटकथा उन्होंने लिखी और जिसमें मुख्य भूमिका भी निभाई। फिल्म में एक ग्रीक-अमेरिकी युवती के प्रेम, परिवार और सांस्कृतिक पहचान के बीच संतुलन की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुई और निया को व्यापक अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली।

निया वर्दालोस ने अभिनय के साथ लेखन और निर्माण के क्षेत्र में भी काम किया है। उनकी रचनाओं में परिवार, संस्कृति, रिश्तों और अपनी पहचान को लेकर हास्यपूर्ण लेकिन संवेदनशील दृष्टिकोण देखने को मिलता है। मनोरंजन जगत में उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को रचनात्मक शक्ति में बदलने का उदाहरण प्रस्तुत किया है। निया वर्दालोस की रचनात्मक यात्रा की खास बात यह रही कि उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों को अपनी पहचान की सीमा नहीं बनने दिया, बल्कि उन्हें कहानी कहने की ताकत बनाया।

उनके काम में परिवार और समाज के बीच बदलते रिश्तों के साथ व्यक्तिगत पहचान की तलाश भी दिखाई देती है। हास्य के माध्यम से गंभीर सामाजिक और पारिवारिक विषयों को प्रस्तुत करना उनकी शैली की प्रमुख विशेषता रही है। उन्होंने यह दिखाया कि किसी कलाकार की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि उसकी रचनात्मकता को नया दृष्टिकोण दे सकती है। अभिनय के अलावा पटकथा लेखन और निर्माण में सक्रिय रहकर उन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि उनकी कहानियां सांस्कृतिक अंतर, पारिवारिक अपेक्षाओं और प्रेम जैसे सार्वभौमिक विषयों को सहजता से सामने लाती हैं।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

100 करोड़ से बदलेगी ससुर खदेरी नदी की तस्वीर

प्रयागराज में उपेक्षित जलस्रोत को पर्यटन केंद्र के रूप में संवारा जाएगा

एजेंसी, प्रयागराज

अतिक्रमण और गंदगी की मार झेल रही ससुर खदेरी नदी के कायाकल्प की तैयारी शुरू हो गई है। लंबे समय से उपेक्षित इस जलस्रोत को अतिक्रमण मुक्त कर पुनर्जीवित करने के साथ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। नगर निगम की इस योजना पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च करने की तैयारी है। योजना के तहत नदी और उसके आसपास के क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाएगा।



नदी के कायाकल्प के लिए सबसे पहले अतिक्रमण हटाने और नदी की खोदाई कराने पर जोर दिया जाएगा। नदी की सफाई और जलधारा को बेहतर बनाने के साथ आसपास के क्षेत्र में पौधारोपण भी किया जाएगा। इससे नदी के किनारे का वातावरण बेहतर बनाने और हरियाली बढ़ाने में मदद मिलेगी। योजना में पर्यटकों के लिए कई सुविधाएं विकसित किए जाने की बात कही गई है। नदी क्षेत्र में नौका विहार की सुविधा शुरू करने की तैयारी है। इसके अलावा लोगों के घूमने के लिए पैदल पथ, बैठने की व्यवस्था और सेल्फी प्वाइंट जैसे आकर्षण विकसित किए जाएंगे।

इससे यह स्थान स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन सकेगा। नदी के आसपास मनोरंजन और पर्यटन से जुड़ी सुविधाएं विकसित होने से क्षेत्र में गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। ससुर खदेरी नदी लंबे समय से अतिक्रमण और गंदगी की समस्या से प्रभावित रही है। ऐसे में इसके पुनर्जीवन की योजना केवल पर्यटन की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि जलस्रोत के संरक्षण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

नदी की सफाई, खोदाई और आसपास हरियाली विकसित होने से इसके प्राकृतिक स्वरूप को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। योजना के तहत नदी क्षेत्र को व्यवस्थित करने के साथ यह भी आवश्यक होगा कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न हो। इसके लिए नियमित निगरानी और साफ-सफाई की व्यवस्था बनाए रखने की जरूरत होगी।

पर्यटन के साथ पर्यावरण संरक्षण जरूरी

इसके साथ ही नदी के आसपास होने वाले विकास कार्यों में पर्यावरणीय संतुलन का ध्यान रखना भी जरूरी होगा। पर्यटन सुविधाएं विकसित करते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका असर नदी की जलधारा और प्राकृतिक वातावरण पर न पड़े। नौका विहार के लिए जल की स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा। पैदल पथ और अन्य सुविधाओं के निर्माण में भी नदी के प्राकृतिक क्षेत्र को सुरक्षित रखना आवश्यक होगा। स्थानीय लोगों की भागीदारी से सफाई और संरक्षण की व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है। नदी किनारे नियमित सफाई अभियान चलाने के साथ कचरा प्रबंधन की उचित व्यवस्था भी जरूरी होगी। इससे पर्यटकों की संख्या बढ़ने के बावजूद नदी की स्वच्छता बनी रहेगी।

आपराधिक मामला लंबित होने से पासपोर्ट पर रोक नहीं : हाई कोर्ट

खंडपीठ ने पासपोर्ट आवेदन पर कानून के अनुसार विचार करने के निर्देश दिए

एजेंसी, प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पासपोर्ट जारी करने से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मुकदमा लंबित होना मात्र पासपोर्ट जारी करने से इनकार का पर्याप्त आधार नहीं हो सकता। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट मिलना अपने आप में विदेश यात्रा की अनुमति नहीं माना जा सकता। विदेश जाने के लिए संबंधित व्यक्ति को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा।

न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला लंबित है तो केवल इसी आधार पर उसके पासपोर्ट आवेदन को रोकना उचित नहीं होगा। हालांकि, यदि पुलिस या अभियोजन एजेंसी को यह आशंका हो कि संबंधित व्यक्ति विदेश जाकर न्यायिक प्रक्रिया से बचने का प्रयास कर सकता है, तो वह उचित आदेश के लिए अदालत का रुख कर सकती है।

हाई कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पासपोर्ट किसी व्यक्ति को स्वत: दूसरे देश की सीमा में प्रवेश करने का अधिकार नहीं देता। विदेश यात्रा के लिए संबंधित देश के वीजा सहित अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करनी होती हैं। इसके अलावा, यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ न्यायालय में मामला लंबित है तो विदेश यात्रा के संबंध में अदालत आवश्यक शर्तें निर्धारित कर सकती है।

मामले में याचिकाकर्ता ने पासपोर्ट जारी करने के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष आवेदन किया था। आवेदन पर आपराधिक मुकदमा लंबित होने के कारण स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी थी। इसके बाद याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान अदालत ने पासपोर्ट आवेदन पर विचार करने के संबंध में अंतरिम आदेश जारी किया। न्यायालय की टिप्पणी का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पासपोर्ट जारी करने और विदेश यात्रा की अनुमति को अलग-अलग प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

लंबित मुकदमा अकेला आधार नहीं

इसके साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट आवेदन पर निर्णय लेते समय संबंधित अधिकारियों को कानूनी प्रावधानों और मामले की परिस्थितियों का ध्यान रखना होगा। केवल लंबित मुकदमे के आधार पर आवेदन रोकना उचित नहीं होगा।



विनीत हत्याकांड में तीनों आरोपी रिमांड पर

शालू, विशाल और राजकिशोर के बयानों का किया जाएगा मिलान

एजेंसी, कानपुर

कल्याणपुर के इंदिरा नगर में दवा कारोबारी विनीत मिनोचा हत्याकांड की जांच में पुलिस ने पूछताछ तेज कर दी है। बुधवार दोपहर 12 बजे पुलिस ने बहू शालू, नौकर विशाल और उसके साथी राजकिशोर को 24 घंटे की कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू की।



तीनों को जेल से अलग-अलग वाहनों में ले जाया गया। शालू को प्राइवेट कार से, जबकि विशाल और राजकिशोर को पुलिस जीप से पूछताछ के लिए ले जाया गया। पुलिस का मुख्य ध्यान हत्या की साजिश से जुड़े पहलुओं और घटना से पहले तथा बाद की गतिविधियों की जानकारी जुटाने पर है। जांच टीम तीनों आरोपियों से अलग-अलग पूछताछ कर उनके बयानों की पड़ताल करेगी। इसके बाद आवश्यकता के अनुसार आरोपियों को आमने-सामने बैठाकर भी सवाल किए जा सकते हैं, ताकि बयानों में किसी तरह का अंतर होने पर स्थिति स्पष्ट की जा सके। हत्याकांड की जांच में सुब्रत की भूमिका और उससे जुड़े तथ्यों को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुलिस आरोपियों का सुब्रत से आमना-सामना कराने की तैयारी कर रही है। इसका उद्देश्य घटनाक्रम से संबंधित जानकारी का मिलान करना और मामले की कड़ियों को जोड़ना है। पूछताछ के दौरान पुलिस उन परिस्थितियों के बारे में भी जानकारी जुटाएगी, जिनमें विनीत मिनोचा की हत्या हुई। रिमांड अवधि में पुलिस संभावित साक्ष्यों की तलाश पर भी ध्यान देगी। घटना से संबंधित स्थानों, आरोपियों की गतिविधियों और उनके संपर्कों से जुड़े पहलुओं की जांच की जा सकती है। पुलिस पूछताछ में सामने आए तथ्यों को उपलब्ध साक्ष्यों से मिलाकर जांच आगे बढ़ाएगी।

लखनऊ पुलिस की नई पहल, हादसों के आंकड़ों से सड़क सुरक्षा सुधार की बनेगी रणनीति

एजेंसी, लखनऊ

सड़क हादसों को केवल मुकदमे और आंकड़ों तक सीमित रखने के बजाय अब उनसे मिले तथ्यों के आधार पर सड़क सुरक्षा की कमियां दूर करने की तैयारी की गई है। लखनऊ पुलिस ने पुलिस रोड एक्सीडेंट मॉनिटरिंग एण्योरेंस एंड एनालिटिक नेटवर्क (पीआरएएमएएएन) पहल शुरू की है। इसके तहत एक जनवरी 2024 से अब तक दर्ज सड़क दुर्घटनाओं का व्यवस्थित विश्लेषण किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य हादसों के पीछे छिपे कारणों की पहचान करना है। दुर्घटनाओं से जुड़े आंकड़ों के आधार पर यह पता लगाया जाएगा कि हादसे किन स्थानों पर अधिक हो रहे हैं और उनके प्रमुख कारण क्या हैं। इसके साथ ही सड़क की स्थिति, यातायात व्यवस्था, संकेतक, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुरक्षा संबंधी कमियों का भी अध्ययन किया जाएगा।

पुलिस की ओर से एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद संबंधित विभागों को आवश्यक सुधार के सुझाव दिए जाएंगे। इसका उद्देश्य दुर्घटना संभावित स्थानों पर समय रहते सुधार कर हादसों की आशंका को कम करना है। दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान होने से सड़क निर्माण और यातायात प्रबंधन से जुड़े विभागों को भी आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलेगी। पीआरएएमएएएन के माध्यम से हादसों के आंकड़ों को व्यवस्थित तरीके से एकत्र कर उनका विश्लेषण करने पर जोर दिया जाएगा।

अतीक के बेटे अली अहमद के गैंगस्टर केस में सरकारी वकील नियुक्त

एजेंसी, प्रयागराज

अतीक अहमद के बेटे अली अहमद के खिलाफ दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में अब सरकारी स्तर पर कानूनी पैरवी की जाएगी। अली अहमद ने जिला अदालत में अपने मुकदमे की पैरवी के लिए अधिवक्ता उपलब्ध कराने की गुहार लगाई थी। इसके बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उसके लिए लीगल एड के चीफ डिफेंस काउंसिल विकास गुप्ता को नियुक्त किया गया है।

अली अहमद के मुकदमे में अधिवक्ता की नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब उसके परिवार के कई प्रमुख सदस्य अब उसके साथ नहीं हैं। अदालत में वकील के माध्यम से अपना पक्ष रखने का अधिकार प्रत्येक आरोपी को प्राप्त है। इसी के तहत अली ने भी न्यायालय से कानूनी सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने उसकी मांग पर प्रक्रिया पूरी करते हुए अधिवक्ता की नियुक्ति की है। गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज इस मुकदमे में अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी अधिवक्ता अपनी दलीलें रखेंगे, जबकि अली अहमद की ओर से नियुक्त चीफ डिफेंस काउंसिल उसका बचाव पक्ष अदालत में प्रस्तुत करेंगे।

अब मुकदमे की आगामी सुनवाई में अधिवक्ता अली की ओर से न्यायालय के समक्ष कानूनी पक्ष रखेंगे और मामले से जुड़े दस्तावेजों तथा आरोपों का अध्ययन करेंगे। कानूनी सहायता मिलने के बाद अली अहमद को अपने मुकदमे की सुनवाई में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा।



वकील की मांग पर अली अहमद को मिली कानूनी सहायता।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से अवैध निर्माण पर बढ़ा दबाव

एजेंसी, लखनऊ

- अवैध निर्माण पर विभागों की जवाबदेही तय
- निगरानी तंत्र मजबूत, अवैध निर्माण पर रोक

उत्तर प्रदेश में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। मेरठ के एक मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने अवैध निर्माण के प्रति किसी भी तरह की ढिलाई न बरतने की बात कही। प्रदेश में ढाई लाख से अधिक ध्वस्तीकरण आदेश लंबित बताए जा रहे हैं, ऐसे में अदालत की टिप्पणी के बाद इन मामलों में कार्रवाई तेज होने की उम्मीद है।

प्रदेश में अवैध निर्माण रोकने के लिए पिछले कई दशकों में न्यायालयों और सरकार की ओर से समय-समय पर अनेक आदेश और निर्देश जारी किए गए हैं। इसके बावजूद कई मामलों में कार्रवाई लंबित रहने से समस्या बनी हुई है। अवैध निर्माण बढ़ने से शहरों की नियोजित विकास व्यवस्था, यातायात, जल निकासी और सार्वजनिक भूमि पर भी असर पड़ता है। अब चुनौती पुराने आदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ नए अवैध निर्माणों को समय रहते रोकने की है। संबंधित विभागों को निगरानी और कार्रवाई की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनानी होगी।



अवैध निर्माण पर कड़ी निगरानी

इसके लिए प्रशासन को केवल ध्वस्तीकरण तक सीमित रहने के बजाय अवैध निर्माण की शुरुआत पर ही प्रभावी निगरानी करनी होगी। निर्माण की अनुमति, स्वीकृत नक्शे और मौके की स्थिति की नियमित जांच से नियमों के उल्लंघन को समय रहते पकड़ा जा सकता है। साथ ही लंबित मामलों की प्राथमिकता तय कर उनकी कानूनी स्थिति की समीक्षा जरूरी है। सार्वजनिक भूमि, सड़कों, नालों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर किए गए अतिक्रमण के मामलों में समयबद्ध कार्रवाई से नागरिक सुविधाओं पर पड़ने वाले असर को कम किया जा सकता है।

निष्पक्ष कार्रवाई से बढ़ेगा भरोसा

इसके साथ ही प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि कार्रवाई निष्पक्ष और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार हो। किसी भी निर्माण के विरुद्ध कदम उठाने से पहले संबंधित दस्तावेजों और न्यायिक स्थिति की जांच जरूरी है। इससे कार्रवाई को लेकर विवाद कम होंगे और प्रशासन की प्रक्रिया पर विश्वास बढ़ेगा। दूसरी ओर, भवन निर्माण से जुड़े नियमों और स्वीकृति प्रक्रिया की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाना भी आवश्यक है। यदि लोगों को शुरुआत से ही वैध निर्माण के लिए जरूरी नियम स्पष्ट होंगे तो अनधिकृत निर्माण की संभावना कम हो सकती है।

शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई जरूरी

इसके अलावा संबंधित विभागों की जवाबदेही तय करना भी जरूरी होगा। यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक नियमों के विपरीत निर्माण होता रहा है तो यह देखना होगा कि निगरानी व्यवस्था कहां कमजोर रही। अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट होने से भविष्य में लापरवाही पर अंकुश लगाया जा सकता है। साथ ही नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने की सरल व्यवस्था उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि किसी भी अवैध निर्माण की सूचना समय रहते संबंधित विभाग तक पहुंच सके। शिकायतों पर समयबद्ध जांच और कार्रवाई से समस्या को शुरुआती स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है। शहरों के विकास की योजनाओं में भविष्य की आबादी, यातायात, जल निकासी और सार्वजनिक सुविधाओं को ध्यान में रखना भी आवश्यक है। नियोजित विकास और सख्त निगरानी के समन्वय से अवैध निर्माण की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

ऑटो-ई-रिक्शा के रूट होंगे तय

जाम वाले मार्गों पर दबाव घटाने के लिए प्रशासन तैयार कर रहा नई व्यवस्था

एजेंसी, आगरा

शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और जाम की समस्या को कम करने के लिए ऑटो और ई-रिक्शा के संचालन में बदलाव की तैयारी की जा रही है। इनके लिए जोन प्रणाली लागू करने की योजना पर अधिकारियों के स्तर पर विचार चल रहा है। इसके तहत शहर को अलग-अलग जोन में बांटकर ऑटो और ई-रिक्शा के संचालन को व्यवस्थित करने की दिशा में काम किया जा सकता है।



प्रशासन का उद्देश्य प्रमुख मार्गों पर वाहनों का अनावश्यक दबाव कम करना और यातायात को सुचारु बनाना है। ऑटो और ई-रिक्शा की बड़ी संख्या के कारण कई प्रमुख मार्गों पर अक्सर यातायात प्रभावित होने की स्थिति सामने आती है। जोन प्रणाली लागू होने पर इनके रूट और संचालन को निर्धारित क्षेत्र के अनुसार व्यवस्थित किए जाने की संभावना है। इसके साथ ही शहर के प्रमुख मार्गों को मेट्रो फीडर रूट के रूप में संचालित करने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। इससे मेट्रो स्टेशनों तक यात्रियों की पहुंच आसान बनाने और सार्वजनिक परिवहन के विभिन्न साधनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

प्रशासन की योजना में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाना प्रस्तावित है। रूट निर्धारण करते समय प्रमुख बाजारों, आवासीय क्षेत्रों, मेट्रो स्टेशनों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ने की जरूरत होगी। जोन प्रणाली लागू करने से पहले संबंधित विभागों के बीच समन्वय और जमीनी स्थिति का आकलन महत्वपूर्ण होगा।

नई व्यवस्था से यात्रियों को सुविधा

इसके अलावा नई व्यवस्था लागू करने से पहले ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की संख्या, वर्तमान रूट और यात्रियों की आवाजाही का भी विस्तृत आकलन करना जरूरी होगा। अलग-अलग क्षेत्रों में यातायात की स्थिति को देखते हुए रूट निर्धारित किए जाने से व्यवस्था अधिक व्यावहारिक बनाई जा सकती है। प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नए नियमों से यात्रियों को अनावश्यक परेशानी न हो और उन्हें प्रमुख स्थानों तक पहुंचने के लिए पर्याप्त परिवहन सुविधा मिलती रहे। जोन प्रणाली लागू होने के बाद निर्धारित रूट से बाहर संचालन करने वाले वाहनों पर निगरानी और कार्रवाई की व्यवस्था भी जरूरी होगी। इसके लिए यातायात पुलिस और परिवहन विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। चालकों को नए रूट, नियम और निर्धारित क्षेत्रों की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा सकता है। साथ ही यात्रियों से मिलने वाले सुझावों और शिकायतों के आधार पर व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किए जा सकते हैं।

24 वर्षीय कृष्ण कुमार की संदिग्ध मौत परिवार ने हत्या की जताई आशंका

एजेंसी, कानपुर

- मां के पास सोए युवक की संदिग्ध मौत, गले पर मिले चोट के निशान

चकेरी के घाऊखेड़ा क्षेत्र में मां के पास सोए 24 वर्षीय डांसर कृष्ण कुमार उर्फ कल्लू की बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुबह जब उसकी मां गीता देवी ने उसे जगाने का प्रयास किया तो उसके शरीर में कोई हलचल नहीं मिली। परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मौत की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की। युवक के गले पर चोट के निशान मिलने की बात सामने आई है, जिसके बाद उसकी मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। परिवार ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि कृष्ण कुमार डांस का काम करता था। परिजनों के अनुसार, वह कुछ पुराने विवादों और रंजिश से जुड़े मामले में गवाह भी था। इसी वजह से परिवार को उसकी मौत के पीछे किसी साजिश की आशंका है। हालांकि, पुलिस की जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के लोगों से भी जानकारी लेने की प्रक्रिया शुरू की है। युवक रात में अपनी मां के पास सोया था और सुबह उसकी संदिग्ध हालत में मौत की खबर सामने आई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान पुलिस युवक के मोबाइल फोन, उसके संपर्क में रहे लोगों और हाल के विवादों से जुड़ी जानकारी भी जुटा सकती है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना से पहले कृष्ण कुमार किन लोगों के संपर्क में था। परिवार के आरोपों को ध्यान में रखते हुए पुलिस पुराने विवादों की भी पड़ताल कर रही है।

घटनास्थल के साक्ष्यों से खुलेगा राज

जांच में पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक की मौत से पहले घर या आसपास किसी तरह की गतिविधि हुई थी या नहीं। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित कर उनकी जांच की जा रही है। परिजनों और आसपास रहने वाले लोगों के बयान भी दर्ज किए जा सकते हैं। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि कृष्ण कुमार के साथ किसी का हाल में विवाद हुआ था या नहीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आने वाले तथ्यों का मिलान घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों से किया जाएगा।

संकट बसपा के सामने बढ़ी चुनौती, नवंबर में खत्म होगा इकलौते राज्यसभा सदस्य का कार्यकाल

25 नवंबर के बाद राज्यसभा में नहीं रहेगा बसपा का कोई सांसद

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय तक प्रभाव रखने वाली बहुजन समाज पार्टी के सामने अब राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। लोकसभा और उत्तर प्रदेश विधान परिषद में बसपा के सदस्यों की संख्या पहले ही शून्य हो चुकी है। अब राज्यसभा में भी पार्टी की उपस्थिति समाप्त होने जा रही है। बसपा के एकमात्र राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो जाएगा। इसके बाद उच्च सदन में भी पार्टी का कोई प्रतिनिधि नहीं रहेगा।

बसपा के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पार्टी की राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता बनाए रखने के लिए चुनावी प्रदर्शन और विभिन्न राज्यों में उसके मत प्रतिशत की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मौजूदा परिस्थितियों में पार्टी के सामने अपना जनाधार बनाए रखने और चुनावों में पर्याप्त मत हासिल करने की चुनौती बनी हुई है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बसपा का एक लंबा इतिहास रहा है। पार्टी प्रदेश में चार बार सरकार का नेतृत्व कर चुकी है और लंबे समय तक दलित एवं वंचित वर्गों की राजनीति के प्रमुख केंद्रों में शामिल रही है। मायावती के नेतृत्व में पार्टी ने उत्तर प्रदेश के साथ-साथ कई अन्य राज्यों में भी चुनावी प्रभाव स्थापित किया था।



लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बसपा का प्रदर्शन लंबे समय तक राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा का विषय रहा। हालांकि, पिछले कुछ चुनावों में पार्टी का चुनावी प्रतिनिधित्व लगातार सीमित हुआ है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी बसपा का कोई विधायक नहीं है। लोकसभा में भी पार्टी का खाता नहीं खुल पाया है।

विधान परिषद में भी उसका प्रतिनिधित्व समाप्त हो चुका है। ऐसे में अब राज्यसभा से एकमात्र सदस्य के कार्यकाल की समाप्ति पार्टी के संसदीय प्रतिनिधित्व को पूरी तरह शून्य कर देगी। राज्यसभा में प्रतिनिधित्व समाप्त होने के बाद बसपा के सामने अपने संगठन को मजबूत करने, मतदाताओं के बीच प्रभाव बढ़ाने और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती होगी।

बसपा के सामने आगे की चुनौती

ऐसे समय में बसपा के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता अपने संगठनात्मक ढांचे को सक्रिय और मजबूत करने की होगी। पार्टी को जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने के साथ उन सामाजिक वर्गों के बीच भी अपनी पहुंच मजबूत करनी होगी, जिनके बीच उसका पारंपरिक आधार रहा है। चुनावी राजनीति में केवल संसदीय प्रतिनिधित्व ही नहीं, बल्कि मतदाताओं के बीच लगातार संवाद और संगठन की सक्रिय उपस्थिति भी महत्वपूर्ण होती है। राज्यसभा में प्रतिनिधित्व समाप्त होने के बाद बसपा के पास संसद के दोनों सदनों में कोई सदस्य नहीं रहेगा। इससे राष्ट्रीय राजनीति में पार्टी की प्रत्यक्ष संसदीय आवाज प्रभावित होगी। हालांकि, चुनावी राजनीति में दलों की स्थिति समय के साथ बदलती रहती है। आगामी चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन उसके राजनीतिक प्रभाव और भविष्य की दिशा को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में बसपा के सामने अपने पुराने जनाधार को बनाए रखने के साथ नए मतदाताओं तक पहुंच बनाने और संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने की चुनौती रहेगी।

स्मृति ईरानी को हरियाणा की कमान, टीवी से सियासत तक का सफर फिर चर्चा में

भाजपा ने संगठनात्मक बदलाव करते हुए स्मृति ईरानी को हरियाणा का नया प्रभारी नियुक्त किया

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए हैं। इसी क्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की प्रमुख नेताओं में शामिल स्मृति ईरानी को हरियाणा भाजपा का नया प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ डॉ. भोला सिंह को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी की ओर से जारी नई सूची में 28 राज्यों और 9 केंद्र शासित प्रदेशों के लिए संगठनात्मक जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

स्मृति ईरानी को हरियाणा की जिम्मेदारी ऐसे समय मिली है, जब राज्य में भाजपा का संगठन लगातार राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय है। नए प्रभारी के तौर पर उनकी भूमिका में प्रदेश संगठन के साथ समन्वय, कार्यकर्ताओं से संवाद और पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने जैसे विषय महत्वपूर्ण रहेंगे। वहीं, सह-प्रभारी डॉ. भोला सिंह के साथ मिलकर प्रदेश में पार्टी के कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी उनके सामने होगी।



स्मृति ईरानी का सार्वजनिक जीवन का सफर राजनीति में आने से पहले मनोरंजन जगत से जुड़ा रहा है। उन्होंने मॉडलिंग के क्षेत्र में काम किया और इसके बाद टेलीविजन की दुनिया में अपनी पहचान बनाई। लोकप्रिय धारावाहिकों में अभिनय के माध्यम से उन्हें देशभर में पहचान मिली।

खास तौर पर टेलीविजन धारावाहिकों ने उन्हें घर-घर तक पहुंचाया। मनोरंजन जगत में पहचान बनाने के बाद स्मृति ईरानी ने राजनीति की ओर रुख किया। भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने के बाद उन्होंने संगठन और चुनावी राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। धीरे-धीरे वह पार्टी के प्रमुख चेहरों में शामिल हुईं और राष्ट्रीय स्तर पर उनकी राजनीतिक पहचान मजबूत हुई। स्मृति ईरानी केंद्र सरकार में मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं। संसद में उनके भाषण और राजनीतिक गतिविधियां लंबे समय तक चर्चा में रही हैं।

उन्होंने केंद्र में विभिन्न मंत्रालयों की जिम्मेदारी निभाई और सरकार के कामकाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाई। अब हरियाणा भाजपा की प्रभारी के तौर पर उनकी नई भूमिका प्रदेश संगठन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उनके साथ डॉ. भोला सिंह की नियुक्ति से प्रदेश भाजपा में संगठनात्मक स्तर पर दोनों नेताओं के बीच समन्वय की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। आने वाले समय में पार्टी की प्रदेश इकाई के साथ उनका संवाद और संगठनात्मक कार्यक्रमों में उनकी सक्रियता इस नई जिम्मेदारी की दिशा तय करेगी।

नारनौल में आवास फाइनेंस कंपनी से 9 .34 लाख की धोखाधड़ी

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

हरियाणा के नारनौल में आवास फाइनेंस कंपनी से 9 लाख 34 हजार 714 रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। नारनौल शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक दंपती और बैंक की संबंधित शाखा के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामला लोन से जुड़े चेक को लेकर हुए विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, आवास फाइनेंस कंपनी की ओर से लोन से संबंधित लेन-देन किया गया था। इसी दौरान चेक को लेकर विवाद सामने आया। कंपनी की ओर से आरोप लगाया गया कि उसके साथ 9,34,714 रुपये की धोखाधड़ी हुई है। शिकायत में दंपती के साथ बैंक शाखा को भी मामले में पक्ष बनाया गया है। कंपनी ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को देते हुए कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर नारनौल शहर थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब लोन से जुड़े दस्तावेज, चेक, बैंक रिकॉर्ड और लेन-देन से संबंधित अन्य कागजात की जांच करेगी। इसके साथ ही बैंक शाखा से भी संबंधित रिकॉर्ड जुटाए जा सकते हैं, ताकि पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि कथित धोखाधड़ी किस प्रकार हुई और इसमें किन लोगों की भूमिका रही। फिलहाल पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। आरोपियों से पूछताछ और बैंक रिकॉर्ड की जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान पुलिस यह भी पता लगाएगी कि चेक का इस्तेमाल किस प्रकार किया गया और लेन-देन की प्रक्रिया में कोई अनियमितता हुई या नहीं। मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

फतेहाबाद में जेबीटी शिक्षक की संदिग्ध मौत, होटल में दोस्तों से हुआ था विवाद

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। सिरसा रोड स्थित एक निजी होटल में सोमवार देर रात पार्टी के दौरान दोस्तों के बीच हुए विवाद के बाद 48 वर्षीय जेबीटी शिक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव खैरी निवासी प्रहलाद सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर दोस्तों में कहासुनी हो गई और देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। इसी दौरान प्रहलाद सिंह बेहोश होकर फर्श पर गिर पड़े। घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। होटल में हुए विवाद की घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। पुलिस ने मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

कुश्ती छोड़ी, खेत में बहाया पसीना, अब शूटिंग में हिमांशु ने जीते दो पदक

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। जींद के हिमांशु ने एशियन गेम्स में शूटिंग के 10 मीटर वर्ग में दो पदक जीतकर देश और हरियाणा का नाम रोशन किया है। उनकी खेल यात्रा संघर्ष और मेहनत की मिसाल है। हिमांशु ने वर्ष 2018 में कुश्ती से खेल की शुरुआत की थी। कोरोना काल के दौरान पिता ने उन्हें खेत के काम में लगा दिया। करीब छह महीने तक खेतों में मेहनत करने के बाद उन्होंने दोबारा खेलों में लौटने का फैसला किया। इसके बाद कोच की सलाह पर उन्होंने कुश्ती छोड़कर एयर राइफल शूटिंग को अपना लिया। लगातार अभ्यास और मेहनत के बल पर हिमांशु ने शूटिंग में अपनी पहचान बनाई। जापान में चल रहे एशियन गेम्स में दो पदक जीतकर उन्होंने साबित किया कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन हों, लगन और मेहनत से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सिक्योरिटी चेक बैंक ने लौटाया, पूर्व पार्टनर पर जालसाजी का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत के खरखौदा में 20 लाख रुपये की उधारी के विवाद में कोर्ट के आदेश पर पूर्व कारोबारी पार्टनर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता अजय कुमार के अनुसार, आरोपी वेद प्रकाश से वर्ष 2010 से कारोबारी संबंध थे। जनवरी 2013 में वेद प्रकाश ने व्यक्तिगत जरूरत के लिए 20 लाख रुपये मांगे। आपसी विश्वास के चलते अजय ने गवाहों की मौजूदगी में उसे नकद रकम दी। इसके बदले आरोपी ने सुरक्षा के तौर पर चेक दिया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बाद में चेक बैंक में प्रस्तुत करने पर उसे नॉन-सीटीएस होने के कारण स्वीकार नहीं किया गया। रकम वापस नहीं मिलने पर अजय ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर कोर्ट का रुख किया। कोर्ट के निर्देश पर थाना खरखौदा पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दस्तावेजों और बैंक रिकॉर्ड की जांच करेगी।

नूंह में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार परिवार को रौंदा

भारतेन्दु संवाददाता, नूंह। हरियाणा के नूंह में रात करीब 11 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में युवक और उसके तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मृतकों के शव सड़क पर बिखर गए। हादसे की पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार बताया जा रहा है।

सावंत गांव में बाइक की टक्कर से व्यक्ति घायल, अस्पताल में तोड़ा दम

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

करनाल जिले के सावंत गांव में बाइक सीखने के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। बाइक का संतुलन बिगड़ने से घर के बाहर बैठे सतपाल नामक व्यक्ति को टक्कर लग गई। हादसा इतना गंभीर था कि टक्कर के बाद सतपाल का सिर दीवार से जा टकराया और बाइक का अगला टायर उनकी गर्दन पर चढ़ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायल सतपाल को संभाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें करनाल के अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है और परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि बाइक एक लड़की

संतुलन बिगड़ा और घर के बाहर बैठे व्यक्ति को टक्कर



चला रही थी और वह बाइक चलाना सीख रही थी।

इसी दौरान अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया। बाइक अनियंत्रित होकर घर के बाहर बैठे सतपाल से जा टकराई। टक्कर के कारण वह संभल नहीं सके और उनका सिर दीवार से टकरा गया। इसके बाद बाइक का अगला पहिया उनकी गर्दन के ऊपर से निकल गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।

यमुनानगर में मकान से लाखों के जेवर और 30 हजार कैश चोरी

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर के पुराना हमीदा स्थित आनंद कॉलोनी में रात के समय चोरों ने एक मकान को निशाना बनाया। चोर मकान की ऊपरी मंजिल का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुए और कमरे में रखी लोहे की पेटी का कब्जा तोड़ दिया। पेटी में रखे करीब 30 हजार रुपये नकद तथा सोने-चांदी के लाखों रुपये कीमत के आभूषण चोरी कर लिए। इसी दौरान परिवार के सदस्यों को चोरों की आहट महसूस हुई और वे जाग गए। परिवार के जागने का पता चलते ही चोर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

कुरुक्षेत्र में किसान आंदोलन पर पुलिस सख्त गुरनाम चढ़ूनी समेत कई नेता हिरासत में

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के शाहाबाद में धान खरीद को लेकर किसानों और पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया है। मंगलवार को किसानों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 44 को जाम किए जाने के बाद पुलिस ने बुधवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। किसानों की ओर से दोबारा महापंचायत का ऐलान किए जाने के बाद पुलिस प्रशासन ने कई किसान नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया है।

जानकारी के अनुसार, भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी के धरना स्थल पर देर रात किसान महापंचायत बुलाने का संदेश जारी किया गया। इसके बाद पुलिस ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किसान नेताओं के घरों पर पहुंचकर उन्हें हिरासत में लेना शुरू कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई के



बाद किसान संगठनों में भी हलचल बढ़ गई है।

बताया गया है कि शहीद भगत सिंह किसान यूनियन के पदाधिकारी संजीव आलमपुर को पुलिस ने उनके घर से हिरासत में लिया। इसके अलावा गांव किरमिच से संजू नंबरदार को भी देर रात करीब एक बजे डिटेन किए जाने की जानकारी सामने आई है। वहीं गांव लोहार माजरा से किसान नेता प्रिंस वड़ैच को सुबह करीब तीन बजे हिरासत में लिया गया। इससे पहले शाहाबाद में धान खरीद को लेकर किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-44 को जाम कर दिया गया था।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कार्रवाई की और आंसू गैस के गोले छोड़े जाने की बात भी सामने आई है। इसके बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी रही। किसान संगठनों की ओर से धान खरीद से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार विरोध जताया जा रहा है। किसानों का आंदोलन आगे किस दिशा में जाएगा, यह महापंचायत और प्रशासन के बीच होने वाली बातचीत पर निर्भर करेगा।

28 से 30 सितंबर तक बैंक हड़ताल लगातार पांच दिन प्रभावित रहेगा कामकाज

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

हरियाणा में सितंबर के अंत में बैंकिंग सेवाएं लगातार पांच दिनों तक प्रभावित रह सकती हैं। बैंक यूनियनों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया है। इसके साथ ही 26 और 27 सितंबर को शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी होने के कारण बैंक लगातार पांच दिनों तक बंद रहेंगे।

बैंकों के बंद रहने से नकद निकासी, चेक जमा करने, बैंक शाखा से जुड़े अन्य कार्यों के लिए ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, एटीएम, मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहने की संभावना है। ग्राहकों को सलाह दी जा रही है कि वे बैंक शाखा से जुड़े जरूरी काम पहले ही निपटा लें। आल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक आफिसर एसोसिएशन के मंडल सचिव नरोत्तम कुमार के अनुसार, बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों की ओर से अपनी



बैंक यूनियनों की तीन दिवसीय हड़ताल से पांच दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

मांगों को लेकर पहले भी विरोध दर्ज कराया गया था।

11 सितंबर को सांकेतिक हड़ताल की गई थी। इस दौरान बैंक यूनियनों ने अपनी प्रमुख मांगों को सामने रखा था, लेकिन उनका कहना है कि अब तक इन मांगों पर अपेक्षित स्तर पर विचार नहीं किया गया है। यूनियनों का कहना है कि मांगों को लेकर सरकार और संबंधित पक्षों के समक्ष लगातार अपनी बात रखी गई है। इसके बावजूद समाधान नहीं निकलने के कारण तीन दिन की हड़ताल का निर्णय लिया गया है। 28, 29 और 30 सितंबर को बैंक कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने से शाखाओं में नियमित कामकाज प्रभावित रहेगा। लगातार पांच दिनों तक बैंक शाखाएं बंद रहने के कारण जिन लोगों को नकद लेनदेन, बैंक ड्राफ्ट, चेक संबंधी कार्य या अन्य शाखा सेवाओं की आवश्यकता है, उन्हें पहले से तैयारी करनी होगी।

विशेष रूप से महीने के अंत में वेतन, बिल भुगतान और अन्य वित्तीय लेनदेन से जुड़े काम प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के उपलब्ध रहने से ऑनलाइन लेनदेन करने वाले ग्राहकों को अपेक्षाकृत सुविधा मिल सकती है। एटीएम के माध्यम से नकद निकासी भी जारी रहने की संभावना है, लेकिन लगातार छुट्टियों और हड़ताल के कारण कुछ स्थानों पर नकदी की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। बैंक अधिकारियों और यूनियनों के बीच मांगों को लेकर स्थिति में यदि कोई बदलाव होता है तो हड़ताल के कार्यक्रम पर भी असर पड़ सकता है।

साढ़े तीन साल का जेरी लापता मालिक ने रखा 25 हजार इनाम

भारतेन्दु संवाददाता, डबवाली

हरियाणा के सिरसा जिले के उपनगर डबवाली में साढ़े तीन साल का पग नस्ल का पालतू डॉग 'जेरी' अचानक गायब हो गया। जेरी के लापता होने के बाद उसके मालिक राजीव बांसल रिंकू ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने जेरी की सूचना देने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। इस मामले से जुड़ी सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसे सोशल मीडिया पर साझा किया गया है।

राजीव बांसल डबवाली में रीगल रेस्टोरेंट चलाते हैं। उन्होंने बताया कि जेरी उनके परिवार का हिस्सा है और लंबे समय से उनके साथ रह रहा था। उसके अचानक गायब होने से परिवार परेशान है। परिवार के लोग आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश कर रहे हैं और लोगों से भी जेरी के बारे में जानकारी देने की अपील की गई है। मालिक की ओर से साझा की गई सीसीटीवी फुटेज में दो लोग इलेक्ट्रिक स्कूटी पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। फुटेज के अनुसार,



उनके साथ जेरी भी नजर आ रहा है। इसी आधार पर आशंका जताई जा रही है कि दोनों लोग जेरी को अपने साथ ले गए। हालांकि, पूरे मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

मालिक ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को जेरी दिखाई दे या उसके बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत परिवार से संपर्क किया जाए। उन्होंने कहा कि जेरी की सुरक्षित वापसी उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए सूचना देने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये की इनामी राशि दी जाएगी। जेरी के लापता होने की खबर के बाद स्थानीय स्तर पर भी उसकी तलाश की जा रही है। परिवार को उम्मीद है कि सीसीटीवी फुटेज और लोगों की मदद से जेरी का जल्द पता चल सकेगा।

संत रामपाल की धर्मगुरुओं को खुली चुनौती ज्ञान गलत साबित करने पर मिलेंगे 50 लाख रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

करोंथा आश्रम के संचालक संत रामपाल ने विभिन्न धर्मगुरुओं को शास्त्रार्थ के लिए खुली चुनौती दी है। उनके समर्थकों की ओर से प्रसारित जानकारी के अनुसार, संत रामपाल ने कहा है कि वेद, श्रीमद्भगवद्गीता और अन्य प्रमाणित धार्मिक ग्रंथों के आधार पर उनके द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे ज्ञान को यदि कोई धर्मगुरु गलत साबित कर देता है, तो उसे 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

बताया गया है कि इस प्रस्तावित शास्त्रार्थ में धार्मिक ग्रंथों में वर्णित विभिन्न विषयों पर प्रमाणों के आधार पर चर्चा की जाएगी। संत रामपाल की ओर से देश के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े धर्मगुरुओं और धार्मिक विद्वानों को इसमें शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है। चुनौती का मुख्य आधार शास्त्रों में दिए गए प्रमाण और उनकी व्याख्या को बताया गया है। संत रामपाल से जुड़े आधिकारिक प्रचार माध्यमों में कहा गया है कि उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञान का आधार वेद और



संत रामपाल ने धर्मगुरुओं को शास्त्रार्थ की खुली चुनौती दी।

श्रीमद्भगवद्गीता सहित अन्य धार्मिक ग्रंथ हैं। उनका कहना है कि शास्त्रार्थ में किसी भी विषय पर चर्चा प्रमाणों के साथ की जाएगी, ताकि धार्मिक मान्यताओं और ग्रंथों में दिए गए संदर्भों को सामने रखकर विचार-विमर्श हो सके।

जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित शास्त्रार्थ कार्यक्रम का प्रसारण 3 और 4 अक्टूबर को साधना टीवी पर किए जाने की बात कही गई है। कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक विषयों पर चर्चा और शास्त्रों के प्रमाण प्रस्तुत किए जाने की संभावना है। संत रामपाल की इस चुनौती को लेकर उनके समर्थकों की ओर से प्रचार किया जा रहा है। हालांकि, शास्त्रार्थ में कौन-कौन से धर्मगुरु या विद्वान शामिल होंगे, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। चुनौती में धार्मिक ग्रंथों के प्रमाणों के आधार पर संत रामपाल के ज्ञान को गलत साबित करने की स्थिति में 50 लाख रुपये के पुरस्कार की बात कही गई है।

इस चुनौती को लेकर धार्मिक जगत में चर्चा की संभावना है। शास्त्रार्थ के दौरान प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणों और विभिन्न धर्मगुरुओं की प्रतिक्रियाओं से कार्यक्रम की दिशा स्पष्ट होगी। साथ ही, आयोजन से जुड़ी अन्य जानकारियां सामने आने की प्रतीक्षा है।

अंकुश पंघाल ने एशियन गेम्स में जीत से किया आगाज, राउंड ऑफ 16 में बनाई जगह

एशियन गेम्स में अंकुश पंघाल का शानदार आगाज, बहरीन के मुक्केबाज को 5-0 से हराया

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

गांव भेरियां के मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने एशियन गेम्स में शानदार जीत के साथ अपने अभियान का आगाज किया है। पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में अंकुश ने बहरीन के मुक्केबाज हम्सा वोगेल को 5-0 से हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। मुकाबले में अंकुश ने शुरुआत से ही संयम के साथ खेलते हुए धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की और प्रभावी पंचों के दम पर मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली।

एशियन गेम्स में उतरने से पहले अंकुश पंघाल ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी क्षमता का परिचय दिया था। अब एशियाई स्तर की इस बड़ी प्रतियोगिता में भी उन्होंने जीत के साथ शुरुआत की है। बहरीन के हम्सा वोगेल के खिलाफ मुकाबले में अंकुश को पांचों जजों ने विजेता माना। इस जीत के साथ उन्होंने अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। अंकुश ने मुकाबले की शुरुआत संभलकर की। उन्होंने पहले राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी की रणनीति को समझते हुए मौके का इंतजार किया और इसके बाद प्रभावी पंच लगाए। उनके पंचों की सटीकता और संयमित खेल का असर यह रहा कि पांचों जजों ने पहला राउंड अंकुश के



पक्ष में दिया। वोगेल ने भी जवाबी हमलों की कोशिश की, लेकिन अंकुश ने दूरी बनाए रखते हुए अपने पंचों से बढ़त कायम रखी।

दूसरे राउंड में बहरीन के मुक्केबाज ने आक्रामक शुरुआत करने का प्रयास किया। उन्होंने अंकुश पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने मजबूत पंचों के संयोजन से इसका जवाब दिया। अंकुश ने रिंग में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी और लगातार प्रभावी प्रहार करते हुए मुकाबले की दिशा अपने पक्ष में रखी। दूसरे राउंड में भी सभी पांचों जजों ने अंकुश को 5-0 से आगे रखा। मुकाबले के आगे बढ़ने के साथ अंकुश के आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी दिखाई दी। उन्होंने तीसरे राउंड में अपने खेल को और व्यवस्थित किया तथा अनावश्यक जोखिम लेने से बचते हुए सटीक पंच लगाए। हम्सा वोगेल ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अंकुश ने अपने बचाव और आक्रमण के बीच बेहतर संतुलन बनाए रखा।

तीनों राउंड में लगातार बेहतर प्रदर्शन का परिणाम यह रहा कि मुकाबले का फैसला अंकुश के पक्ष में 5-0 से आया। पांचों जजों की सर्वसम्मत राय ने उन्हें राउंड ऑफ 16 में पहुंचा दिया। अंकुश पंघाल की उपलब्धियों की खास बात यह है कि उन्होंने कम उम्र में ही मुक्केबाजी में अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी थी। वह 14 वर्ष की उम्र में स्कूली नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। इसके बाद लगातार मेहनत और प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाई। अंकुश के खेल सफर में सैन्य सेवा से जुड़ा अनुभव भी रहा है। वह हवलदार के पद पर भी रहे हैं। खेल और अनुशासन के इस अनुभव ने उनके करियर को अलग पहचान दी है। मुक्केबाजी में लगातार आगे बढ़ते हुए उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक हासिल किया और अब एशियन गेम्स में भी जीत से शुरुआत की है।

गांव भेरियां से निकलकर एशियन गेम्स जैसे बड़े मंच तक पहुंचने वाले अंकुश की इस जीत से उनके क्षेत्र में भी खुशी का माहौल है। अब उनकी नजर राउंड ऑफ 16 के मुकाबले पर है, जहां वह अपने अभियान को आगे बढ़ाने के लिए रिंग में उतरेंगे। एशियन गेम्स में शुरुआती जीत ने उन्हें अगले दौर के लिए आत्मविश्वास जरूर दिया है। अंकुश की इस उपलब्धि से गांव भेरियां सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अब सभी की नजर राउंड ऑफ 16 के मुकाबले पर है। शुरुआती जीत के बाद अंकुश आत्मविश्वास के साथ अगले मुकाबले में उतरेंगे और एशियन गेम्स में अपने अभियान को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

दो हजार से अधिक यूपीआई भुगतान पर पांच रुपए शुल्क, पेट्रोल पंप संचालकों ने जताया कड़ा विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी

हरियाणा में पेट्रोल पंपों पर दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआइ भुगतान पर प्रस्तावित पांच रुपये के लेन-देन शुल्क को लेकर पेट्रोलियम डीलरों ने विरोध जताया है। आल हरियाणा पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र भेजकर पेट्रोल पंपों को इस शुल्क के दायरे से पूरी तरह बाहर रखने की मांग की है। पत्र की एक प्रति पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को भी भेजी गई है। एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन गोयल ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर पेट्रोल पंप संचालकों को पहले से ही सीमित कमीशन मिलता है।

ऐसे में दो हजार रुपये से अधिक के प्रत्येक यूपीआइ भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जाता है तो इससे कारोबार का खर्च बढ़ेगा। डीलरों का कहना है कि पेट्रोल पंपों पर ग्राहक बड़ी संख्या में डिजिटल माध्यम से भुगतान कर रहे हैं। इसलिए यूपीआइ पर किसी तरह का अतिरिक्त शुल्क लगाने से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के प्रयासों पर भी असर पड़ सकता है। एसोसिएशन ने सरकार से इस प्रस्ताव पर दोबारा विचार करने और पेट्रोल पंपों को शुल्क से छूट देने का आग्रह किया है। डीलरों के अनुसार, बड़े शहरों की तुलना में ग्रामीण और कम बिक्री वाले पेट्रोल पंपों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ सकता है। छोटे पंपों पर बिक्री का स्तर सीमित रहता है और संचालन से जुड़े खर्च पहले ही काफी होते हैं। ऐसे में प्रत्येक बड़े यूपीआइ लेन-



देन पर पांच रुपये का शुल्क उनके लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन सकता है। डीलरों ने कहा कि वे डिजिटल भुगतान व्यवस्था के विरोध में नहीं हैं। उनका उद्देश्य ग्राहकों को सुविधा देना और भुगतान प्रक्रिया को आसान बनाए रखना है।

पेट्रोल पंपों पर नकदी के बजाय यूपीआइ से भुगतान करने वाले ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शुल्क लागू होने से ग्राहकों और पंप संचालकों, दोनों पर इसका असर पड़ने की आशंका जताई गई है। एसोसिएशन ने वित्त मंत्रालय से मामले पर सकारात्मक विचार करने की मांग करते हुए कहा कि पेट्रोल पंपों को आवश्यक सेवाओं से जुड़े कारोबार के रूप में देखते हुए यूपीआइ भुगतान शुल्क से राहत दी जानी चाहिए। अब डीलरों को सरकार के निर्णय का इंतजार है। डीलरों ने कहा कि शुल्क लागू होने पर ग्राहक नकद भुगतान की ओर लौट सकते हैं, जिससे डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के प्रयास प्रभावित होंगे।

29 नवंबर को दिल्ली में होगा राष्ट्रवंदनम

रोहिणी में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों के साथ युवा और प्रबुद्ध नागरिक भी होंगे शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष का समापन समारोह 29 नवंबर को दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-23 स्थित मैदान में 'राष्ट्रवंदनम' कार्यक्रम के साथ होगा। संघ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब सवा दो लाख स्वयंसेवकों के पूर्ण गणवेश में शामिल होने की तैयारी है। इसके अलावा करीब 75 हजार प्रबुद्ध नागरिकों और युवाओं के भी कार्यक्रम में सहभागी होने की जानकारी सामने आई है।

कार्यक्रम में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत स्वयंसेवकों और उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार, शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर होने वाला यह आयोजन संगठन की 100 वर्ष की यात्रा और आगे की दिशा से जुड़े विषयों पर केंद्रित रहेगा। हाल की रिपोर्टों में भी दिल्ली में 29 नवंबर को होने वाले समापन कार्यक्रम में भागवत के संबोधन की पुष्टि की गई है।



1925 में नागपुर से हुई थी शुरुआत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में महाराष्ट्र के नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। वर्ष 2025 में विजयादशमी के अवसर से संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की शुरुआत हुई थी। इसके बाद पूरे वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों के साथ विदेशों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अब दिल्ली में होने वाला 'राष्ट्रवंदनम' कार्यक्रम इस शताब्दी वर्ष के समापन के तौर पर आयोजित किया जा रहा है।

आयोजन को लेकर संघ के राष्ट्रीय और दिल्ली प्रांत के पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। कार्यक्रम में शामिल होने वाले स्वयंसेवकों के पंजीयन के लिए एक एप जारी किया गया है। पंजीयन के बाद स्वयंसेवकों को क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा। आयोजन स्थल में प्रवेश के दौरान इसी क्यूआर कोड का उपयोग किया जाएगा। स्वयंसेवकों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने वाली बसों के लिए भी अलग-अलग रंगों के आधार पर व्यवस्था करने की तैयारी है।

कार्यक्रम में केवल संघ के स्वयंसेवकों को ही शामिल नहीं किया जाएगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्ध लोगों और युवाओं को भी आमंत्रित किया जा रहा है। इनमें उद्यमी, व्यापारी, चिकित्सक, जनप्रतिनिधि, धर्म और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग तथा आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी शामिल हैं। कक्षा 12वीं से ऊपर के छात्रों को भी आयोजन में आमंत्रित किए जाने की बात सामने आई है। संघ की ओर से शताब्दी वर्ष के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में सम्मेलन, सभाएं, गोष्ठियां और संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। संगठन ने अपने शताब्दी वर्ष में सामाजिक समरसता, परिवार व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण, स्वावलंबन और नागरिक दायित्व जैसे विषयों को प्रमुखता दी है।

यमुना में गंदे पानी पर रोक, 1090 करोड़ से एसटीपी होंगे मजबूत

एजेंसी, नई दिल्ली

यमुना में गंदे पानी का प्रवाह रोकने के लिए दिल्ली में सीवेज उपचार व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। इसके तहत नए सीवेज उपचार संयंत्र स्थापित करने के साथ पुराने संयंत्रों को भी उन्नत किया जाएगा। इन परियोजनाओं पर करीब 1090 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक कर जलापूर्ति और यमुना सफाई से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि करीब 2012 करोड़ रुपये की लागत से 114 अनधिकृत कॉलोनियों में सीवर नेटवर्क का काम पूरा हो चुका है। इन क्षेत्रों में 1,28,633 घरों को घरेलू सीवर कनेक्शन भी उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं, 276 अनधिकृत कॉलोनियों में सीवर नेटवर्क बिछाने का काम अभी चल रहा है।



अधिकारियों के अनुसार, 647 अनधिकृत कॉलोनियों में करीब 5,44,680 घरों को घरेलू सीवर कनेक्शन देने की प्रक्रिया जारी है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक घरों को सीवर व्यवस्था से जोड़कर गंदे पानी के अनियंत्रित बहाव को रोकना है।

उपराज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में अभी सीवर नेटवर्क उपलब्ध नहीं है, वहां सेप्टेज सफाई मशीनों की पर्याप्त तैनाती की जाए। इन मशीनों के माध्यम से सीवर टैंक और अन्य स्थानों से निकलने वाले गंदे पानी को निर्धारित सीवेज उपचार संयंत्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में यमुना की सफाई के लिए सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने और पुराने संयंत्रों को उन्नत करने पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि सीवेज उपचार की क्षमता बढ़ने से बिना उपचारित गंदे पानी को यमुना में जाने से रोकने में मदद मिलेगी।

58 करोड़ की परियोजनाओं से नजफगढ़ में सुधरेंगी सुविधाएं

एजेंसी, नई दिल्ली

नजफगढ़ विधानसभा क्षेत्र की अनियोजित कॉलोनियों में बदहाल सड़कों, जलभराव और सीवेज की समस्या से राहत देने के लिए दिल्ली सरकार ने 58 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 17 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नजफगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में इन परियोजनाओं की शुरुआत की। इस दौरान लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा, विधायक नीलम कृष्ण पहलवान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित दिल्ली का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब विकास कार्य अनियोजित कॉलोनियों तक भी पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि लंबे समय से लंबित सर्किल रेट के पुनरीक्षण का काम पूरा कर लिया गया है और इसे जल्द लागू किया जाएगा। साथ ही मास्टर प्लान को आगे बढ़ाते हुए गरीबों और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर विकास के नए अवसर तैयार करने पर जोर दिया गया।

शिलान्यास की गई परियोजनाओं में ईस्ट कृष्णा विहार के भाग-1 से भाग-6 और शिव विहार में सड़कों व नालियों का पुनर्निर्माण प्रमुख है। इसके अलावा नजफगढ़ एक्सटेंशन, दीपक विहार, डाबर एन्क्लेव, सैनिक एन्क्लेव-3, चिनार एन्क्लेव और विनोबा एन्क्लेव समेत छह अन्य अनियोजित कॉलोनियों में भी बुनियादी ढांचे से जुड़े 10 प्रोजेक्ट पहले से निर्माणाधीन हैं, जिनकी लागत 33 करोड़ रुपये से अधिक है।

जलभराव और सीवेज की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नजफगढ़ क्षेत्र में 12 विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्र स्थापित करने की योजना है। इनकी कुल क्षमता 46.5 एमजीडी होगी। सरकार के अनुसार, लगभग 860 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं से क्षेत्र की कई अनधिकृत कॉलोनियों और गांवों में सीवेज प्रबंधन व्यवस्था मजबूत होगी।

इन संयंत्रों के माध्यम से बिना उपचारित सीवेज को नालों में जाने से रोकने में मदद मिलेगी। परियोजनाओं में मित्राऊं, कैर, कांगनहेड़ी, ककरोला, दिचाऊं कलां, गालिबपुर, सारंगपुर, शिकारपुर, हसनपुर, जाफरपुर, काजीपुर और खेड़ा डाबर क्षेत्र शामिल हैं।

सरकार की ओर से नजफगढ़ क्षेत्र में सड़क, जल निकासी और सीवेज व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य अनियोजित कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना और स्थानीय लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

नारायणा में बाइक चोरी के बाद चोर ने मांगी फिरौती

एजेंसी, नई दिल्ली । नारायणा इलाके में घर के बाहर खड़ी केटीएम बाइक चोरी होने के बाद पीड़ित को अज्ञात व्यक्ति ने वाट्सऐप पर संदेश भेजकर बाइक लौटाने के बदले 10 हजार रुपये की मांग की। आरोपी ने खुद को बाइक चोर बताते हुए पीड़ित से संपर्क किया और रकम देने पर बाइक वापस करने का दावा किया। पीड़ित के अनुसार, संदेश भेजने वाले ने पहले पांच हजार रुपये देने को कहा। उसने दावा किया कि अग्रिम रकम मिलते ही वह बाइक का वीडियो और उसकी लोकेशन भेज देगा। रकम भेजने के लिए आरोपी ने कमल नाम के व्यक्ति से जुड़ा क्यूआर कोड भी पीड़ित को भेजा। बाइक चोरी की घटना के बाद इस तरह संदेश मिलने पर पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वाट्सऐप पर संदेश भेजने वाला व्यक्ति वास्तव में बाइक चोरी में शामिल है या फिर चोरी की प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी का फायदा उठाकर पीड़ित को ठगी का शिकार बनाने की कोशिश कर रहा है। पुलिस अब संदेश भेजने वाले नंबर, क्यूआर कोड और उससे जुड़े व्यक्ति की जानकारी जुटा रही है।

एसआइआर में तीन लाख से ज्यादा नाम जोड़ने के आवेदन

नाम हटाने और विवरण सुधारने के लिए भी हजारों आवेदन निर्वाचन विभाग को मिले

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटवाने और विवरण में बदलाव के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) की 22 सितंबर की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, 31 अगस्त से 21 सितंबर के बीच राजधानी के 13 जिलों में फार्म-6 के 99,439 आवेदन मिले हैं। 30 अगस्त तक प्राप्त 2,12,400 आवेदनों को मिलाकर अब तक फार्म-6 की कुल संख्या 3,11,839 हो गई है।

फार्म-6 का इस्तेमाल मतदाता सूची में नया नाम शामिल कराने के लिए किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फार्म-7 के 1,555 आवेदन मिले। पहले प्राप्त 51,471 आवेदनों को मिलाकर फार्म-7 की कुल संख्या अब 53,026 हो गई है।

इसी तरह मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य विवरण में संशोधन के लिए फार्म-8 के 36,276 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। पहले से मिले 2,60,768 आवेदनों को जोड़ने पर फार्म-8 की कुल संख्या 2,97,044 हो गई है।



विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों से संबंधित फार्म-6ए के भी 190 नए आवेदन मिले हैं। पहले प्राप्त 1,351 आवेदनों को मिलाकर इनकी कुल संख्या 1,541 हो गई है। इस फार्म के माध्यम से विदेश में रहने वाले पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

एसआइआर के दौरान निर्वाचन विभाग की ओर से मतदाता सूची के संबंध में प्राप्त आवेदनों को दर्ज किया जा रहा है। फार्म-6, 7 और 8 के माध्यम से नाम जोड़ने, हटाने तथा विवरण में संशोधन की प्रक्रिया निर्धारित नियमों के तहत की जाती है। वहीं, विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए फार्म-6ए के आवेदन अलग से दर्ज किए जा रहे हैं।

22 सितंबर तक सामने आए आंकड़ों से स्पष्ट है कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची में बदलाव से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन निर्वाचन विभाग तक पहुंच रहे हैं।

◆ पुनरीक्षण प्रक्रिया में विदेश में बसे भारतीयों के आवेदन भी लगातार सामने आए

पंचशील पार्क में युवती का पीछा कर बाइक सवारों ने मारी टक्कर

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ हादसे में युवती गंभीर घायल, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

◆ अस्पताल में उपचाराधीन युवती को चिकित्सकों ने सर्जरी की सलाह दी

लाडो सराय स्थित कार्यालय से देर रात स्कूटी पर घर लौट रही 21 वर्षीय युवती का पंचशील पार्क मेट्रो स्टेशन के पास बाइक सवार दो युवकों ने पीछा किया। युवती का आरोप है कि दोनों ने उसके साथ अश्लील टिप्पणियां कीं और पीछा करते हुए उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में युवती करीब 100 से 150 मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई, जिससे उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं। चिकित्सकों ने उसे प्लास्टिक सर्जरी कराने की सलाह दी है।

घटना 11 सितंबर की रात की बताई जा रही है। युवती की शिकायत के आधार पर हौजखास थाना पुलिस ने मंगलवार को दो अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपितों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

युवती के अनुसार, वह लाडो सराय स्थित एक आर्ट फर्म में इंटर्नशिप करने के बाद कालकाजी स्थित घर लौट रही थी। पंचशील पार्क मेट्रो स्टेशन के पास दोनों बाइक सवार उसके पीछे लग गए। आरोप है कि उन्होंने रास्ते में अश्लील टिप्पणियां कीं। युवती ने उनसे बचने के लिए स्कूटी की रफ्तार बढ़ाई, लेकिन दोनों उसका पीछा करते रहे। कुछ दूरी पर बाइक से उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी गई।

टक्कर लगने के बाद युवती सड़क पर गिर गई और करीब 100 से 150 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में उसके शरीर पर कई जगह गहरे घाव आए और काफी खून बहा। घटना के बाद दोनों युवक मौके से फरार हो गए। राहगीरों ने घायल युवती की मदद की और उसे अस्पताल पहुंचाया। पहले उसे साकेत स्थित मैक्स अस्पताल ले जाया गया। बाद में गंभीर चोटों के कारण उसे नोएडा के मेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्लास्टिक सर्जरी की सलाह दी। युवती ओखला स्थित डिजाइन संस्थान में चौथे वर्ष की छात्रा है।

पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना मिलने पर जांच टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन तब तक घायल युवती को अस्पताल ले जाया जा चुका था। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपितों की पहचान के प्रयास जारी हैं।

कार्रवाई के दौरान इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा, लोग रहे सतर्क

शालीमार बाग में सड़क चौड़ीकरण के लिए चला बुलडोजर

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में मैक्स हॉस्पिटल रोड को चौड़ा करने की परियोजना के तहत मंगलवार देर रात अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर से मदीना मस्जिद के ऊपरी हिस्से समेत सड़क किनारे बने कुछ मकानों और अन्य ढांचों को हटाया गया। प्रशासन की ओर से इसे सड़क चौड़ीकरण और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बताया गया है।

कार्रवाई के दौरान इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती के बीच बुलडोजर और अन्य मशीनों से निर्माण हटाए गए। रिपोर्टों के अनुसार, सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया के तहत इस क्षेत्र में पहले भी निर्माण हटाने की कार्रवाई की जा चुकी है। मदीना मस्जिद के ऊपरी हिस्से को हटाए जाने की सूचना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। मस्जिद प्रबंधन की ओर से कार्रवाई की प्रक्रिया और नोटिस को लेकर सवाल उठाए गए हैं। वहीं, प्रशासन की ओर से हटाए गए निर्माण को अतिक्रमण बताया गया है। कुछ रिपोर्टों में कार्रवाई को न्यायिक आदेश से जुड़ा बताया गया है, जबकि मस्जिद प्रबंधन की ओर से मामले को लेकर अलग दावे किए गए हैं।



◆ सड़क चौड़ीकरण के तहत मस्जिद समेत कई निर्माण हटाए

कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार्रवाई के समय और तरीके पर सवाल उठाते हुए इसे असंवैधानिक बताया। इस बयान के बाद मामले ने राजनीतिक रूप ले लिया और विपक्षी नेताओं की ओर से भी कार्रवाई पर सवाल उठाए गए। वहीं, प्रशासन की कार्रवाई का मुख्य आधार सड़क चौड़ीकरण परियोजना और अतिक्रमण हटाना बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार सड़क विस्तार के लिए आवश्यक स्थान खाली कराया जा रहा है।

सरकारी स्कूलों में शुरू हुई 'मेरी सेवा, मेरा संकल्प' रील प्रतियोगिता

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारी और देशसेवा का संदेश डिजिटल माध्यम से देने का अवसर मिलेगा। शिक्षा निदेशालय ने सेवा संकल्प अभियान के तहत **'मेरी सेवा, मेरा संकल्प' रील प्रतियोगिता** शुरू की है। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा।



प्रतियोगिता में विद्यार्थी छोटे वीडियो बनाकर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक जिम्मेदारी, सामुदायिक सेवा और जरूरतमंदों की सहायता जैसे विषयों पर अपनी सोच प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा बुजुर्गों की मदद, सार्वजनिक संपत्ति और राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान तथा जनभागीदारी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण जैसे विषय भी निर्धारित किए गए हैं।

विद्यार्थी अपने आसपास की घटनाओं और रोजमर्रा के अनुभवों को आधार बनाकर रील तैयार कर सकेंगे। शिक्षा निदेशालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक तरीके से अपनी बात रखने के साथ उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। इस पहल को विकसित भारत ञ्च2047 की सोच से भी जोड़ा गया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रील प्रतियोगिता के अलावा चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। चित्रकला में पांच से 12 वर्ष और 12 से 18 वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 10 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे।

प्रदूषण सालभर नियंत्रण उपायों की जरूरत, वाहनों के साथ उद्योग और निर्माण गतिविधियां भी बढ़ा रहीं प्रदूषण

दिल्ली प्रदूषण में स्थानीय स्त्रोतों की बड़ी भूमिका

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की खराब होती वायु गुणवत्ता के लिए केवल बाहरी स्त्रोतों को जिम्मेदार ठहराना पूरी तस्वीर नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार दिल्ली के प्रदूषण में स्थानीय स्त्रोतों की हिस्सेदारी करीब 80 से 85 प्रतिशत तक है। इनमें वाहनों का योगदान सबसे अधिक है। आइआइटीएम पुणे की निर्णय सहयोग प्रणाली के आंकड़ों पर किए गए सीएसई के विश्लेषण के अनुसार स्थानीय स्त्रोतों में वाहनों की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत है। इसके बाद उद्योग 22 प्रतिशत, घरेलू स्त्रोत 11 प्रतिशत, निर्माण छह प्रतिशत, कचरा जलाना चार प्रतिशत और सड़क की धूल तीन प्रतिशत योगदान देती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली में प्रदूषण की समस्या केवल सर्दियों तक सीमित नहीं है। शहर में सालभर होने वाला स्थानीय उत्सर्जन हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।



हालांकि प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए जाते हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश उपाय सर्दियों के दौरान प्रदूषण बढ़ने पर अधिक प्रभावी तरीके से लागू किए जाते हैं। ऐसे में सालभर प्रदूषण नियंत्रण की ठोस कार्ययोजना की जरूरत है।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्ययनों में भी वाहन, उद्योग, निर्माण गतिविधियां, सड़क की धूल, घरेलू ईंधन और खुले में कचरा जलाने को प्रमुख स्थानीय स्त्रोतों में शामिल किया गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने उद्योगों के कण उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। निर्माण और विध्वंस स्थलों पर धूल नियंत्रण तथा मलबे के उचित प्रबंधन के लिए भी नियम लागू हैं।

सड़क की धूल कम करने के लिए यांत्रिक सफाई व्यवस्था के मानक तय किए गए हैं। वाहनों के लिए भी प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र से जुड़े नियम लागू हैं। मई 2026 से वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के बिना वाहनों में ईंधन भरने पर रोक का प्रावधान किया गया है। दिल्ली-एनसीआर में नए पंजीकृत तिपहिया वाहनों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों से संबंधित निर्देश भी जारी किए गए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार इन उपायों का प्रभाव तभी व्यापक रूप से दिखाई देगा, जब इनका पालन पूरे वर्ष सुनिश्चित किया जाए। निर्माण स्थलों, औद्योगिक इकाइयों, वाहनों और सड़क की धूल पर नियमित निगरानी जरूरी है। खुले में कचरा जलाने की घटनाओं पर भी लगातार कार्रवाई की आवश्यकता है। स्थानीय स्त्रोतों की हिस्सेदारी का अधिक सटीक आकलन करने के लिए सीएक्यूएम ने 500 गुणा 500 मीटर के ग्रिड स्तर पर उच्च-रिजोल्यूशन उत्सर्जन सूची और स्त्रोत विश्लेषण का नया ढांचा तैयार किया है। इसका उद्देश्य विभिन्न अध्ययनों के आंकड़ों में अंतर कम कर वैज्ञानिक आधार को मजबूत करना है।

बैंक यूनियनों की तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल

लगातार पांच दिन शाखाएं बंद रहेंगी, डिजिटल सेवाओं के सहारे ग्राहकों का काम चलेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

देशभर के सरकारी और कुछ निजी बैंकों में अगले सप्ताह लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहने की संभावना है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इससे पहले 26 और 27 सितंबर को शनिवार और रविवार का साप्ताहिक अवकाश रहेगा।

लगातार छुट्टियों और हड़ताल के कारण बैंक शाखाओं में ग्राहकों से जुड़े नियमित कामकाज प्रभावित होंगे। भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक समेत कई प्रमुख बैंकों ने ग्राहकों को आवश्यक बैंकिंग कार्य पहले निपटाने की सलाह दी है। चेक क्लीयरेंस, ड्राफ्ट, नकदी जमा और निकासी जैसे जरूरी काम 25 सितंबर तक करने की अपील की गई है।

बैंक प्रबंधन के अनुसार, शाखाएं बंद रहने के बावजूद डिजिटल बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध रखने के प्रयास किए जाएंगे। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई जैसी सेवाएं जारी रहेंगी। एटीएम सेवाएं भी संचालित करने की कोशिश की जाएगी। हालांकि, लंबे अवकाश के कारण कुछ एटीएम में नकदी की कमी हो सकती है।



बैंक कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करना शामिल है। इसके अलावा पेंशन में संशोधन, पेंशन व्यवस्था में सुधार और सभी बैंक कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का विकल्प देने की मांग भी की जा रही है।

हड़ताल को लेकर श्रम आयुक्त की मध्यस्थता में यूनियन प्रतिनिधियों और संबंधित पक्षों के बीच सुलह वार्ता हुई थी, लेकिन इसका कोई समाधान नहीं निकल सका। वित्त मंत्रालय की ओर से भी यूनियनों से हड़ताल वापस लेकर बातचीत के माध्यम से मांगों का समाधान निकालने की अपील की गई है। इसके बावजूद यूनियनों ने 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल का आह्वान किया है। लगातार पांच दिन शाखाएं प्रभावित रहने से ग्राहकों को जरूरी बैंकिंग कार्यों की योजना पहले से बनाने की जरूरत होगी।

यूपीईएस में यूथ कनेक्ट, स्वदेशी नवाचार से विकसित भारत का संकल्प

छह सौ विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण पर साझा किए विचार

अनिल थपलियाल

देहरादून। यूपीईएस में आयोजित यूथ कनेक्ट कार्यक्रम में करीब 600 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका, राष्ट्र निर्माण, भारतीय मूल्यों और वर्ष 2047 तक भारत की विकास यात्रा पर संवाद हुआ। विद्यार्थियों को स्वदेशी विकास, अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और जिम्मेदार नागरिकता के महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में शिक्षाविद्, प्रेरक वक्ता, लेखक एवं सामाजिक कार्यकर्ता मुकुल कनिटकर ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय पहचान और मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश के विकास और परिवर्तन में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मुकुल कनिटकर ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत की विकास यात्रा में स्वदेशी विकास, अनुसंधान, नवाचार और देश में विकसित तकनीकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।



अनुसंधान और नवाचार बने सोच का केंद्र

यूपीईएस के प्रो वाइस चांसलर-ऑपरेशंस एंड ग्रोथ इनिशिएटिव्स एवं रजिस्ट्रार मनीष मदान ने कहा कि अनुसंधान और नवाचार विद्यार्थियों की सोच का केंद्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा, मार्गदर्शन और मेंटरशिप उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे अपने विचारों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान में बदल सकें। उन्होंने अनुशासन, मेहनत और सामाजिक जिम्मेदारी को भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं के लिए आवश्यक बताया।

विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए किया प्रेरित : कार्यक्रम में स्वदेशी नवाचार, उद्यमिता, अनुसंधान और युवा नागरिकों की जिम्मेदारियों पर चर्चा हुई। विद्यार्थियों को रचनात्मक सोच विकसित करने, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान तैयार करने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने के अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

वर्ष 2047 के भारत के लिए युवाओं को तैयार करने पर जोर

करीब 600 विद्यार्थियों की सहभागिता वाला यूथ कनेक्ट कार्यक्रम स्वदेशी विकास, नवाचार और उद्यमिता पर संवाद का मंच बना। कार्यक्रम में युवाओं को भविष्य के उद्यमी, शोधकर्ता, नवप्रवर्तक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि आज के युवा वर्ष 2047 तक भारत की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

विश्वविद्यालय के अधिकारी रहे मौजूद : कार्यक्रम में यूपीईएस की प्रो वाइस चांसलर डॉ. वीना दत्ता, प्रो. डीके गुप्ता, विभाग प्रचारक धनंजय, डॉ. वैभव प्रताप सिंह सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य और प्रतिनिधि मौजूद रहे। सरकारी संबंध एवं सामाजिक आउटरीच विभाग के प्रमुख लोकेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम के समन्वय में भूमिका निभाई। कार्यक्रम संयोजक मनीष कुमार दुबे और डॉ. भालचंद्र शिंगण ने तैयारियों में योगदान दिया। संचालन डॉ. ध्रुव कुमार ने किया।

ज्ञान को समाज की जरूरतों से जोड़ने का आह्वान : उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी शिक्षा और कौशल को समाज तथा राष्ट्र की जरूरतों से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि ज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता के माध्यम से युवा स्थानीय समस्याओं के समाधान विकसित कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने वक्ता के साथ संवाद किया और विभिन्न विषयों पर सवाल भी पूछे।

राज्यपाल गुरमीत सिंह से कवयित्री नैना कंसवाल ने शिष्टाचार भेंट की रचना भेंट कर राज्यपाल ने दीं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं



रामनगर में पकड़ा गया 390 टिन लीसा से भरा कैंटर

गोविंद पाटनी, रामनगर। रामनगर पुलिस ने लीसा तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए टेड़ा ग्रासलैंड के पास करीब 390 टिन लीसा से भरा कैंटर पकड़ा है। बरामद लीसा की अनुमानित कीमत करीब नौ लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने कैंटर चालक समेत एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, बरामद लीसा के स्रोत और उसके गंतव्य का पता लगाया जा रहा है। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में लीसा पहाड़ी क्षेत्र से रामनगर तक कैसे पहुंचा और रास्ते में इसकी भनक क्यों नहीं लगी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि लीसा कहां से लाया गया था और इसे कहां पहुंचाया जाना था। मामले में किसी संगठित तस्करी नेटवर्क या अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आईएचएम देहरादून में उत्साह से मनाया गया नवागंतुक दिवस



अनिल थपलियाल। होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम), देहरादून में नवागंतुक दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्थान ने वर्तमान शैक्षणिक सत्र में अब तक की सर्वाधिक प्रवेश संख्या का नया कीर्तिमान स्थापित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य डॉ. शिव मोहन की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें समर्पण, अनुशासन और दृढ़ उद्देश्य के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से शैक्षणिक अध्ययन के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग जगत के अनुभवों से निरंतर सीखने का आह्वान किया। डॉ. मोहन ने संचार कौशल, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सामूहिक कार्यशैली और व्यावसायिक दक्षताओं के विकास पर भी जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्थान के मूल्यों एवं आदर्शों को आत्मसात करते हुए तीन वर्ष की शैक्षणिक यात्रा का भरपूर लाभ उठाने को कहा।

उत्तरकाशी में कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर कांग्रेस का प्रदर्शन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आपराधिक घटनाओं पर जताया विरोध, भाजपा सरकार का फूंका पुतला

शिव सिंह थलवाल

उत्तरकाशी। प्रदेश में कानून-व्यवस्था और आपराधिक घटनाओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी उत्तरकाशी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर जवाबदेही तय करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत ने किया। उन्होंने ऊधम सिंह नगर के किच्छा में कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़ के साथ हुई घटना का उल्लेख करते हुए पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए। किच्छा में स्ट्रांग रूम के बाहर विधायक बेहड़ और पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के समर्थकों के बीच विवाद और धक्का-मुक्की हुई थी। घटना के दौरान बेहड़ के साथ हाथापाई और थप्पड़ मारने का आरोप भी सामने आया। पुलिस ने बाद में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने और कई अन्य लोगों को हिरासत में लेने की जानकारी दी।



प्रदीप सिंह रावत ने कहा कि घटना के दौरान पुलिस प्रशासन की मौजूदगी के बावजूद प्रभावी हस्तक्षेप नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में महिलाएं, बुजुर्ग और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं तथा लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं पर सरकार प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पा रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने सरकार से कानून-व्यवस्था के मामलों में जवाबदेही तय करने तथा अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार को कानून-व्यवस्था को लेकर समय रहते प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जनसुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी इन मामलों को लेकर अपना आंदोलन और व्यापक करेगी।

प्रदर्शन में पूर्व राज्य मंत्री एवं पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष घनानंद नौटियाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख डुंडा कनक पाल सिंह परमार, सूरबीर सिंह राणा, उत्तम सिंह गुसाईं, शीशपाल सिंह पोखरियाल, प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव गांधी पंचायत प्रकोष्ठ पपेंद्र नेगी, जिला संयोजक राजीव गांधी पंचायत प्रकोष्ठ रमन कठैत, सुदीश पंवार, हिमांशु सेमवाल, आदर्श राणा और दीपक नेगी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे।

टिहरी में हर्षोल्लास से मनाया गया राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह



अनिल थपलियाल, नई टिहरी। जिला अस्पताल बौराड़ी के आयुष विंग में मंगलवार को 11वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं धन्वंतरी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद के महत्व, योग और स्वस्थ जीवनशैली को लेकर जागरूकता कार्यक्रम एवं गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में आयुष विभाग के चिकित्सकों के साथ सीआईएसएफ के जवानों और कर्मचारियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बृजेश डोभाल, जिला होम्योपैथिक अधिकारी कैप्टन पंत, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसएस रावत, चिकित्साधिकारी डॉ. विनोद रावत और डॉ. कर्णपाल ने भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद धन्वंतरी वंदना की गई। इस वर्ष राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' रही। वक्ताओं ने दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डाला।

देहरादून पुलिस लाइन में 15 प्रशिक्षु आरक्षियों की पासिंग आउट सेरेमनी

विकास बलोनी

देहरादून। पुलिस लाइन देहरादून में बुधवार को 15 प्रशिक्षु आरक्षियों की पासिंग आउट सेरेमनी आयोजित की गई। नौ माह के कठिन प्रशिक्षण के बाद सभी प्रशिक्षु आरक्षी पुलिस की मुख्यधारा में शामिल हुए। समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए पूरी लगन, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

17 नवंबर 2025 से शुरू हुए प्रशिक्षण के दौरान आरक्षियों को अंत:कक्ष और बाह्य कक्ष से जुड़े विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। अंत:कक्ष में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, भारतीय संविधान, विविध अधिनियम, पुलिस एवं समाज, मानव व्यवहार एवं मनोविज्ञान, व्यक्तित्व विकास, अपराध शास्त्र, थाना अभिलेख, पुलिस संगठन, प्रशासन और पुलिस रेगुलेशन की जानकारी दी गई।





वहीं बाह्य कक्ष प्रशिक्षण में पदादि प्रशिक्षण, शस्त्र प्रशिक्षण, फील्ड क्राफ्ट, पीटी-पीई, योग और यूएसी का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आरक्षियों को एसएसपी ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और उनका उत्साह बढ़ाया।

अंत:कक्ष परीक्षा में रिक्रूट महिला आरक्षी अंजुम निशा प्रथम रहीं। बाह्य कक्ष परीक्षा में फैज आलम ने पहला स्थान हासिल किया। संपूर्ण प्रशिक्षण में फैज आलम को सर्वांग सर्वोत्तम कैडेट चुना गया। उन्हें परेड कमांडर की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। पासिंग आउट परेड के दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन, प्रतिसार निरीक्षक, आरटीसी स्टाफ, प्रशिक्षु आरक्षी और उनके परिजन मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा सुरक्षा और अपराध नियंत्रण पर एसपी ने बढ़ाई सख्ती



शिव सिंह थलवाल

उत्तरकाशी। पुलिस लाइन उत्तरकाशी में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी एवं सैनिक सम्मेलन में पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, चारधाम यात्रा और नशा उन्मूलन अभियान की समीक्षा की। उन्होंने यात्रा के दूसरे चरण में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुगम यात्रा पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

एसपी ने नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों और माफिया पर प्रभावी निगरानी रखने तथा उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को लंबित विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गंभीर मामलों में निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के साथ लंबित समन व वारंटों की शीघ्र तामील पर भी जोर दिया। सम्मेलन के दौरान अगस्त माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 26 पुलिसकर्मियों को मैन ऑफ द मंथ पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

विधानसभा चुनाव से पहले उत्तरकाशी में पांच अक्टूबर से ईवीएम जांच होगी शुरू

कलक्ट्रेट स्थित ईवीएम वेयरहाउस में दस इंजीनियर करेंगे मशीनों की तकनीकी जांच

शिव सिंह थलवाल

उत्तरकाशी। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत उत्तरकाशी में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) पांच अक्टूबर से शुरू होगी। यह कार्य कलक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस में किया जाएगा। एफएलसी को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में बुधवार को कलक्ट्रेट कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जांच प्रक्रिया से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि जनपद में उपलब्ध सभी ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (ईसीआईएल) की ओर से 10 इंजीनियर उपलब्ध कराए गए हैं। एफएलसी के दौरान मशीनों की तकनीकी जांच निर्धारित मानकों और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की जाएगी।



जिला निर्वाचन अधिकारी प्रशांत आर्य ने एफएलसी के दौरान सुरक्षा, चिकित्सा, साफ-सफाई, पेयजल और जलपान सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। साथ ही डीएफएमडी और एचएचएमडी की व्यवस्था तथा अग्निशमन वाहन की तैनाती भी सुनिश्चित करने को कहा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों के अनुसार सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूरी करने के निर्देश दिए।

फर्जी प्रमाण पत्र से एमबीबीएस दाखिले का खेल, दो गिरफ्तार, 45 लाख में हुआ सौदा

तीन अभ्यर्थियों के दाखिले के लिए परिजनों से लिए गए थे 20-20 लाख रुपए एडवांस



अनिल थपलियाल

देहरादून। नीट यूजी-2025 में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के मामले में देहरादून पुलिस की एसआईटी ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेजों से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र तैयार कराए और इनके आधार पर तीन अभ्यर्थियों को मेडिकल कॉलेजों में दाखिला दिलाने का सौदा किया। प्रत्येक दाखिले के लिए 45 लाख रुपये तय किए गए थे, जबकि परिजनों से 20-20 लाख रुपये एडवांस लिए गए। जांच में कई अभ्यर्थियों के दस्तावेजों में दर्ज पते गलत मिले। एसआईटी ने रूपेश पंडित और अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब मामले में शामिल अन्य लोगों, दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया और पैसों के लेन-देन की जांच कर रही है।

प्रमाण पत्रों के सत्यापन में सामने आया फर्जीवाड़

जांच के दौरान एसआईटी ने संबंधित मेडिकल कॉलेजों से प्रवेश प्रक्रिया और अभ्यर्थियों के दस्तावेज जुटाए। सत्यापन में प्रमाण पत्रों में दर्ज कई पते वास्तविक नहीं पाए गए। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कोटे के माध्यम से एमबीबीएस सीट दिलाने का भरोसा दिया था। मामले में तीन अभ्यर्थियों के परिजनों से एडवांस राशि लेने की बात सामने आई है। एसआईटी अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

विदाई नम आंखों से श्रद्धालुओं ने आराध्य देवी को दी विदाई, लोक संस्कृति के रंगों से सजा नगर

रानीखेत में भव्य शोभायात्रा के साथ संपन्न हुआ नंदा-सुनंदा महोत्सव

अनिल थपलियाल

रानीखेत। रानीखेत में 137वां मां नंदा-सुनंदा महोत्सव सोमवार को भव्य डोला यात्रा और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हो गया। मां नंदा-सुनंदा की विदाई के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भावुक नजर आए। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से आराध्य देवी को विदाई दी और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान पूरा नगर मां नंदा-सुनंदा के जयकारों और भक्ति गीतों से गूंजता रहा।

सुबह नित्य पूजा-अर्चना के बाद जरूरी बाजार स्थित नंदा देवी मंदिर से मां नंदा-सुनंदा की डोला यात्रा शुरू हुई। भजन-कीर्तन, नगाड़े और निशान के साथ निकली डोला यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बेटी और बहन के रूप में पूजी जाने वाली मां नंदा-सुनंदा के दर्शन और विदाई के लिए दूर-दराज क्षेत्रों से भी लोग रानीखेत पहुंचे। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने आरती उतारी और पुष्प-अक्षत अर्पित कर मां को विदाई दी।

बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद

शोभायात्रा में आशीष साह, भावना साह, नंदा देवी समिति अध्यक्ष गौरव भट्ट, सांस्कृतिक संयोजक विमल सती, समिति संरक्षक हरीश लाल साह, विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल, पूर्व विधायक करन माहरा, जिला पंचायत सदस्य शांति उप्रेती, क्षेत्र प्रमुख बबली मेहरा, क्षेत्र प्रमुख हीरा सिंह रावत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समिति पदाधिकारी, स्थानीय लोग और श्रद्धालु मौजूद रहे। पुरोहित पं. विपिन पंत समेत अन्य लोगों ने धार्मिक अनुष्ठानों में सहयोग किया। महोत्सव के समापन पर श्रद्धालुओं ने मां नंदा-सुनंदा से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मां नंदा-सुनंदा की डोला यात्रा द्यूलीखेत, रोडवेज स्टेशन, सदर बाजार, गांधी चौक और विजय चौक से होते हुए वापस नंदा देवी मंदिर पहुंची। इसके बाद विसर्जन यात्रा कालू गधेरा के लिए रवाना हुई।

डोला यात्रा के साथ निकली सांस्कृतिक शोभायात्रा में स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर लोगों का मन मोह लिया। लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुतियों ने पर्वतीय लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। जवाहर नवोदय विद्यालय ताड़ीखेत के विद्यार्थियों ने छोलिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने मां नंदा-सुनंदा के जयकारे लगाए, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा।



न्यूज ब्रीफ

एड्स से बचाव व सावधानियों की जानकारी दी



भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, हिमाचल प्रदेश के तत्वावधान में सूचना व जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने बुधवार को नूरपुर बस स्टैंड और गहीं लगोड़ पंचायत में एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान लोक कला मंच के कलाकारों ने गीत-संगीत, समूहगान व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को एचआईवी/एड्स से बचाव और सावधानियों की जानकारी दी। कलाकारों ने बताया कि एचआईवी संक्रमण को लेकर समाज में कई भ्रांतियां हैं, जिन्हें सही जानकारी के माध्यम से दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एचआईवी पॉजिटिव होना जीवन का अंत नहीं है और संक्रमित व्यक्ति भी सामान्य जीवन जी सकता है। कार्यक्रम में एचआईवी संक्रमित लोगों के प्रति भेदभाव न करने तथा उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करने का संदेश दिया गया। कलाकारों ने लोगों से एचआईवी/एड्स संबंधी सही जानकारी अपनाने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

सुक्खू बने हिमाचल में सबसे ज्यादा कर्ज लेने वाले मुख्यमंत्री : भाजपा



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भाजपा जिला बिलासपुर अध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की वित्तीय नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सुक्खू सरकार के कार्यकाल में प्रदेश पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ा है। विधानसभा में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने तीन वर्षों में 35,555 करोड़ रुपए का नया ऋण लिया है और 31 जनवरी 2026 तक बकाया कर्ज 1,01,863 करोड़ रुपए था। चंदेल ने कहा कि जुलाई 2026 तक प्रदेश सरकार 2,800 करोड़ रुपए की अतिरिक्त उधारी ले चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कर्ज लेकर खर्च चला रही है और इसका बोझ आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से वित्तीय स्थिति पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग की। साथ ही पूछा कि भारी कर्ज लेने के बावजूद प्रदेश में कितने नए अस्पताल, शिक्षण संस्थान और स्थायी रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। चंदेल ने सरकार से कर्ज से बनी स्थायी परिसंपत्तियों का भी ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की।

उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती का प्रशिक्षण दिया



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। विकास खंड सदर में उद्यान विभाग की ओर से बागवानों को पारंपरिक फसलों के साथ उच्च मूल्य व उभरती बागवानी फसलों को अपनाने के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता उपनिदेशक उद्यान डॉ. संजय गुप्ता ने की। उन्होंने बागवानों को बदलती बाजार मांग के अनुरूप फसल विविधीकरण अपनाने तथा नई फसलों की वैज्ञानिक तकनीक से खेती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जापानी फल, आड़ू, प्लम और नाशपाती के साथ ब्लूबेरी, ब्लैकबेरी और मैकाडेमिया नट जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की संभावनाएं तलाशना जरूरी है। डॉ. पूजा रानी गौतम और उद्यान विकास अधिकारी डॉ. शिक्षा ने प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया। मास्टर ट्रेनर ने फसलों की उत्पादन तकनीक, पौधरोपण, प्रबंधन और सावधानियों की जानकारी दी। बागवानों को विभागीय योजनाओं के तहत उपलब्ध अनुदान और सहायता के लिए आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

आयुर्वेद दिवस पर 53 लोगों का जांचा स्वास्थ्य



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) परगोड़ की ओर से आंगनबाड़ी केंद्र सुरड्याल के सहयोग से ग्राम खोला में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह एवं आउटरीच मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन उपमंडल आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, पुराना कांगड़ा, डॉ. बबिता गौतम के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर में कुल 53 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 21 पुरुष, 22 महिलाएं व 10 बच्चे शामिल रहे। इस दौरान स्वास्थ्य जांच के साथ रक्त परीक्षण भी किया गया, जिसमें आरबीएस, रक्तचाप और हीमोग्लोबिन की जांच की गई। प्रतिभागियों के लिए योग सत्र भी आयोजित किया गया। विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुर्वेद पद्धति, स्वस्थ जीवनशैली और दैनिक जीवन में योग के महत्व के बारे में जानकारी दी। लोगों को नियमित योग, संतुलित आहार और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं और आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

आयुष विभाग ने ग्रामीणों को दी स्वास्थ्य सेवाएं



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। आयुष दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत शहरोल में आयुष विभाग की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. कृति चौहान ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस दौरान मरीजों के रक्तचाप और शुगर की जांच की गई। जरूरतमंद लोगों को विभाग की ओर से आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं। शिविर में करीब 50 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच करवाकर चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। इस अवसर पर फार्मासिस्ट पूनम शर्मा, पंचायत प्रधान नर्वदा देवी, उपप्रधान राम प्रकाश, तारा चंद, गजेंद्र, हीरादेई और शांति देवी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने आयुष विभाग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित होने से लोगों को घर-द्वार के समीप स्वास्थ्य सुविधाएं मिलती हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

एचपीवी टीकाकरण के लिए अभिभावकों को किया जागरूक



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। ग्राम पंचायत साई में स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में क्षेत्र के ग्रामीणों ने पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। डॉ. नितिन बांगर और पुष्पा देवी ने लोगों के रक्तचाप और मधुमेह की जांच की। इसके अलावा जरूरत के अनुसार कई मरीजों का एक्स-रे भी किया गया। शिविर के सफल आयोजन में क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। डॉ. नितिन बांगर ने बताया कि शिविर से स्थानीय ग्रामीणों को काफी लाभ मिला। इस दौरान लोगों को क्षय रोग (टीबी) और ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) के संबंध में भी जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 14 से 15 वर्ष की किशोरियों के अभिभावकों को एचपीवी टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। उन्हें बताया गया कि एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

रोबोटिक उपकरणों की खरीद में अनियमितताओं को लेकर जवाब दें मुख्यमंत्री : आशीष शर्मा

कहा- कांग्रेस के पांच सूटकेस अब 50 हो गए हैं, 40 दिल्ली और 10 शिमला पहुंच रहे



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला भाजपा द्वारा बुधवार को प्रदेश सरकार के खिलाफ हमीरपुर में रोष रैली निकालकर गांधी चौक पर धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सदर विधायक आशीष शर्मा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए जमीन खरीद-फरोख्त, हमीरपुर बस अड्डे के निर्माण, रोबोटिक सर्जरी उपकरणों की खरीद और कथित कमीशनखोरी को लेकर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से इन मामलों में प्रदेश की जनता के सामने जवाब देने की मांग की।

विधायक आशीष शर्मा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के परिवार ने लगभग 750 कनाल जमीन महज 70 हजार रुपए में खरीदी थी, जिसे बाद में मुख्यमंत्री के नाम पर लगभग 10 लाख 60 हजार रुपए में हस्तांतरित किया गया। इसके पश्चात इस जमीन का मूल्यांकन लगभग 73 करोड़ रुपए करवाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस जमीन को 1,378 रुपए प्रति कनाल के हिसाब से खरीदा गया था, उसी जमीन की वैल्यूएशन करोड़ों रुपये में करवाकर उसमें से 2 कनाल जमीन लगभग 9 लाख 73 हजार रुपए प्रति कनाल के हिसाब से सरकारी विभाग को बेच दी गई। आशीष शर्मा ने सवाल उठाया कि आखिर कुछ ही महीनों में जमीन की कीमत में इतनी भारी वृद्धि कैसे हो गई? मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता को बताएं कि जमीन का मूल्यांकन किस आधार पर करवाया गया, सरकारी विभाग को जमीन बेचने की प्रक्रिया क्या थी और इस पूरे मामले में कौन-कौन जिम्मेदार है।

सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति के परिवार से जुड़े ऐसे मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद आवश्यक है। हमीरपुर बस अड्डे के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार पर सवाल उठाते हुए विधायक ने कहा कि बस अड्डा अब बस अड्डा नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि बस अड्डे के निर्माण का टेंडर लगभग 42 करोड़ रुपए का लगाया गया था, जिसे करीब 37 करोड़ रुपए में आवंटित किया गया। इसके बावजूद ठेकेदार को अब तक 100 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि क्या अब इसका बजट 200 करोड़ तक पहुंच जाएगा। विधायक आशीष शर्मा ने रोबोटिक सर्जरी उपकरणों की खरीद में भी कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने इन उपकरणों को निर्धारित मूल्यों से अधिक कीमत पर खरीदा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस खरीद में प्रति रोबोट 10 से 12 करोड़ रुपए तक का कमीशन खाया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि इन उपकरणों की खरीद में निर्धारित दरों से अधिक भुगतान क्यों किया गया और इन गंभीर आरोपों की जांच कब होगी।

दधोल स्कूल में 25 लाख रुपए से बनेगा बास्केटबॉल मैदान : धर्माणी



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। तकनीकी शिक्षा, नगर एवं ग्राम नियोजन तथा आवास मंत्री राजेश धर्माणी ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दधोल में विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में खेल सुविधाओं को मजबूत करने के लिए बास्केटबॉल मैदान के निर्माण के लिए 25 लाख रुपए की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने विद्यालय परिसर में सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए सुसज्जित मंच बनाने की भी बात कही।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राजेश धर्माणी ने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए मेहनत के साथ सही दिशा और लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को दूसरों की नकल करने के बजाय अपनी प्रतिभा, रुचि और क्षमता के अनुसार भविष्य की योजना बनाने की सलाह दी। कक्षा 10वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन देते हुए उन्होंने एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण करने को कहा, ताकि वे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानकर बेहतर निर्णय ले सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि ज्ञान को व्यावहारिक और समाजोपयोगी बनाना है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। संवाद कार्यक्रम के बाद मंत्री ने प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों के साथ विभिन्न खेल गतिविधियों में हिस्सा लिया।

कूड़े की छंटनी के लिए हर पंचायत में बनाएं शैड

एडीसी ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। एडीसी अभिषेक गर्ग ने सभी बीडीओ को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में त्वरित कदम उठाएं, ताकि स्वच्छता के क्षेत्र में भी जिला हमीरपुर को एक मॉडल जिला बनाया जा सके।

बुधवार को हमीर भवन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अभिषेक गर्ग ने इन नियमों में ठोस कचरे के पृथक्करण यानि छंटनी की चार मुख्य श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें गीला कचरा जैसे-बचा हुआ भोजन, फल-सब्जियां इत्यादि, सूखा कचरा जैसे-प्लास्टिक, कागज, धातु और कांच आदि सेनेटरी कचरा तथा खतरनाक कचरा जैसे-दवाइयां, बैटरी, सीएफएल बल्ब, पेंट और इलेक्ट्रॉनिक्स कचरा आदि शामिल हैं। इस कचरे की छंटनी के लिए हर पंचायत में प्राथमिकता के आधार पर शैड बनाए जाने चाहिए। इनका निर्माण 16वें वित्त आयोग की धनराशि और वीबी-जीरामजी योजना की कनवर्जेंस से किया जा सकता है। एडीसी ने सभी 6 ब्लॉकों की प्लास्टिक कचरा प्रबंधन यूनिटों की रिपोर्ट भी तलब की। एडीसी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक, पॉलीथिन और अन्य कचरे के एकत्रीकरण के लिए सभी बीडीओ दस दिन के भीतर स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार एक प्रभावी प्रक्रिया बनाएं। उन्होंने कहा कि नए पंचायत जनप्रतिनिधियों को स्वच्छ भारत मिशन की विभिन्न प्रक्रियाओं से अवगत करवाकर ठोस कचरा प्रबंधन, शौचालय निर्माण और स्वच्छता से संबंधित अन्य गतिविधियों को गति प्रदान की जा सकती है। उन्होंने बताया कि जिला के सभी 1675 गांव खुले में शौच से मुक्त हैं। इनमें से 1613 गांवों को मॉडल गांव घोषित करके इनका डाटा अपलोड कर दिया गया है। अन्य गांवों को भी मॉडल गांव घोषित करने के लिए डाटा अपलोडिंग का कार्य अतिशीघ्र पूरा होना चाहिए। जिला में वित्त वर्ष 2026-27 में 47 सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य है। इनमें से 38 को मंजूरी दे दी गई है, जिनमें से एक का निर्माण भी हो चुका है। इसी दौरान जिला में 294 नए मकानों में शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से 35 के कार्य पूरे हो चुके हैं।

पनोह में मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण से स्वरोजगार का दिया संदेश



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। यूको ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान बिलासपुर की ओर से पनोह पंचायत में मशरूम उत्पादन पर 10 दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों और बीपीएल परिवारों के 31 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन अवसर पर संस्थान के निदेशक व अग्रणी जिला प्रबंधक चंद्र शेखर यादव ने प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने प्रतिभागियों से मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाकर आय का साधन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि यूको ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत संचालित है। संस्थान की ओर से 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के ग्रामीण युवाओं को विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इनमें मशरूम उत्पादन, दुग्ध उत्पादन, ड्रेस डिजाइनिंग, ब्यूटी पार्लर, कंप्यूटर, मोटर ड्राइविंग सहित अन्य प्रशिक्षण शामिल हैं। चंद्र शेखर यादव ने बैंकिंग योजनाओं की जानकारी देते हुए अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और बीमा योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के लिए मुद्रा ऋण, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और अन्य ऋण सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान में जल्द ब्यूटी पार्लर और सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शुरू होगा। इच्छुक लोग संस्थान में आवेदन कर सकते हैं।

वल्लभियन बॉटनी क्लब ने मनाया राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय के वल्लभियन बॉटनी क्लब की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आयुर्वेद, औषधीय एवं हर्बल पौधों, भारतीय पारंपरिक ज्ञान, स्वस्थ जीवनशैली और नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप मुख्य अतिथि रहे। डॉ. तारा देवी, डॉ. दीपाली और डॉ. माधवी भी उपस्थित रहीं। समन्वयक डॉ. नीतू पठानियां ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान वक्तृत्व, पोस्टर निर्माण और हर्बल पौधों के प्रदर्शन की प्रतियोगिताएं करवाई गईं। वक्तृत्व में अभिलाषा प्रथम, सान्या द्वितीय और प्राची तृतीय रहीं। पोस्टर निर्माण में सिया प्रथम, कशिश द्वितीय और प्रांजल तृतीय रहे। हर्बल पौधों के प्रदर्शन में किरण ठाकुर व विशाल प्रथम, ओशिन व आयुषी द्वितीय तथा लक्ष्य व आर्यन तृतीय रहे।

एसवीजीसी घुमारवीं में ईको क्लब ने मनाया ओजोन दिवस



भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं के ईको क्लब की ओर से ओजोन दिवस उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ओजोन परत के महत्व, पर्यावरण संरक्षण और पृथ्वी को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाने में ओजोन की भूमिका के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रीतम लाल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

ईको क्लब की संयोजक डॉ. डिंपल चौहान के नेतृत्व में डॉ. लिपिका शर्मा और डॉ. कमलेश कुमारी ने कार्यक्रम के संचालन में सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के मूल्यांकन के लिए डॉ. कृष्ण लाल दरोच, डॉ. अमित, डॉ. जीवेश नड्डा, डॉ. कुलदीप बरवाल और डॉ. मनीष कुमार ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को ओजोन परत के संरक्षण के लिए जागरूक करते हुए पर्यावरण के प्रति व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता में एमएससी जूलॉजी की श्रुति ने प्रथम और अंजलि ने द्वितीय स्थान हासिल किया। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में एमएससी की ज्योति प्रथम तथा एमएससी प्रथम सेमेस्टर की पलक द्वितीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया गया।

घास काटते समय ढांक से गिरकर महिला की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। द्रंग विधानसभा क्षेत्र की दयोरी पंचायत के बांदल गांव में घास काटने गई 52 वर्षीय महिला की ढांक से गिरने से मौत हो गई। मृतका की पहचान श्यामा देवी पत्नी उत्तम राम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार श्यामा देवी घर से जंगल में घास काटने गई थी। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह गहरी ढांक में जा गिरी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर स्वजन ने उसकी तलाश शुरू की। इस दौरान महिला ढांक के नीचे मृत अवस्था में मिली। सूचना मिलने पर हल्का पटवारी, पंचायत प्रधान व पंडोह थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जोनल अस्पताल मंडी भेज दिया। महिला अपने पीछे तीन छोटे बच्चे छोड़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से परिवार को आर्थिक राहत देने की मांग की है।

एनएमटीसी परीक्षा में मोशन पठानकोट के 12 विद्यार्थियों ने लहराया परचम



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। मोशन पठानकोट के विद्यार्थियों ने 58वीं नेशनल मैथमेटिक्स टैलेंट एग्जामिनेशन (एनएमटीसी) 2026 की प्रारंभिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया है।

संस्थान के 12 विद्यार्थियों ने परीक्षा के प्रारंभिक चरण में सफलता हासिल की है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, निरंतर अभ्यास और गणित के प्रति उनकी रुचि को दर्शाती है। नेशनल मैथमेटिक्स टैलेंट एग्जामिनेशन का आयोजन एसोसिएशन ऑफ मैथमेटिक्स टीचर्स ऑफ इंडिया की ओर से किया जाता है। परीक्षा का उद्देश्य गणित विषय में विशेष रुचि और प्रतिभा रखने वाले विद्यार्थियों की पहचान करना तथा उनकी गणितीय क्षमता, तार्किक सोच और समस्या समाधान कौशल को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी क्षमता को चुनौती देने और पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर गणितीय समस्याओं को समझने का अवसर मिलता है। प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों में आयुष, उमर इकबाल, राजवीर, आस्तिक, सार्विका, शहजादा, अर्णिका, अन्वी, अनंत, मैमूना, राघव और ज्ञान स्तुति शामिल हैं। सभी विद्यार्थियों ने नियमित अध्ययन और निरंतर तैयारी के बल पर यह सफलता हासिल की है। संस्थान की ओर से विद्यार्थियों को आगामी चरणों के लिए भी तैयार किया जा रहा है। मोशन पठानकोट के निदेशक सनी महाजन ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एनएमटीसी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करना विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि गणित केवल संख्याओं का विषय नहीं है, बल्कि यह तार्किक सोच, धैर्य और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में समाधान तलाशने की क्षमता विकसित करता है।

उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए आगामी चरण के लिए शुभकामनाएं दीं। संस्थान प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम के साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एनएमटीसी में मिली यह सफलता विद्यार्थियों की मजबूत वैचारिक समझ और प्रतियोगी मंचों पर प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाती है। विद्यार्थियों की उपलब्धि से मोशन पठानकोट परिवार में खुशी का माहौल है।

बधाई नरेश ठाकुर ने छात्राओं की अंडर-19 जिला स्तरीय प्रतियोगिता का किया समापन

वॉलीबाल में समीरपुर और कबड्डी में अमलैहड़ बना विजेता



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हाई व सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की छात्राओं की तीन दिवसीय जिला स्तरीय अंडर-19 खेलकूद प्रतियोगिता बुधवार को राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डिडवीं टिक्कर में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में जिला हमीरपुर के 6 ब्लॉकों की लगभग 250 छात्राओं ने वॉलीबाल, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन एवं अन्य स्पर्धाओं में भाग लिया।

राज्य नशा निवारण बोर्ड के संयोजक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर ने इस प्रतियोगिता का समापन किया और विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर आयोजन समिति और सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए नरेश ठाकुर ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ खेलकूद, सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियां भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि इनसे बच्चों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने साढे तीन वर्ष पहले कार्यभार संभालते ही स्कूली खिलाड़ियों की डाइट मनी में दोगुणा से ज्यादा वृद्धि करके इसे 250 रुपए कर दिया था। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले स्कूली खिलाड़ियों के लिए उच्च श्रेणी की रेल यात्रा और आवश्यकता पड़ने पर हवाई यात्रा का भी प्रावधान किया है। ओलंपिक खेलों, एशियाई, राष्ट्रमंडल और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए मुख्यमंत्री ने करोड़ों रुपये के नकद पुरस्कार घोषित किए हैं। नशे की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए नरेश ठाकुर ने बताया कि मुख्यमंत्री ने नशे के खिलाफ एक बहुत बड़ी जंग का ऐलान किया है।

उन्होंने चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान को एक जन आंदोलन का रूप दिया है। इसी अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने खेल गतिविधियों के लिए अलग से 11.56 करोड़ रुपए का विशेष प्रावधान किया है। इस अवसर पर मेजबान स्कूल की प्रधानाचार्य शैली शर्मा, प्रतियोगिता के उप समन्वयक चमन लाल, एसएमसी अध्यक्ष रितु शर्मा और आयोजन समिति के अन्य सदस्यों ने मुख्यातिथि और अन्य अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस प्रतियोगिता में वॉलीबाल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला समीरपुर की टीम विजेता और रावमापा रैली जजरी उपविजेता रही। कबड्डी में अमलैहड़ स्कूल विजेता और कुठेड़ा उपविजेता, खो-खो में कुठेड़ा विजेता और रैली जजरी उपविजेता, बैडमिंटन में हमीरपुर विजेता और नादौन एवं टौणी देवी स्कूल की टीमें उपविजेता रहीं। हाई स्कूलों के वर्ग में वॉलीबाल में एसवीएन तरक्वाड़ी प्रथम और राजकीय हाई स्कूल धीरवीं की टीम द्वितीय रही। कबड्डी में हाई स्कूल ख्याह प्रथम और होली हार्ट स्कूल डिडवीं द्वितीय रहा। बैडमिंटन में बीबीएन चकमोह स्कूल प्रथम और बल्ह बिहाल स्कूल की टीम द्वितीय रही। खो-खो में हाई स्कूल चकमोह ने बाजी मारी।

शहीद स्मारक पर मनाया 1965 भारत-पाक युद्ध का विजय दिवस



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। 1965 के भारत-पाक युद्ध के 61वें विजय दिवस पर पूर्व सैनिक कल्याण समिति हिमाचल प्रदेश की ओर से चंगर स्थित शहीद स्मारक में कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीसी बिलासपुर राहुल कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की और शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया गया।

डीसी ने कहा कि विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है। सितंबर 1965 में भारतीय सेना की 3 जाट बटालियन ने डोगराई की ऐतिहासिक लड़ाई में वीरता का परिचय देते हुए विजय प्राप्त की थी। उन्होंने कहा कि देश आज भी सैनिकों के साहस और बलिदान को गर्व के साथ याद करता है। राहुल कुमार ने कहा कि विजय दिवस केवल युद्ध में मिली जीत का स्मरण नहीं, बल्कि वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और शहीद परिवारों के योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि हिमाचल और बिलासपुर की सेना में गौरवपूर्ण भूमिका रही है। सैनिकों से युवाओं को साहस, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा मिलती है। समारोह में पूर्व सैनिक कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष कैप्टन अमरनाथ धीमन, अध्यक्ष कैप्टन संजय कुमार सहित कैप्टन धनीराम, कैप्टन सोहन सिंह, पूर्व सैनिक, वीर नारियां और शहीद परिवारों के सदस्य मौजूद रहे।

खूबसूरत अंदाज में निकहत

निकहत जरीन भारत की प्रमुख महिला मुक्केबाजों में शामिल हैं। तेलंगाना से आने वाली निकहत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। उनकी तेज तकनीक, अनुशासन और रिंग में आत्मविश्वास ने उन्हें भारतीय खेल जगत में विशेष पहचान दिलाई।



भारत ने बांग्लादेश को कबड्डी में हराया, सेमीफाइनल में दमदार एंट्री

लगातार तीसरी जीत, 48-25 से दी शिकस्त, अब स्वर्ण पदक की ओर बढ़े कदम

एजेंसी, आइची-नगोया

भारत ने 2026 एशियाई खेलों में पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारतीय टीम ने बुधवार को ग्रुप ए के मुकाबले में बांग्लादेश को 48-25 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

तोकाई सिटिजंस जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। भारतीय टीम ने पहले हाफ में बांग्लादेश के डिफेंस और रेडिंग को लगातार चुनौती दी और 18 आउट अंक तथा सात बोनस अंक हासिल किए। भारत ने इस दौरान दो बार ऑलआउट भी किया और चार अतिरिक्त अंक अपने खाते में जोड़े।

बांग्लादेश की टीम भारतीय डिफेंस के सामने लगातार लय हासिल नहीं कर सकी। उसने पहले हाफ में पांच आउट अंक और तीन बोनस अंक हासिल किए। एक सुपर टैकल से उसे एक और अंक मिला, लेकिन भारत के हरफनमौला प्रदर्शन के



सामने वह पिछड़ता चला गया। भारत ने हाफ टाइम तक 29-9 की मजबूत बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ की शुरुआत में भारत ने देवांक दलाल की जगह अर्जुन देशवाल को मैदान पर उतारा और दबाव बनाए रखा। हालांकि, बांग्लादेश ने दूसरे हाफ में अपने खेल में सुधार किया और आठ आउट तथा आठ बोनस अंक के साथ 16 अंक जुटाए।

भारत ने भी दूसरे हाफ में 19 अंक हासिल किए और एक और ऑलआउट किया।इससे बांग्लादेश की वापसी की कोशिशों का भारतीय बढ़त पर कोई असर नहीं पड़ा और भारत ने मुकाबला 48-25 से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप ए में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले भारतीय टीम ने मेजबान जापान और दक्षिण कोरिया को हराया था। लगातार तीन जीत के बाद भारत ने पुरुष कबड्डी के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारत अब अपने अंतिम ग्रुप चरण के मुकाबले में 24 सितंबर को सुबह 9:45 बजे चीनी ताइपे का सामना करेगा। भारतीय टीम एशियाई खेलों में पुरुष कबड्डी का अपना नौवां स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने थाईलैंड को 20-1 से रौंदा

एजेंसी, आइची-नगोया



भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेल में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को पूल बी के मुकाबले में थाईलैंड को 20-1 से रौंद दिया। गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ भारत ने लगातार तीसरे मुकाबले में दोहरे अंक में गोल किए। इस जीत के साथ भारतीय टीम पूल बी की अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। अब भारत का सामना शुक्रवार को जापान से होगा।

भारत ने इससे पहले उज्बेकिस्तान को 19-0 और इंडोनेशिया को 17-1 से हराया था। थाईलैंड के खिलाफ भारत की ओर से दीपिका ने नौ गोल किए, जबकि नवनीत कौर ने चार और रुतुजा पिसाल ने तीन गोल दागे। नेहा, लालरेमसियामी, साक्षी राणा और कप्तान सलीमा टेटे ने भी एक-एक गोल किया। दीपिका ने अपने सभी नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किए। वह एशियाई खेलों में एक ही मुकाबले में नौ गोल करने वाली पहली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी बन गईं। तीन मुकाबलों में दीपिका अब तक भारत के लिए 20 गोल कर चुकी हैं। भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और थाईलैंड की रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया। भारतीय खिलाड़ियों ने पेनल्टी कॉर्नर का भी प्रभावी इस्तेमाल किया और मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। थाईलैंड को मैच के चौथे क्वार्टर में आखिरकार एक गोल मिला। सुपांसा सामांसो के पेनल्टी कॉर्नर पर लगाए गए ड्रैग-फ्लिक में मामूली डिफ्लेक्शन हुआ और गेंद भारतीय गोल में चली गई।

भारत ने हांगझोउ में 2023 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। भारतीय महिला टीम अब 1982 के बाद एशियाई खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के उद्घाटन महिला हॉकी टूर्नामेंट में भारत ने स्वर्ण पदक जीता था।

स्पोर्ट्स विंडो

अंकुश पंघाल का दमदार पंच, एशियाई खेलों के प्री-क्वार्टर फाइनल में एंट्री

एजेंसी, आइची-नगोया। भारतीय मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने एशियाई खेलों में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में बहरीन के हमसा वोगेल को सर्वसम्मत 5-0 के फैसले से हराया। 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अंकुश ने मुकाबले की शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा। पहले दौर में सतर्क शुरुआत के बाद उन्होंने प्रभावी पंच लगाकर बढ़त बनाई और सभी पांचों जजों का समर्थन हासिल किया।



दूसरे दौर में वोगेल ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन अंकुश ने दमदार पंचों के संयोजन से जवाब देते हुए दबदबा कायम रखा। अंतिम दौर में भी भारतीय मुक्केबाज ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। सभी पांचों जजों ने तीनों दौर में अंकुश के पक्ष में फैसला दिया।

ईरान को 37-23 से हराकर भारत पहुंचा सेमीफाइनल के करीब

एजेंसी, आइची-नगोया। गत चैंपियन भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपने खिताब बचाने के अभियान को मजबूत करते हुए बुधवार को ग्रुप ए के मुकाबले में ईरान को 37-23 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है। टोकेई सिटीजन्स जिम्नेजियम में ईरान ने तेज शुरुआत करते हुए 8-4 की बढ़त बनाई। इसके बाद पूजा ने शानदार सुपर रेड लगाकर भारत की वापसी कराई। उनकी एक और बेहतरीन रेड से भारत ने स्कोर बराबर किया और फिर मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने रेडिंग और डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ तक 19-15 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भारत ने दबाव बनाए रखा और 18-8 से बढ़त बनाकर मुकाबला 37-23 से अपने नाम किया। भारत ने सात बोनस और चार ऑल-आउट अंक हासिल किए। भारत अब 24 सितंबर को शाम 4:15 बजे जापान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलेगा।

महिला स्कीट टीम ने जीता कांस्य भारत को दिलाया आठवां पदक

एजेंसी, आइची-नगोया। माहेश्वरी चौहान, परिनाज धालीवाल और राइजा ढिल्लों की भारतीय महिला स्कीट टीम ने बुधवार को एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर भारत को आठवां पदक दिलाया। तीनों निशानेबाजों ने तीन दिनों तक चले क्वालीफिकेशन मुकाबलों के बाद कुल 331 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 357 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान की टीम 336 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसे रजत पदक मिला। भारत का यह एशियाई खेलों में आठवां पदक है। वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। मनु ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारत ने एशियाई खेलों में शूटिंग से अब तक छह पदक जीते हैं, जिनमें चार रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय निशानेबाजों को हालांकि अब भी स्वर्ण पदक का इंतजार है।



कुमारेशन साबरे के प्री क्वार्टर फाइनल में हारे, महिला तलवारबाज भी बाहर

एजेंसी, नागोया। भारत के गिशो निधि कुमारेशन पद्मा एशियाई खेलों में बुधवार को पुरुषों की व्यक्तिगत साबरे स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के आर्टेम सरकिस्यान से हार गए। कुमारेशन को आइची स्काई एक्सपो हॉल में सरकिस्यान से 11-15 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय खिलाड़ी ने राउंड ऑफ 32 में लाओस के क्वेंटिन सायसाना जियोफ्रॉय को 15-8 से हराया था लेकिन उनके साथी भारतीय खिलाड़ी करण सिंह चीन के लूओ शाओतोंग से 14-15 से हार गए। कुमारेशन ने पूल चरण में तीन मैच जीते थे जबकि दो में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच महिलाओं की व्यक्तिगत फॉइल स्पर्धा में मीना देवी नोरम और आशीथा स्टालिनराज जॉयस राउंड ऑफ 32 में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। मीना देवी दक्षिण कोरिया की पार्क जिही से 3-15 से जबकि आशीथा कजाकिस्तान की अलयोना ग्नोयेवा से 14-15 से हार गई। भारत की यह दोनों खिलाड़ी पूल चरण के पांच मुकाबलों में केवल एक जीत के बावजूद राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने में सफल रही थी।

जय मीना ने जीता कांस्य, सॉफ्ट टेनिस में भारत को पहला पदक दिलाकर रचा इतिहास

एजेंसी, आइची-नगोया

जय मीना ने 2026 एशियाई खेलों में पुरुष एकल सॉफ्ट टेनिस में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह एशियाई खेलों में सॉफ्ट टेनिस में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। जय मीना का ऐतिहासिक अभियान सेमीफाइनल में जापान के ताकुया कुरोसाका से 3-5, 1-4, 1-4, 4-1, 6-4, 1-4 से हार के साथ समाप्त हुआ। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही उनका कांस्य पदक पहले ही पक्का हो गया था। मीना ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के शेरविन नुगुइट को रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराया था। उन्होंने यह मुकाबला 0-4, 4-2, 2-4, 4-2, 5-3, 2-4, 7-5 के गेम स्कोर से जीता था। इस जीत के साथ उन्होंने एशियाई खेलों में सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला पदक सुनिश्चित किया था।

यह कांस्य पदक अंतरराष्ट्रीय सॉफ्ट टेनिस में मीना के लगातार उभरते प्रदर्शन को दर्शाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा प्रदर्शन 2024 विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में आया, जहां उन्होंने आध्या



तिवारी के साथ मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता था। यह विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक था। 2025 एशियाई सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में भी मीना ने इतिहास रचा। वह पुरुष एकल में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने और कांस्य पदक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने मिश्रित युगल, पुरुष टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में भी कांस्य पदक जीते और प्रतियोगिता में कुल चार पदक अपने नाम किए। श्र

बेनेडिक्टन 100 मीटर बटरफ्लाय के फाइनल से चूके

एजेंसी, तोक्यो। भारतीय तैराक रोहित बेनेडिक्टन एशियाई खेलों में पुरुषों की 100 मीटर बटरफ्लाय स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। रोहित ने बुधवार को अपनी हीट में 53.08 सेकंड का समय निकाला और चौथे स्थान पर रहे। सभी हीट के परिणामों को मिलाकर वह कुल 13वें स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में शीर्ष आठ तैराकों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन रोहित का प्रदर्शन उन्हें अंतिम दौर में पहुंचाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। भारतीय तैराक ने अपनी हीट में प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया, हालांकि फाइनल की दौड़ में जगह बनाने के लिए उन्हें बेहतर समय की जरूरत थी।

अनुभवी भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने पुरुषों की 100 मीटर बटरफ्लाय स्पर्धा में शुरुआत नहीं की। इस तरह इस स्पर्धा में भारत की चुनौती हीट चरण के साथ समाप्त हो गई। अब भारतीय तैराकी दल की नजरें एशियाई खेलों की अन्य स्पर्धाओं पर रहेंगी।

मीराबाई चानू ने जीता एशियाई खेलों का अपना पहला पदक, 49 किग्रा वर्ग में हासिल किया रजत

एजेंसी, आइची-नगोया



ओलंपिक पदक विजेता और तीन बार की राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मीराबाई चानू ने बुधवार को एशियाई खेलों में अपना पहला पदक जीत लिया। उन्होंने आइची-नगोया एशियाई खेलों की महिला 49 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। चानू ने प्रतियोगिता में कुल 198 किग्रा वजन उठाया। स्नैच वर्ग में उन्होंने अपने तीनों प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए और क्रमश: 83, 85 और 87 किग्रा वजन उठाया।

क्लीन एंड जर्क में चानू ने 107 किग्रा के सफल प्रयास के साथ शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 111 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया। इस तरह उनका कुल स्कोर 198 किग्रा रहा। उत्तर कोरिया की री सोंग गुम ने 215 किग्रा के कुल वजन के साथ स्वर्ण पदक जीता। मीराबाई चानू को 198 किग्रा के साथ रजत पदक मिला, जबकि विजायना ने कांस्य पदक अपने नाम किया। यह पदक चानू के लिए खास है। 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में चोट के कारण उन्हें क्लीन एंड जर्क का अंतिम प्रयास छोड़ना पड़ा था और वह चौथे स्थान पर रही थीं। इस बार उन्होंने पोडियम पर जगह बनाकर एशियाई खेलों में अपना पहला पदक हासिल किया।

टोक्यो 2020 ओलंपिक की रजत पदक विजेता चानू ने हाल ही में संपन्न राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। एशियाई खेलों में रजत के साथ उन्होंने अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ ली है।

कर्णम मल्लेश्वरी के बाद मीराबाई चानू ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप—इन सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय भारोत्तोलक बन गई हैं।

भारत से पहले वनडे भिड़ंत के लिए तिरुवनंतपुरम पहुंची वेस्टइंडीज टीम

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

भारत के खिलाफ 27 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले के लिए वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम बुधवार सुबह तिरुवनंतपुरम पहुंच गई। दोनों टीमों के बीच पहला मैच ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में भारतीय समयानुसार दोपहर दो बजे से खेला जाएगा। शाई होप की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज टीम के लिए भारत दौरा महत्वपूर्ण होगा। सीरीज का दूसरा मुकाबला 30 सितंबर को गुवाहाटी और तीसरा मैच 3 अक्टूबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज की वनडे टीम में जॉन कैंपबेल की वापसी हुई है, जबकि एकेम ऑगस्टे की जगह ज्वेल एंड्रयू को शामिल किया गया है। शिमरॉन हेटमायर वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे और टी20 श्रृंखला के लिए टीम से



जुड़ेंगे। भारत की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे और केएल राहुल उपकप्तान होंगे। 15 सदस्यीय टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली भी शामिल हैं। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है। वहीं आकिब नबी और नमन धीर को पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहले दो वनडे मुकाबलों के साथ

27 को ग्रीनफील्ड स्टेडियम में होगा पहला मुकाबला

आईसीसी पुरुष 50 ओवर विश्व कप का मौजूदा क्वालीफिकेशन चक्र भी समाप्त होगा। भारत के लिए यह सीरीज 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से खिलाड़ियों के प्रदर्शन को परखने का अवसर होगी।

बलोचिस्तान के क्वेटा में पुलिस स्टेशन व केच में पाक सेना पर हमला

एजेंसी, क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। राजधानी क्वेटा में थाने (पुलिस स्टेशन) और केच में पाकिस्तान की सेना पर हमले की सूचना है। बताया गया है कि हथियारबंद लोगों ने क्वेटा के अघबर्ग इलाके में पुलिस स्टेशन पर हमला किया। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, थाने पर हमले के दौरान पुलिस और हथियारबंद लोगों के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने पांच हमलावरों को मार गिराने का दावा किया है। इस बीच, आज सुबह केच के हेरोंक इलाके में एक धमाके में अनजान लोगों ने पाकिस्तान की थल सेना के सैनिकों को निशाना बनाया। धमाके में कई सैनिकों के मारे जाने की बात कही जा रही है। मगर इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

इस बीच बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट के प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने जारी बयान में कहा है कि उनकी महिला शाखा करीमा आर्म्ड असॉल्ट डिवीजन ने तुर्बत के पास जुस्क में सीपीईसी हाइवे पर पाकिस्तानी सेना की एक्शन टास्क फोर्स के काफिले पर घात लगाकर हमला किया है। इस बड़े हमले में सेना के कई जवान मौके पर मारे गए। सेना की गाड़ियों को भी नुकसान हुआ है।

पुरुष स्कीट टीम ने जीता कांस्य



एजेंसी, आइची-नगोया

भारतीय निशानेबाज अनंतजीत सिंह नरूका, मेराज अहमद खान और भवतेघ सिंह गिल की पुरुष स्कीट टीम ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम ने 346 अंक हासिल किए और कजाकिस्तान के साथ बराबरी के बाद शूट-ऑफ में जीत दर्ज कर तीसरा स्थान हासिल किया। नरूका ने व्यक्तिगत स्कीट स्पर्धा के फाइनल में भी जगह बनाई है, जहां वह दोपहर 12:30 बजे पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

शूटिंग में इससे पहले भारतीय महिला स्कीट टीम ने भी कांस्य पदक जीता। रायजा ढिल्लों, पारिनाज धालीवाल और महेश्वरी चौहान ने 331 अंक हासिल किए। मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में पहुंचीं और पांचवें स्थान पर रहीं।

सॉफ्ट टेनिस में जय मीना ने क्वार्टर फाइनल जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया और भारत का पदक पक्का किया। रोइंग में बलराज पंवार तथा सतनाम सिंह-सलमान खान ने फाइनल में जगह बनाई। कैनो स्प्रिंट में भारतीय खिलाड़ियों ने भी कई स्पर्धाओं के फाइनल और सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

आतंकी संगठनों पर ख्वाजा आसिफ का बड़ा बयान, पाकिस्तान को खतरा

एजेंसी, इस्लामाबाद

आतंकवाद के खतरे पर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की चिंता

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों को लेकर गंभीर चिंता जताई है। एक पॉडकास्ट में उन्होंने कहा कि ऐसे हथियारबंद समूह पाकिस्तान के लिए भी खतरा बन सकते हैं। उन्होंने इन संगठनों की तुलना 'अनगाइडेड मिसाइल' से करते हुए कहा कि इनके बारे में यह तय नहीं होता कि वे कब और किस दिशा में नुकसान पहुंचाएंगे।



आसिफ के अनुसार, ये संगठन समय और परिस्थितियों के अनुसार अपना रूप बदलते हैं तथा अलग-अलग संघर्षों में शामिल होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को ऐसे मिलिशिया समूहों की आवश्यकता नहीं है। उनके मुताबिक पिछले 40-50 वर्षों का अनुभव दिखाता है कि ऐसे संगठनों को नियंत्रित रखना मुश्किल हो सकता है और वे अंतत: देश की सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकते हैं।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इस संदर्भ में सीरिया और इराक का उदाहरण भी दिया। उन्होंने आशंका जताई कि पाकिस्तान को ऐसी स्थिति से बचना चाहिए। उनका बयान ऐसे समय सामने आया है जब पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों और हथियारबंद समूहों की भूमिका को लेकर बहस जारी है। ख्वाजा आसिफ ने यह भी कहा कि कुछ संगठन नाम और पहचान बदलकर अपनी गतिविधियां जारी रखते हैं।

न्यूयॉर्क में नेपाल के विदेशमंत्री खनाल ने की जयशंकर से मुलाकात



एजेंसी, काठमांडू। नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने संयुक्त राष्ट्रसंघ की 81वीं महासभा के अवसर पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की।

नेपाल के विदेश मंत्री खनाल ने मुलाकात के दौरान नेपाल में हाल ही में आई विनाशकारी भोटेकोशी बाढ़ के बाद भारत सरकार और भारतीय जनता की ओर से व्यक्त की गई एकजुटता तथा तत्काल उपलब्ध कराई गई महत्वपूर्ण सहायता के लिए धन्यवाद दिया। नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक बैठक में दोनों मंत्रियों ने नेपाल-भारत संबंधों के विभिन्न पहलुओं और आपसी हित के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। दोनों के बीच नेपाल और भारत के बीच लंबे समय से कायम घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने तथा द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के विषय पर भी चर्चा हुई।

ट्रंप की चेतावनी के बीच न्यूयॉर्क पहुंचे ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान

एजेंसी, न्यूयॉर्क

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क पहुंच गए। वह बुधवार को महासभा को संबोधित करेंगे और संघर्ष, ईरान की स्थिति तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को लेकर तेहरान के रुख को सामने रखेंगे। पेजेश्कियान ने न्यूयॉर्क रवाना होने से पहले कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने पक्ष को मजबूती से रखेगा। उन्होंने बातचीत और समझौतों को लेकर ईरान के अनुभवों तथा पैदा हुए अविश्वास का भी उल्लेख किया।

उनका दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संयुक्त राष्ट्र में दिए भाषण के बाद हुआ है। ट्रंप ने ईरान के साथ समझौते की जरूरत पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि समझौता नहीं होने पर इस्लामिक



संयुक्त राष्ट्र महासभा में रखेंगे ईरान का पक्ष

रिपब्लिक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। पेजेश्कियान न्यूयॉर्क में विभिन्न देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। ईरानी प्रतिनिधिमंडल की अमेरिकी अधिकारियों के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत भी हुई है, जिससे कूटनीतिक संपर्क की संभावनाएं बनी हुई हैं।

डरबन के टाउनशिप में खूनी खेल, हमले में 11 की मौत

एजेंसी, केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के डरबन शहर में एक घर में हथियारबंद हमलावरों ने घुसकर अंधाधुंध गोलीबारी कर 11 लोगों की हत्या कर दी। इस घटना में एक गर्भवती महिला भी मारी गई है। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, हमला डरबन के क्वामाखुथा टाउनशिप में स्थित एक घर में हुआ। हमलावरों ने घर में मौजूद लोगों को निशाना बनाते हुए लगातार गोलियां चलाईं। गोलीबारी में 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और इलाके को घेर लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। फिलहाल हमले के पीछे की वजह और आरोपियों की पहचान को लेकर जांच जारी है। इस घटना ने दक्षिण अफ्रीका में सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ती हिंसा को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।